फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 73 संख्याः 314 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 16 जून , 2023 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 3.50 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot Metro

A Face Ecerged from Water...

"His Majesty [Pharaoh Nectanebo I] decreed: Let there be given one-tenth of the gold, of the silver, of the timber… to my mother Neith."

Hot Fudge Brownie

Did Curly Hair Kept Early Humans Cool? How early humans stayed cool while conserving water

जंगल में आग लग जाए तो जानवरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है पर आग के बाद समृद्ध जैवविविधता (बायोडायवर्सिटी) वाले नए इकोसिस्टम का विस्तार भी होता है। कैलिफोर्निया के जले हुए जंगलों में ब्लैक कैप्ड वुडपैकर्स (कठफोड़वा की एक प्रजाति) की उपस्थिति सर्वव्यापी है। आग लगने के बाद जो विविधतापूर्ण लैण्डस्केप बचता है उसका सबसे ज्यादा फायदा पक्षियों को ही होता है। जले हुए और मृत वृक्षों में छेद करके बीटल्स (कीड़े) घर बनाते हैं और पक्षी उन्हें खाते हैं। यही नहीं, वुडपैकर्स का योगदान भी महत्वपूर्ण है, ये अन्य प्रजातियों के लिए जगह बनाते हैं। पक्षी व छोटे स्तनपायी, वुडपैकर्स द्वारा त्यागी गई प्रजनन साइट का इस्तेमाल करते हैं। तथापि, फायर रिकवरी ऑपरेशन्स में वुडपैकर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी जाती है। जले हुए जंगल को रिवाइव करने की जल्दबाजी में अधिकारी और फायर मैनेजर्स को यह डेटा एकत्रित करने में बहुत मुश्किल होती है कि, पक्षी कहाँ पर हैं। फिर, अधजले पेड़ों को छांटने आदि की जो कार्यवाही होती है उससे इन पक्षियों पर प्रभाव पड़ता है, इनके आवास नष्ट हो जाते हैं। कॉर्नेल लैब ऑफ ऑर्निथॉलजी एवं कॉर्नेल एटकिन्सन सैंटर फॉर सस्टेनबिलिटी के पोस्ट डॉक्टर फैलो एण्ड्रू स्टिलमैन ने कहा कि, कई इकोसिस्टम्स में आग लगने के हालात से जानवरों ने अनुकूलन कर लिया है। स्टिलमैन व उनकी टीम ने एक ऑनलाइन टूल बनाया है जो जले हुए जंगल में ब्लैक बैक्ड वुडपैकर की मौजूदगी के बारे में बताता है। इस टूल की मदद से अधिकारियों को यह पता लगेगा कि किस जगह वुडपैकर्स की संख्या ज्यादा है तथा इस जानकारी के बाद उन क्षेत्रों से जले पेड़ नहीं हटाए जाएंगे। इकोलॉजिकल एप्लीकेशन्स जर्नल में मार्च 2023 में छपे एक शोध, जिसके सहलेखक स्टिलमैन हैं, में पाया गया कि, वयस्क वुडपैकर्स उन वृक्षों पर घर बनाते हैं जो ज्यादा जले हों, और लगभग मर चुके वृक्षों के पास ही ये भोजन ढूंढते हैं। पर, अगर ये सारा समय ज्यादा जले वृक्षों के पास ही बिताते हैं तो उनके बच्चों के जिंदा रहने की संभावना कम हो जाती है, इसलिए इन्हें कम जले हुए वृक्षों की भी जरुरत होती है। टूल में ये सब नतीजे हैं, जिनसे अधिकारियों को लाभ हो सकता है।

राहुल गांधी क्या ए.आई.सी.सी. के पुनर्गठन में कोई पद लेंगे?

प्रियंका गांधी का क्या होगा? क्या वे ''स्टार प्रचारक'' की भूमिका से ही संतुष्ट रहेंगी तथा कोई अन्य पद और जिम्मेवारी लेंगी?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। ए.आई.सी.सी. और विभिन्न राज्य इकाइयों में होने वाले फेरबदल को लेकर अटकलें और अनुमान तेज होते जा रहे हैं, साथ ही डिबेटिंग लिस्ट पर प्रश्नों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

इन प्रश्नों में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न है– राहुल गांधी की भूमिका क्या होगी तथा वे ए.आई.सी.सी. में कोई पद लेंगे या नहीं?

प्रियंका गांधी की स्थिति क्या रहेगी? उनकी भूमिका और पद क्या होंगे?

तीसरा सर्वाधिक चर्चित प्रश्न जिस व्यक्ति को लेकर है, वे हैं ए.आई.सी.सी. महासचिव तथा संगठन प्रभारी के.सी. वेणुगोपाल, जो राहुल गांधी के दाएं हाथ माने जाते हैं। क्या वे इस पद पर बने रहेंगे या खड़गे उन्हें बाहर का रास्ता दिखाने में सफल हो जायेंगे?

रणदीप सिंह सुरजेवाला पदोन्नति पाने तथा वेणुगोपाल के पद पर आने के लिये जबरदस्त लामबंदी कर रहे हैं, किन्तु साफ बात यह है कि राहुल इस बात पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं।

पार्टी केरल से रमेश चेन्निथला, शशि थरुर को समायोजित करना चाहती है तथा वेणुगोपाल तो पहले से ही मौजूद

- अगर राहुल गांधी कोई पद नहीं लेंगे तो उनका ऑफिस कहाँ होगा?
- प्रियंका गांधी क्या यू.पी. की जिम्मेवारी छोड़ेंगी, क्योंकि स्वयं भी एम.पी. का चुनाव लड़ना चाहती हैं।
- तीसरा सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न ए.आई.सी.सी. के पुनर्गठन में के.सी. वेणु गोपाल के बारे में है? क्या खड़गे उन्हें ए.आई.सी.सी. के संगठन इन्चार्ज के पद से हटा पाएंगे?
- सुरजेवाला, वेणु गोपाल का पद लेने के लिये लालायित हैं।
- केरल के संदर्भ में खड़गे का ''कास्ट'' समीकरण बिठाना भी मुश्किल है। तीन उम्मीदवार हैं, वेणु गोपाल, रमेश चन्निथाला व शशि थरूर, तीनों ''नायर'' हैं, अतः किसको बनायें, किसको नहीं बनायें कठिन सवाल है।
- पर, लोग उम्मीद करते हैं कि, खड़गे विशाल हृदयता दिखायेंगे तथा थरूर, जो उनके खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष पद का चुनाव लड़े थे, को सी.डब्ल्यु.सी. का सदस्य बनायेंगे।
- अभी काफी अनिश्चितताएं हैं, राहुल गांधी के आने के बाद, कुछ स्थति साफ होगी?

हैं। ये तीनों ही ''नैयर'' जाति से हैं तथा इसलिये जातिगत समीकरणों को संतुलित करने में मुश्किल आ रही है।

खड़गे के लिये यह दिखाना जरुरी है कि उनका दिल बहुत बड़ा है, इसलिये उनके लिये शशि थरुर को सी.डब्ल्यू.सी. में समायोजित करना जरूरी है लेकिन जातिगत समीकरण बहुत बड़ी समस्या सिद्ध हो रहे हैं।

राहुल गांधी ने स्वयं महात्मा गांधी के स्तर तक ऊपर उठा लिया है तथा वे पदों से परे एवं ऊपर हो गये हैं। वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि वे सत्ता के पीछे की सत्ता होंगे।

लेकिन अब राहुल 10 जनपथ पहुँच गये तथा अपनी माँ के साथ रहते हैं। सोनिया, प्रियंका तथा राहुल तीनों के दफ्तर भी 10 जनपथ में ही हैं।

सूत्रों का कहना है कि राहुल अब किसी दफ्तर की तलाश में हैं क्योंकि उनके पास ए.आई.सी.सी. का कोई पद नहीं होने के कारण, उन्हें पार्टी मुख्यालय में कोई दफ्तर नहीं मिलेगा।

प्रियंका गांधी अब स्टार प्रचारक हैं। लेकिन वे चुनाव भी लड़ना चाहती हैं। ऐसी स्थिति में, क्या वे उत्तर प्रदेश का प्रभार छोड़ देंगी तथा संगठन में कोई बड़ी भूमिका लेंगी, या फिर वे सांसद बनने पर ध्यान केन्द्रित करेंगी। प्रश्न बहुत सारे हैं किन्तु एक साफ और सटीक उत्तर किसी प्रश्न का नहीं है। पत्रकार अटकलें लगाने में लगे हुये हैं लेकिन अभी तक कोई

(शेष पृष्ठ 6 पर)

एक साल में चीन में शादियों की संख्या में 10 प्रतिशत कमी हुई!

क्यों युवाओं में शादी की परम्परा अपनाने में इतनी अरूचि बढ़ रही है?

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। चीन नई सुपर पावर बनने की दिशा में अमेरिका से प्रतिस्पर्धा कर रहा है लेकिन देश के भीतर यह युवा पीढ़ी के साथ गंभीर समस्या का सामना कर रहा है, जो कि पारम्परिक सामाजिक नियमों से मुंह फेर रहे हैं।

- कोविड के दौरान, चीन की सरकार ने बहुत प्रतिबंध लगाये नागरिकों पर। कई दर्दनाक घटनाएं साक्षी हैं, नागरिक तथा उनकी मानसिक स्थिति पर भारी प्रभाव पड़ा है, उनके मन में एक सवाल क्रौंध रहा है कि, सरकार इतनी आसानी से नागरिकों की स्वतंत्रता नष्ट कर सकती है, तो ऐसी मजबूरी की जिन्दगी अपने बच्चों को देना कहां तक ठीक है?
- दूसरा, बड़ा कारण है, युवतियाँ अपने करियर में आगे बढ़ रही हैं, क्योंकि इकोनॉमिक गतिविधि बढ़ने से युवतियों को आकर्षक अवसर मिल रहे हैं, जीवन में आगे बढ़ने के लिये। वे इस समृद्धि की उड़ान में परिवार की जिम्मेवारियों का ''एक्स्ट्रा बैगेज'' नहीं चाहतीं।

चीन में विवाह होने कम हो गए हैं। चीन के पास अपने नागरिकों की जानकारी एकत्रित करने की बड़ी ही सक्षम मशीनरी है। नवीनतम मैरिज रजिस्ट्रेशन आँकड़ों से पता चला है कि बहुत कम विवाह संपन्न हुए हैं। इसका असर चीनी डेमौग्रैफिक्स पर पड़ रहा है।

चीन में जो कुछ भी हो रहा है वह संपूर्ण सामाजिक परिवर्तन व युवा पीढ़ी की प्राथमिकताओं में बदलाव का संकेत है। नवीनतम आंकडे बताते है कि वर्ष 2022 में 6.83 लाख जोड़ों ने ही शादी की जो कि इससे पूर्व वर्ष की संख्या 7.63 लाख से काफी कम है। इसके अलावा शादी की औसत आयु भी बढ़ रही हैं। एक वर्ष में शादी के आंकड़ों में 10 प्रतिशत की कमी चिंता का विषय है और इसके अवश्य ही गहरे अंतर्निहित कारण हैं।

कुछ लोग इसके लिए कोविड काल में आम आदमी के ट्रामा को जिम्मेवार ठहरा रहे है। उस समय राज्य सरकार ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को पूरी तरह खत्म कर दिया था लोगों का घर से बाहर निकलना तक बंद कर दिया था।

एक उदाहरण तो बेहद दर्दनाक है, जब तक ऊंची इमारत में आग लगने से वहां रह रहे लोग जलकर मर गए, क्योंकि कोविड प्रतिबंधों की वजह से फायर ब्रिगेड वाले आग बुझाने नहीं आ सके थे। इस घटना ने सामाजिक संवेदनशीलता पर ऐसा दाग लगाया जो

(शेष पृष्ठ 6 पर)

क्या आपको कम सुनाई देता है।
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
फ्री सुनाई की जाँच
TRIAL OF HEARING AID
CALL FOR APPOINTMENT
+91 94602 07080
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
www.perfecthearingsolutions.com

''कैंसलेशन रिपोर्ट'' से बृज भूषण को राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। दिल्ली पुलिस ने पोक्सो केस की गहन जांच पूरी कर लेने के बाद, पटियाला हाउस कोर्ट में 550 पृष्ठों की कैन्सिलेशन रिपोर्ट गुरूवार को पेश कर दी। पुलिस ने कहा कि उसके द्वारा की गई जांच नाबालिग

- दिल्ली पुलिस ने रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया के प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ पोक्सो केस में दर्ज रिपोर्ट रद्द करने की सिफारिश की है।

लड़की तथा उसके पिता के बयानों पर आधारित है।

खेल मंत्रालय ने जनवरी में एक आंतरिक कमेटी गठित कर दी थी। इस कमेटी ने मार्च में अपनी रिपोर्ट दे दी थी, जिसे महिला पहलवानों ने खारिज कर दिया था। सर्वोच्च न्यायालय के

(शेष पृष्ठ 6 पर)

यूनिफॉर्म सिविल कोड के मुद्दों को भी चर्चा में क्यों लाया गया है?

कांग्रेस का कहना है, यह चर्चा पुनः जागृत करना दर्शाता है कि, मोदी सरकार हताश है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। कांग्रेस ने आज आरोप लगाया कि भारत के विधि आयोग द्वारा ''समान नागरिक संहिता'' (यूनिफॉर्म सिविल कोड) पर जनता तथा धार्मिक संगठनों के विचार आमंत्रित करने की कोशिश दर्शा रही है कि, नरेन्द्र मोदी सरकार ध्रुवीकरण तथा ''स्पष्ट दिखाई दे रही असफलताओं'' से लोगों का ध्यान हटाने के अपने एजेंडा को ''विधि सम्मत औचित्य'' देने के लिए व्यग्र है।

मुख्य विपक्षी दल ने कहा है कि 22वें विधि आयोग के बयान ने बुधवार को यह स्पष्ट कर दिया है कि, ऐसा कानून एवं न्याय मंत्रालय द्वारा भेजे गये निर्देशन (रेफरेंस) पर किया जा रहा है।

कांग्रेस के कम्यूनिकेशन प्रमुख जयराम रमेश ने एक बयान में कहा

- कांग्रेस के अनुसार हताश होकर भाजपा सरकार पुनः साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण का प्रयास कर रही है, जिससे सरकार की कमियों व खामियों पर ज्यादा ध्यान नहीं जाये।

"विचित्र बात है कि विधि आयोग एक नया रेफरेंस मांग रहा है, जबकि अपनी प्रैस विज्ञप्ति में इसने यह स्वीकार किया है कि इसके पूववर्ती 21वें विधि आयोग ने अगस्त 2018 में इस विषय पर एक कन्सल्टेशन पेपर प्रकाशित किया था। इस बात का कोई कारण नहीं दिया गया है कि यह विषय फिर से क्यों उठाया जा रहा है, सिवाय इसके कि, इसकी प्रासंगिकता के कुछ अस्पष्ट संदर्भ, इस विषय के महत्व तथा विभिन्न अदालतों के हवाले मात्र दिये गये हैं।"

रमेश ने दृढ़तापूर्वक कहा कि इसका असली कारण यह है कि 21वें विधि आयोग ने, इस विषय की विस्तृत एवं व्यापक समीक्षा करने के बाद, कहा था कि, "इस स्थिति (स्टेज) में" समान नागरिक संहिता लाना "न तो आवश्यक है और न वांछनीय।"

रमेश ने कहा, "यह नई कोशिश मोदी सरकार के ध्रुवीकरण एवं इसकी साफ दिखाई दे रही असफलताओं से ध्यान हटाने के इसके सतत एजेंडा के वैध औचित्य के लिये सरकार की हताशा का प्रतिनिधित्व कर रही है।"

तथ्य यह है कि 21वें विधि आयोग, जिसकी नियुक्ति मोदी सरकार

(शेष पृष्ठ 6 पर)

गुजरात भाजपा प्रमुख को लोकसभा चुनावों में महत्वपूर्ण भूमिका

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। गुजरात भाजपा के प्रमुख सी.आर. पाटिल, जो लगातार तीन बार नवसारी से सांसद हैं, को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा

- सूत्रों के अनुसार, गुजरात भाजपा प्रमुख सी.आर. पाटिल को आम चुनावों में यू.पी., राजस्थान, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, हरियाणा जैसे राज्यों की जिम्मेवारी दी जा सकती है। बताया जाता है कि, प्र.मंत्री मोदी पाटिल के काम से बेहद खुश हैं।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

घबराइये नहीं, हवाई यात्रा के दौरान अनियंत्रित आचरण की घटनाएं पूरे विश्व में बढ़ रही हैं, केवल भारत में नहीं

मास्क लगाने की अनिवार्यता हटने के बाद, एक बार तो ऐसी घटनाओं में कुछ समय के लिये कमी आयी थी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। भारत में हवाई यात्रियों की उद्दंडता की घटनाओं के हालिया वृद्धि का रूझान पूरे विश्व में देखा गया है। यह जानकारी मिली है इंटरनैशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आई.ए.टी.ए.) द्वारा एकत्रित डेटा से।

वर्ष 2021 में प्रति एक हजार उड़ानों में यह दर 1.2 थी अर्थात दर 835 उड़ानों में एक घटना हुई। यह दर वर्ष 2022 में बढ़कर 1.76 हो गई अर्थात हर 568 उड़ान पर एक घटना। चालक दल के निर्देश नहीं मानता सबसे आम उद्दंडता है। वर्ष 2021 में प्रति 1000 उड़ान में यह रेट 0.224 प्रतिशत थी जो 2022 में बढ़कर 0.307 प्रतिशत हो गई।

गाली-गलौच व धक्का-मुक्की की घटनाएं भी 2022 में बढ़ी हैं। विमानों, खराब व्यवहार की समस्या से निपटने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय कानूनी निरोधक घटनाओं की बेहतर रोकथाम व प्रबंधन पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

एयर लाइन्स एवं सरकारें इन घटनाओं में वृद्धि व बदतमीजी की गंभीरता को लेकर चिंतित है। इन घटनाओं में चालक दल और अन्य यात्रियों के साथ हिंसा, उत्पीड़न, गाली-गलौच, धूम्रपान, सुरक्षा व सार्वजनिक स्वास्थ्य के निर्देशों का पालन नहीं करना व अन्य प्रकार का दुर्व्यवहार।

यद्यपि इस तरह का व्यवहार कुछ

- पर, फिर संख्या काफी तीव्र गति से बढ़ी। वर्ष 2022 के अंत तक वर्ष 2021 की तुलना में इन घटनाओं में 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- एयर लाइन्स विशेषज्ञों का मानना है कि, घटनाओं का एक बड़ा कारण है, फ्लाइट पकड़ने से पहले एयरपोर्ट के बार रेस्टोरेंट आदि में मदिरा का भारी सेवन या फिर हवाई जहाज में बैठने के बाद, यात्रियों द्वारा प्राइवेट बोतल से शराब पीना।
- विशेषज्ञों का यह भी मानना है कि, अनियंत्रित आचरण का कितना भारी खामियाज़ा भुगतना पड़ सकता है, इस बात का खूब प्रचार हो, तो शायद ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति काफी कम हो सकती है।

ही यात्री करते है, पर इसका असर बहुतों पर पड़ता है। यह दूसरों को असुविधा पैदा कर सकते हैं, अन्य यात्रियों के स्वास्थ्य सुरक्षा को खतरे में डाल सकते हैं, उड़ान संचालन में व्यवधान पैदा कर सकते हैं।

महामारी के बाद इस तरह के व्यवहार में हुई वृद्धि को देखकर आई.ए.टी.ए. ने ज्यादा देशों से कहा है कि ऐसे यात्रियों पर मॉंट्रियल प्रोटोकॉल 2014 (एम.पी. 14) के तहत मुकदमा चलाने के लिए पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।

वर्ष 2022 में घटनाओं के वर्गीकरण में सबसे आम थी, बात नहीं मानना, गाली-गलौच करना, नशा करना आदि, मार पीट की घटनाएं कम हैं, पर इनमें चिंताजनक वृद्धि हो रही है। वर्ष 2021 के मुकाबले 2022 में इन घटनाओं में 61 प्रतिशत वृद्धि हुई है। आई.ए.टी.ए. के डिप्टी डायरैक्टर कोनरॉड क्लिफर्ड ने कहा कि यात्रियों के उद्दण्ड व्यवहार में वृद्धि एक चिंताजनक तथ्य है। यात्री व चालक दल को उड़ान के दौरान शांत व सुरक्षित अनुभव का अधिकार है। इसके लिए यात्रियों का चालक दल के निर्देश मानने चाहिए। हमारे पेशेवर कर्मचारी उद्दण्ड यात्रियों से निपटने में दक्ष होते हैं, पर यह बात स्वीकार्य नहीं है कि नियम सभी की सुरक्षा के लिए पर कुछ लोग लगातार इनका उल्लंघन करते है और नियम नहीं मानने के लिए कोई बहाना नहीं चलेगा।

हवाई यात्रा में वृद्धि के साथ यह

(शेष पृष्ठ 6 पर)

'हिंसा ग्रस्त मणिपुर सेना के सुपुर्द किया जाए'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 जून। ट्राइबल फोरम ने गुरुवार को एक नई इन्टरलोक्यूटरी अपील (आई.ए.) लगाकर, सर्वोच्च न्यायालय से अनुरोध किया कि वह भारतीय सेना को निर्देश दे कि सेना दंगा पीड़ित मणिपुर को पूरी तरह अपने नियंत्रण में ले ले। फोरम ने कहा कि केन्द्र सरकार एवं मुख्यमंत्री के आश्वासन तो निरर्थक हैं क्योंकि ये दोनों

- मणिपुर के एक ट्राइबल फोरम ने सुप्रीम कोर्ट से यह अपील की है और आरोप लगाया है कि, केन्द्र सरकार व मुख्यमंत्री कुकी आदिवासियों को खत्म करने के साम्प्रदायिक एजेंडा पर काम कर रहे हैं।

(शेष पृष्ठ 6 पर)

विचार बिन्दु

मन एक भीरु शत्रु है जो सदैव पीठ के पीछे से वार करता है। –प्रेमचंद

आपको क्यों संदेह है कि भारत में लोकतंत्र नहीं है?

भारत देश का अपना संविधान है, जिसे 'भारत का संविधान' कहा जाता है। इस संविधान को भारत के लोगों ने बनाया है। इस संविधान को भारत के लोगों ने ही 26 नवम्बर 1949 को अंगीकृत, अधिनियत किया है तथा भारत के लोगों को आत्मार्पित किया है। संविधान इसलिये बनाया है कि भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणतंत्र बनाया जावे और देश के लोगों ने ही, इस भारत देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय देने का वायदा किया है। विचार, अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता दी। प्रतिष्ठता और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा सब लोगों में व्यक्ति की गरिमा तथा राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित कर बन्धुता बढाने के लिये दृढ संकल्प होकर भारत लोकतंत्र को बनाया। लोकतंत्र के सभी लोग स्वयं अपने को स्वामी मानते हैं। देश के लोग संघर्ष के स्थान पर विचार विमर्श को ठीक मानते हैं कारतूसों की पेटी के स्थान पर मतपेटी का प्रयोग करते हैं। इस प्रकार लोकतंत्रात्मक राज्य व्यवस्था हमारे संविधान की बुनियादी व्यवस्था बन गई है। हमने प्रतिनिधिक संसदीय लोकतंत्र को अपनाया है।

उद्देशिका में प्रयोग में लाये गये समाजवादी धर्म निरपेक्ष आदि शब्दों से यह स्पष्ट होता है कि उद्देशिका के उद्दात्त और गरिमामय शब्द भारत के समूचे संविधान के सारांश, दर्शन आदि से यह निष्कर्ष निकलता है कि उद्देशिका में संविधान की कुछ ऐसी बुनियादी विशेषतायें अन्तर्निहित हैं जिनके बावत संविधान का संशोधन नहीं हो सकता।

भारत देश एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। हमें गर्व है हम लोकतंत्र देश के नागरिक हैं। जहाँ अभिव्यक्ति तथा अपने धर्म को मानने की स्वतंत्रता है। समता, समानता व समरसता से हमारी बन्धुता जुडी हुई है। हम आपस में लड सकते हैं, किन्तु दुश्मन के लिये एक हैं।

संविधान में भारत के प्रत्येक नागरिक के मूल कर्त्तव्य दिये हैं। इस प्रकार नागरिकों को जहाँ मूल अधिकार दिये हैं वहीं मूल कर्त्तव्य भी हैं। संविधान के अनुच्छेद 51क में अभिव्यक्त किया है कि प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वह संविधान की पालना करे और उसके आदर्श, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करेगा। प्रत्येक नागरिक का कर्त्तव्य होगा कि वह हिंसा से दूर रहेगा और राज्य की सम्पत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाये। भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे। सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परीक्षण करे आदि।

देश के कुछ राज्यों की असेम्बलियों के चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव के दंगल की छवि स्पष्ट होने जा रही है। मोदी बनाम अन्य दल चुनाव के दंगल की विशेषता होगा। 23 जून 2023 को होने वाली विपक्षी दलों की बैठक में 18 दलों की सहमति प्राप्त हो चुकी है। ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है।

देश की अर्थ व्यवस्था वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार दुनियां में 5वें नम्बर पर है। अर्थ व्यवस्था का आकार 3.75 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। वित्त मंत्रालय की सूचना के अनुसार 2023 में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.2 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है। कई पडोसी देश कर्जे के बोझ से डूब रहे हैं, भारत लोकतंत्र सिर ऊँचा कर खडा था।

राज्य कर्जे के आधार पर मुफ्त की योजनाओं पर रेवडी कल्चर लागू है। सरकारें कर्ज लेकर घी पी रही हैं और पिला रही हैं। लोगों को बिजली मुफ्त मिलेगी। प्रत्येक राज्य में अलग-अलग तरह की रेवडिया मुफ्त में मिलेंगी। राजस्थान राज्य में 100 यूनिट तक बिजली मुफ्त मिलेगी इसकी सूचना दी जा चुकी है। लुभावनी योजनाओं की घोषणायें होने जा रही हैं। किस-किस रूप में ये रेवडियां प्राप्त होंगी यह वर्णन करना कठिन है। राज्यों की आर्थिक स्थिति सही नहीं है फिर भी पंजाब, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, राजस्थान आदि के मतदाताओं को ये राज्य कर्ज के सहारे मुफ्त की योजनायें लागू कर चुके हैं और करेंगे। मतदाता को रिझाने के वास्ते मुफ्त बिजली, पानी, सस्ता गैस सिलिन्डर, मुफ्त राशन, बस में महिलाओं को फ्री सफर, वरिष्ठ नागरिकों को मुफ्त तीर्थ यात्रा, सस्ता भोजन, कृषि ऋण, कर्जों की माफी आदि हैं। आरबीआई की रिपोर्ट के अनुसार 28 राज्यों की औसतन 43 प्रतिशत देनदारी बढी है। मध्यप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, राजस्थान, सिक्किम पर आर्थिक देनदारी है। जीएसडीपी के मुकाबले कर्जा अधिक है। राजस्थान में ही घरेलू और कृषि बिजली माफी (फ्री) करने पर एक अनुमान के सहारे 23 हजार करोड का वित्तीय भार पडेगा।

दोनों पार्टियों यानी भारतीय जनता पार्टी व राहुलजी द्वारा विपक्ष को जोडकर मजबूत विपक्ष बनाकर जो भाषण बाजी हो रही है उसका स्तर बहुत नीचे गिर चुका है। भारत का लोकतंत्र मजबूत है। जहां सब देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर है वहीं भारत की स्थिति खतरे से दूर है। भारत प्रगतिशील है, उसकी प्रगति को रोका नहीं जा सकता।

मोदी की तारीफ करने पर ही दूसरे व्यक्ति पर कार ही चढा दी, उसकी मौत हो गई। यह घटना मिर्जापुर की है। यह भारत लोकतंत्र की विशेषता है कि विपक्ष को सरकार को गाली निकालने की पूरी आजादी है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिनांक 21.05.2023 को निर्णय दिया है कि दिल्ली में सरकारी अफसरों पर सरकार का ही नियंत्रण रहेगा। पब्लिक ऑर्डर, पुलिस और जमीन को छोडकर उपराज्यपाल बाकी मामलों में दिल्ली सरकार की सलाह से काम करेंगे। केन्द्र सरकार ने एक अध्यादेश दिनांक 19 मई, 2023 को लाकर सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निरस्त कर दिया। सीएम केजरीवाल ने केन्द्र सरकार को घेरने का प्रयत्न किया है। उनका कहना है कि 140 करोड लोग साथ लेकर व अध्यादेश निरस्त करायें। केजरीवाल ने कहा कि लोकतंत्र समाप्त हो रहा है। राहुलजी ने विदेशों में इसी बात को कहा है कि भारत में लोकतंत्र नहीं रहा है। केजरीवाल ने कहा तानाशाही और हिटलर शाही इसी को कहते हैं। भाजपा ने आरोप लगाया राहुलजी ने केन्द्र सरकार को नीचा दिखाने का पूरा प्रयत्न किया है। भाजपा ने कहा इसका कोई असर अमरीका के शासन पर नहीं है, क्योंकि मोदी को अमरीका की संसद में सम्बोधन के लिये आमंत्रित किया है।

राहुलजी व केजरीवाल का कथन संविधान के प्रियम्बल व मूल अधिकारों के विरूद्ध है। विरोध में भी लोकतंत्र निखर रहा है।

दोनों पार्टियों यानी भारतीय जनता पार्टी व राहुलजी द्वारा विपक्ष को जोडकर मजबूत विपक्ष बनाकर जो भाषण बाजी हो रही है उसका स्तर बहुत नीचे गिर चुका है। भारत का लोकतंत्र मजबूत है। जहां सब देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर है वहीं भारत की स्थिति खतरे से दूर है। भारत प्रगतिशील है, उसकी प्रगति को रोका नहीं जा सकता। भारत ने अपने कार्य के आधार पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर यश प्राप्त किया है। चांद पर पहुंचने की तैयारी कर चुका है।

देशद्रोह (Sedition) अर्थात् धारा 124ए की वैधानिकता पर माननीय सुप्रीम कोर्ट विचार कर रही है। विधि आयोग ने अपनी 279th Report on Usage of the Law of Sedition, लेखक की अपनी राय है कि धारा 124ए आईपीसी प्रत्यक्षत: आर्टिकल 13 व अनुच्छेद 19(1)(ए) यानी फ्री स्पीच के अधिकार के विरूद्ध है। विधि आयोग विधिक पोस्ट है, अत: उसकी रिपोर्ट अन्तिम नहीं हो सकती। सुप्रीम कोर्ट में बहस के समय विधि आयोग की रिपोर्ट के साथ केन्द्र सरकार के आदेश पर विचार होगा। यों भी रिपोर्ट पर अन्तिम निर्णय स्टेक होल्डर को सुनकर ही दिया जावेगा।

धारा 124क आईपीसी कॉलोनियल रिजीम का है, जब देश पर अंग्रेजो का राज था और अंग्रेजों के हेतु हम स्लेव से कम नहीं थे। गांधी, तिलक आदि देश के सर्वोच्च नेताओं को धारा 124क के तहत राज्यद्रोह का मुकदमा चला था और उन्हें सजा हुई। देश के लिये यह गांधी की अवमानना थी और देश के लिये कलंक। अत: धारा 124क को अवैध घोषित करना चाहिये। क्या हम कलंक को धो नहीं सकते? पूर्व मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना का Dessent निर्णय है। वह इस प्रकार है :-

"The rigours of Section 124A of IPC is not in tune with the current social milieu, and was intended for a time when this country was under the colonial regime."

आज का भारत दुनियां का सबसे बडा लोकतंत्र है यानी लोकतंत्र गणराज्य है। इसे लोकतंत्र नहीं मानना केवल मात्र कहने वालों की भूल है।

भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। हमें देश का नागरिक होने पर गर्व है। ऐसी धारा को (124ए को) जिसके तहत् राष्ट्रपिता बापू को राजद्रोह के अपराध की सजा दी गई, भारतीय दण्ड संहिता में स्वतंत्रता के बाद रखना, अपमान जनक है। इस कलंक को मिटाना हमारा धर्म है। भारत लोकतंत्र है यहां सरकार का तख्ता पलट नहीं किया जा सकता। यहां अपने ही लोगों का राज है, वह भी अपने ही लोगों द्वारा तथा अपने ही लोगों पर। राजद्रोह (Sedition) यानी तख्ता पलट यहां नहीं हो सकता। चुनाव में अपनी ही सरकार गिरेगी व अपने ही लोग नई सरकार बनायेंगे।

झंडा ऊँचा रहे हमारा। विजयी विश्व तिरंगा प्यारा।।

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

क्रूरता कायम: राजस्थान सरकार की विवादास्पद गाय नीति

मरियम अबूहैदरी

परिचय:– राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में लंपी के दौरान मरने वाली प्रत्येक गाय के लिए 40,000 रुपये की पर्याप्त राशि प्रदान करने के निर्णय ने एक तीखी बहस छेड़ दी है। जबकि सतही तौर पर यह एक नेक फैसला लग सकता है, मगर करीबी जांच से पता चलता है कि यह नीति न केवल गुमराह करने वाली बल्कि क्रूरता के चक्र को कायम रखती है। ऐसी भूमि में जहां गायों की पूजा की जाती है, यह देखना निराशाजनक है कि सरकार ऐसी नीति का समर्थन और अनुसरण कर रही है जो पशु कल्याण की उपेक्षा करती है और कृत्रिम गर्भाधान और डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जैसी महत्वपूर्ण चिंताओं को दूर करने में विफल रहती है।

क्रूरता को बनाए रखना: राजस्थान सरकार की नीति में प्राथमिक दोष गायों की मौत के मूल कारण को दूर करने में उसकी विफलता है। ये मासूम जानवर अपने मालिकों की गैर जिम्मेदारी का शिकार हो रहे हैं, क्योंकि उन्हें कूड़े कचरे में खाने के लिए छोड़ दिया जाता है जिससे पॉलीथीन पेट में भर जाने और उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कम हो जाने से गायों की मौत हो जाती है। जिम्मेदार पशुपालन को बढ़ावा देने और गायों के लिए रहने की स्थिति में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय, सरकार ने इन जानवरों की मौत को वित्तीय मुआवजे के साथ पुरस्कृत करने का विकल्प चुना है। यह दृष्टिकोण न केवल क्रूरता के दुष्चक्र को प्रोत्साहित करता है बल्कि पशु कल्याण के मौलिक सिद्धांतों की भी अवहेलना करता है।

कृत्रिम गर्भाधान की क्रूरता: इस नीति का एक अन्य पहलू जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वह है कृत्रिम गर्भाधान के लिए सरकार का समर्थन। हालांकि इसे प्रजनन उद्देश्यों के लिए तकनीकी प्रगति के रूप में माना जा सकता है, कृत्रिम गर्भाधान गंभीर नैतिक चिंताओं को जन्म देता है। इसमें अक्सर ऐसी प्रक्रियाएं शामिल होती हैं जो गायों को असुविधा और दर्द पैदा करती हैं। इसके अलावा, इन जानवरों को मात्र उत्पादन इकाइयों के रूप में माना जाता है, उनकी प्राकृतिक प्रजनन प्रणाली में मानव स्वार्थ के लिए हेरफेर किया जाता है। इस तरह के कार्य इन मूक प्राणियों के कल्याण और प्राकृतिक प्रवृत्ति की घोर अवहेलना करते हैं।

नर बछड़ों की उपेक्षा और गुणवत्ता नियंत्रण: अधिकतम दूध उत्पादन के चक्कर में राजस्थान सरकार नर बछड़ों के हश्र को भूल गई है। डेयरी उद्योग अक्सर उन्हें अधिशेष के रूप में देखता है और अपने स्वार्थ के लिए बिना ये विचारे के इनका क्या भविष्य होगा,उन्हें त्याग देता है। आर्थिक रूप से अव्यवहार्य समझे जाने वाले इन बछड़ों को अकल्पनीय पीड़ा का सामना करना पड़ता है और अक्सर इनका एक दुखद अंत होता है। नर बछड़ों की भलाई की उपेक्षा करने वाली नीति का समर्थन करके, सरकार और अधिक क्रूरता और अन्याय को बढ़ावा देने में मिलीभगत कर रही है।

इसके अतिरिक्त, डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर सरकार का ध्यान न देना चिंताजनक है। कृत्रिम गर्भाधान और गहन प्रजनन तकनीक के मानक बनने के साथ, जनता द्वारा उपभोग किए जाने वाले दुग्ध उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में सवाल उठते हैं। सरकार के लिए अपने नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए कड़े गुणवत्ता नियंत्रण उपायों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। हालाँकि, यह किसी भी कीमत पर डेयरी उत्पादन को बढ़ावा देने के पक्ष में एक अनदेखा पहलू प्रतीत होता है।

गलत प्राथमिकताएं: जहां राजस्थान सरकार गायों से संबंधित नीतियों का समर्थन करने में व्यस्त है, वहीं मौजूदा पशु चिकित्सा विश्वविद्यालयों और कृषि महाविद्यालयों की बिगड़ती स्थिति चिंता का विषय है। एक नए पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय और सात कृषि महाविद्यालयों की स्थापना के लिए धन आवंटित करने वाला राज्य का बजट सरकार की गलत प्राथमिकताओं पर सवाल खड़ा करता है। मौजूदा संस्थानों और उनके रखरखाव और सुधार की तत्काल आवश्यकता की उपेक्षा करने के बजाय, संसाधनों को नए उद्यमों के लिए आवंटित किया जा रहा है, मौजूदा बुनियादी ढांचे को अव्यवस्था की स्थिति में छोड़कर।

विवादास्पद गाय नीति का समर्थन करने और उसे आगे बढ़ाने का राजस्थान सरकार का निर्णय न केवल क्रूरता को कायम रखता है बल्कि इससे जुड़ी असंख्य समस्याओं में भी योगदान देता है। अवैध डेयरियों, नगर निगमों और नगर परिषदों की निष्क्रियता, कचरे के ढेर में प्लास्टिक निगलने वाली गायों और सड़कों पर छोड़े गए नर बछड़ों के दुर्भाग्यपूर्ण भविष्य के मूल कारणों को संबोधित करने के बजाय, सरकार की कार्रवाइयाँ इन मुद्दों को और बढ़ा देती हैं। गौशालाएं नर बछड़ों की भी देखभाल कर रहीं हैं , इस पर बिना निगरानी के पूरे वर्ष के लिए गौशालाओं को अनुदान देकर, सरकार अनजाने में अनियमित डेयरी सुविधाओं के प्रसार को प्रोत्साहित करती है, जो गायों के कल्याण से समझौता करती है और पर्यावरण और स्वास्थ्य के खतरों में योगदान कर सकती है। इसके अतिरिक्त, 1,000 नए दूध मार्गों, 5,000 सरस बूथ और 200 सरस पार्लरों की घोषणा, डेयरी उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतीत होती है लेकिन दूध और डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता नियंत्रण संबंधी चिंताओं को दूर करने में विफल रहती है। सरकार के लिए यह अनिवार्य है कि वह अपनी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करे, व्यापक पशु कल्याण नीतियों और डेयरी उद्योग को विनियमित करने के उपायों पर ध्यान केंद्रित करे, न कि एक ऐसी व्यवस्था को बनाए जो अवैध गतिविधियों को बढ़ावा देती है और गायों और पर्यावरण की भलाई की अवहेलना करती है। साथ ही घटिया गुणवत्ता के डेयरी उत्पादों द्वारा नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ न किया जाए।

– मरियम अबूहैदरी,
पशु अधिकार कार्यकर्ता

पुलिस ने 10 बालश्रमिकों को मुक्त कराया

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस ने मुख्यालय जयपुर के आदेश पर बालकों को संरक्षण और उचित देखभाल की कड़ी में उमंग द्वितीय अभियान चला रखा है। इस कड़ी में कमिश्नरेट के जिला पूर्व एवं पश्चिम में होटलों, ढाबों, कपड़ों की दुकानों, मिठाई दुकानों और ऑटोमोबाइल की दुकानों पर रेड दी गई। पुलिस ने दस बालकों को बालश्रम से मुक्त करवा उन्हें चाइल्ड हैल्पलाइन को सौंपा।

पुलिस आयुक्त रविदत्त गौड़ ने दिशा निर्देश पर पुलिस उपायुक्त पूर्व डॉ. अमृता दुहन, डीसीपी पश्चिम गौरव यादव के आदेशानुसार जिला पूर्व एवं पश्चिम में उमंग द्वितीय अभियान चलाया गया। दोनों जिला पुलिस ने अलग अलग स्थानों पर रेड देकर दस बालकों को बालश्रम से मुक्त करवाया।

पुलिस ने सदर बाजार पुलिस ने कंचन टैक्सटाइल कपड़े की दुकान संचालक प्रहलाद टाक, सदर कोतवाली पुलिस ने मेहता मार्केट में इंडियन वस्त्रालय के अशोक कुमार, उदयराज एण्ड कंपनी के किशोरकुमार, नागौरी गेट पुलिस ने कर्नल की हवेली के पास ऑटोमोबाइल की दुकान संचालक खलील लुहार, प्रतापनगर सदर पुलिस ने प्रजापत मिष्ठान भंडार के वीराराम प्रजापत, कुड़ी भगतासनी पुलिस ने सेक्टर 7 में एक भोजनालय के संचालक जोराराम जाट, शास्त्रीनगर पुलिस ने पंजाबी चिकन कॉर्नर के संचालक परमेश्वर सिंह, बासनी पुलिस ने द्वितीय फेज बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने जय भवानी भोजनालय के दिनेश कुमार एवं देवनगर पुलिस ने पाल लिंक रोड पर अरोड़ा नमकीन के संचालक गोपाल के खिलाफ जेजे एक्ट में कार्रवाई की। इन सभी के यहां पर बालकों से श्रम करवाया जा रहा था। कार्रवाई में संबंधित थाना पुलिस के साथ मानव तस्करी यूनिट पश्चिम के प्रभारी हुकमाराम भी शामिल रहे।

भू-माफियाओं ने जंगल और चारागाह की जमीनें बेचीं

पाटन, (निसं)। हजारों साल के गौरवमयी इतिहास के साथ प्रकृत्ति द्वारा खुले हाथों से चारों ओर हरियाली और पहाड़ों से घिरा पाटन कस्बा तहसील क्या बना इसके गौरवमयी इतिहास प्राकृतिक सौंदर्य पर भू माफियाओं की नजर लग गई।

तहसील बनते ही नीमकाथाना और कोटपूतली के भू माफियाओं के साथ ही पाटन के कुछ अति लालची भू माफियाओं की नजर कस्बे के पहाड़ों-नालों और जंगलों को इस प्रकार लगी कि पाटन कस्बे के चारों ओर स्थित पहाड़ों में हमेशा लहलाने वाली फेफड़ों रूपी हरियाली और इन पहाड़ों से निकलने वाले कस्बे की नसों रूपी नदी-नालों और कभी पाटन कस्बे के नगर ईष्ट भगवान सीताराम जी के स्नान के लिए स्नान जल का स्त्रोत रही रामतलाई और यहां तक की जंगल और चारागाह की जमीनों तक को भू माफियाओं ने बेच डाला। फिर चाहे खारिया रोड पर प्रसिद्ध राव जी

- **स्नान जल का स्त्रोत रही रामतलाई और यहां तक की जंगल और चारागाह की जमीनों तक को भूमाफिया ने बेचा**

के बंधे के खसरा नंबर 571 पर अतिक्रमण का मामला हो, नीमकाथाना रोड पर पाटन वाटिका कालोनी के खसरा नंबर 362 के गैर मुमकिन नाले को बेचकर वहां भवन निर्माण कर किराए पर चलाने का का कुत्सित मामला हो, मेहरों की ढाणी के खसरा नंबर 304 और 305 में सार्वजनिक उपयोग की सरकारी जमीन पर दुकानें बनाने का मामला हो अथवा पंचायत समिति के पास और पंचायत समिति और बड़े पावर हाउस के सामने चारागाह भूमि पर रोजाना हो रहे अतिक्रमण हों, या धांधेला रोड बाइपास पर गणेश मार्केट में बेचे गये पुराने खसरा नंबर 810 के गैर मुमकिन नाला को बेचने का मामला हो, चाहे रामपुरा रोड पर वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर बेची जा रही कालोनियां हों, चाहे डाबला रोड पर जंगल और सडक से सटती हुई सरकारी जमीनों, नालों की भूमियों में दबंगों द्वारा किये गये बड़े अतिक्रमण और निर्माण हों, यहां ना सिर्फ अतिक्रमण किये गये जबकि अतिक्रमण कर बनाये गये भवनों का व्यवसायिक उपयोग भी किया जा रहा है। अधिकांश लोग अतिक्रमियों की शिकायत करने से डरते हैं जिससे सरकारी भूमि पर अवैध अतिक्रमण कर सरकार को करोड़ों का नुकसान लगा रहे हैं।

इस संबंध में पाटन तहसीलदार मुनेश कुमार सिर्वा का कहना है कि उक्त खसरा नंबर की संपूर्ण जानकारी करवाने के बाद शीघ्र कार्रवाई की जाएगी।

महंगाई राहत कैंप में एक दिन में मात्र पांच लोगों ने आवेदन किये

किशनगढ़ बास, (निसं)। अनाजमंडी किशनगढ़ बास में लग रहे महंगाई राहत कैंप में सुबह से शाम चार बजे तक केवल पांच लोग ही सरकार की ओर से दी जा रही राहत

- **अनाज मंडी किशनगढ़ बास में करीब 10 दिन से लग रहा है कैंप**
- **'ऐप नहीं चलने के कारण किसानों को ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी की नकल नहीं मिल पा रही है'**

किशनगढ़ बास अनाज मंडी में लग रहे महंगाई राहत कैंप में लोगों का इंतजार करते कर्मचारी।

को लेने के लिए पहुंचे। करीब 10 दिन से अनाज मंडी कैंप में राहत मांगने वालों की संख्या 100 भी पार नहीं कर सकी है। कर्मचारियों ने बताया कि कई बार तो पूरे दिन में दो-तीन लोग ही राहत के लिए आवेदन करने आए हैं।

कैंप में बैठे किसान ने कहा सरकार एक तरफ तो कैंप लगाकर महंगाई में राहत दे रही है वहीं दूसरी ओर किसानों को ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी नहीं मिलने के कारण सरसों चने की फसल को बाजार में सस्ते दामों में बेचना पढ़ रहा है। इस संदर्भ में अधिकारियों को शिकायत की पर आज तक किसानों को ऑनलाइन जमाबंदी गिरदावरी नहीं उपलब्ध हो पा रही है।

मोठूका के किसान कृष्ण गोपाल ने बताया कि खैरथल में क्रय विक्रय सहकारी समिति पर सरकार की ओर से सरसों व चने की फसल की खरीद की जा रही है। किसानों को फसल बेचने के लिए ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी लेकर जाना होता है लेकिन ऐप नहीं चलने के कारण किसानों को ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी की नकल नहीं मिल पा रही है।

पटवार संघ के जिला मंत्री व मोठूका पटवार मंडल के पटवारी मुकेश चौधरी ने बताया कि पिछले करीब 2 महीने से ऑनलाइन गिरदावरी जमाबंदी नहीं निकल रही है। इस संदर्भ में नवगठित खैरथल जिला अधिकारी ओएसडी ओमप्रकाश बैरवा सहित अधिकारियों को अवगत कराया जा चुका है।

गोवंश से भरा मिनी ट्रक मिला

नैनवां, (निसं)। बंबूली बामन गांव के बीच गोवंश से भरा मिनी ट्रक मिला। इसमें तेरह में से आठ गोवंश की मौत एक गंभीर मिली। सूचना पर नैनवा एसडीएम शत्रुघ्न गुर्जर, थानाधिकारी सुभाष चंद शर्मा व डीएसपी योगेश चौधरी मौके पर पहुंचे।

अब तक इस संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार बंबूली व बामन गांव के बीच पिछले दो-चार दिन से एक मिनी ट्रक जिस का नंबर एमपी 13 जीबी 0556 खड़ा हुआ था। वहां से गुजरने वाले ग्रामीणों को जब बदबू आने लगी। तो ट्रक को खोलकर देखा गया जिसमें गोवंश बंधे हुए थे गोवंश इस प्रकार बंधे हुए थे कि वह अपने मुंह से आवाज भी नहीं निकाल पाते। ट्रक में कुल 13 गोवंश थे जिनमें से 8 गोवंश की मौत हो चुकी थी तथा 4 गोवंश जीवित मिले। एक गोवंश की हालत गंभीर बनी हुई है।

उक्त घटना की जानकारी ग्रामीणों द्वारा नैनवा प्रशासन को दी गई सूचना पर सर्वप्रथम एसआई राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे तथा मामले की जानकारी ली जिसके पश्चात पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी। सूचना पर एसडीएम शत्रुघ्न गुर्जर डीएसपी योगेश चौधरी थाना अधिकारी सुभाष चंद शर्मा मौके पर पहुंचे। युवा बंटी गोस्वामी ने ट्रक के रस से काटकर गोवंश को बाहर निकालने में ग्रामीणों व प्रशासन की मदद की।

- **ट्रक में 13 गोवंश थे जिनमें से 8 गोवंश की मौत हो चुकी थी**

इस बारे में जानकारी देते हुए युवा बंटी गोस्वामी ने बताया कि जब वो पास से निकल रहे थे तो ट्रक में से बदबू आई और शंका के आधार पर ट्रक को खोलकर देखा तो उसमें ऐसा दिखाई दिया की ट्रक को इस प्रकार बनाया गया है कि उसने स्पष्ट दिखाई दे रहा था कि इस ट्रक में गोवंश की तस्करी की जाती है। ट्रक को पीछे से भूसे के बोरों से पैक कर रखा था। इसके पश्चात स्थानीय नैनवा थाने में इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने पर नैनवां डिप्टी योगेश चौधरी, नैनवां थाना अधिकारी सुभाष चंद शर्मा,एएसआई राजेंद्र सिंह बजरंग दल के जिला संयोजक लकी चोपड़ा, रजलावता पंचायत के सरपंच रामस्वरूप बिल्डर, बामनगांव उप सरपंच दिनेश गुर्जर, बामनगांव पूर्व सरपंच सत्यनारायण पटेल, आसाराम धाकड़ सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी हुई है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

शुक्रवार 16 जून, 2023

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र दिन 3:07 तक, धृति योग रात्रि 1:22 तक, वणिज करण प्रात: 8:41 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज यमघट योग दिन 3:07 से सूर्योदय तक है। भद्रा प्रात: 8:41 रात्रि 8:56 तक रहेगी। आज मास शिवरात्रि है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:14 तक, लाभ-अमृत 7:19 से 10:45 तक, शुभ 12:27 से 2:10 तक, चर 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:18

मेष

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

मिथुन

आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। धन हानि हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी।

कर्क

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

तुला

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। व्यावसायिक अड़चने अभी यथावत बनी रहेगी। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

धनु

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

मकर

व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कुंभ

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

REPC RAJASTHAN EXPORT PROMOTION COUNCIL

FORTi FEDERATION OF RAJASTHAN TRADE & INDUSTRY
An Apex Chamber of Trade & Industry

RAJASTHAN ASSOCIATION OF KENYA
Rajasthan Association of Kenya

Export Gateway to Africa

Make in राजस्थान

चलो अफ़्रीका
अपने व्यापार
को दें वैश्विक आयाम

Kenya
Burundi
Ethiopia
Republic of the Congo
Rwanda
South Sudan
Tanzania
Uganda

B2B VISITORS FROM EAST AFRICA

INDO EAST AFRICA TRADE EXPO

05 06 07 July 2023 KICC, Nairobi, Kenya

Exhibitors

ADAM HEALTHCARE	EVA BIOTECH PVT.LTD.
AAB EXIM INDIA PVT LTD	FINE ACERS HOLIDAYS & RESORTS PVT LTD
AARVI TRADERS SOLUTIONS	FLORET IMPEX PVT LTD
ACE PATRONS CONSULTING	FOREVER INTERIO
AKASH ASSOCIATES	GANGAMANI FASHIONS
AGARWAL AGRO INDUSTRIES	GANGANAGAR AUTO AGENCIES
ALL ABOUT TECHNOLOGY	GANGANAGAR MOTORS LTD
AMAYRA VENTURES PVT LTD	GENUS INOVATION LTD
ANAISHA MARKETING	GENUS POWER
APOORVE CORPORATION	GOLE CONSTRUCTION CO.PVT.LTD
ARK OVERSEAS	GRAVITA INDIA LTD
ARYA GROUP OF COLLEGES	GULSHAN POLYOLS LTD
AVI CLOTHS PVT LTD.	HANUMAN TRADERS
BABA ENGINEERS	HARSITTHI ENTERPRISES
BANSAL AUTOMOTIVE	HEMANT AQUA SOLUTIONS PVT LTD
BHAAVIKA MACHINE TOOLS PVT LTD	HI- TECH INDUSTRIES
BHAGWAN MAHAVEER HOSPITAL CANCER HOSPITAL	HISHIMO PHARMACEUTICALS PVT LTD
BUDHIA STEEL PVT LTD	HTS PETROCHEM PVT.LTD.
BUILDSMART CONSTRUCTION CHEMICALS PVT LTD	INSOLATION ENERGY LTD.
CHETAK POLYMERS	JAI BALAJI EXPORT
CMA MODULAR SYSTEMS P.L.	JAI ENGINEERING COMPANY INDIA
CMA TURNKEY PROJECT P.L.	JAI KALYAN JEWELLERS
DEEPAK AUTOMOBILE	JAJOO RASHMI RE FRACTORIES PVT.LTD.
DIGI LIVE	JANGID ENTERPRISES
DORMAK INTERIORS	JANGID OVERSEAS MODSPACES
DURGA LIME INDUSTRIES	JINDAL LUBE (INDIA)
ELEKTROLITES (POWER) PVT. LTD., JAIPUR	JR AUTO ENGINEERS AND PETRO PRODUCTS LLP
ENSOL MULTICLEAN EQUIPMENTS PVT LTD	JYOTI AUTOMOBILES

Limited
STALLS AVAILABLE
₹ 75,000 *

SPONSORS

Genus energizing lives
RMC SWITCHGEARS LTD
GRAVITA INDIA LIMITED
NECCON
FLORET
INA the way to ENERGY
MEDANTA SERVICES
BMCHRC
ARYA GROUP OF COLLEGES

Exhibitors

KAITEN SOFTWARE/OORJA WHEEL	SHOOLIN AGRIFARM PVT LTD
KAY 2 K INTERNATIONAL PVT LTD	SHREE ANUPAMUMAM
KHANDAKA HOSPITAL	SHREE ROOPSHREE ARTS EXPORTS
KRISHNA CONTRUCTIONS COMPANY	SHRI BALAJI INDUSTRIES
KS POLYTUBES PRIVATE LIMITED	SHRI SIDDHIVINAYAK PETROLEUMS
KS TECHNOSOFT PVT LTD	SHYAM GEMS TRADING CORPRATION
KWALITY CERAMIC	SHYAM KRIPA FRAGNANCE
LEYLAND HOUSE	SINGHALS FLEXI PACK
LOTUS HI-TECH INDUSTRIES	SONI HOSPITAL
MEDANTA SERVICES	SPIDER LINK
MOTHER HIND FOODS PRIVATE LIMITED	SQUARE INSURANCE BROKERS PVT.LTD.
MTR EXPORTS	STAR RISE ENERGY PVT LTD
NATIONAL TOOLS EXPORT	STELLAR BLUE TECHNOLOGIES
NEOSOFT	STOREBOX PVT LTD
NEUROCARE HOSPITAL & RESEARCH CENTRE PVT LTD	SUNRISE FURNITURE SOLUTIONS PVT LTD
NEW VIKAS KRISHI YANTRA PVT LTD	SURYA MEDISALES
P.R MOTORS	SVE INTERIORS
PANJAB MOTOR STORES	SWASTIK SALES CORPORATION
POLE STAR FINCHEM INDIA	TESCA TECHNOLOGIES PVT.LTD.
PRADHAN MOTORS AND TRACTOR PARTS	THE HEAD MASTER CONSULTING
PRIYAM INFOSYSTEMS PVT LTD	TIRUPATI TRADING COMPANY
R.P. JEWELLERS	UBL BEARINGS
RAMBHAJO REALTERS	UMESH ENTERPRISES
RAYTRIG INNOVATIONS PVT LTD	VIJAY AUTO PARTS
REQUIRE BUSINESS CORPORATION	VIJAY AUTOMOBILES
RMC SWITCHGEARS LIMITED	VISHWAKARMA ENGINEERING WORKS
SAMRIDHI HOLIDAY INN	VISHWAKARMA SHILP KARYALYA
SECURE AUTOMATION CONSULTANTS	ZINTEX BLUE OCEAN PVT LTD
SHEESHDANI PROJECTS AND FOODS	ZUBERI ENGERING PVT LTD

SARAS

सीमित स्टॉल्स उपलब्ध
स्टॉल बुक करने के लिए सम्पर्क करें :- 1800 891 4130

Website: www.forti.in
Email: info@forti.in
/Fortirajasthan.official

Head Office: A-7, Second Floor, Ganpati Enclave, Civil Lines, Jaipur - 302006

*TERMS & CONDITIONS APPLY

पूर्व मंत्री नसीम व आर.टी.डी.सी. अध्यक्ष राठौड़ के बीच गतिरोध जगजाहिर हुआ

आर.टी.डी.सी. अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ की राजनीति से अजमेर कांग्रेस में फूट

पूव मंत्री नसीम अख्तर के समर्थन में पुष्कर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी अतिरिक्त जिलाधीश को ज्ञापन देने पहुंचे।

अजमेर, (कासं)। एक ओर जहां राजस्थान में कांग्रेस की अंर्तकलह व गुटबाजी का गतिरोध थमने का नाम नही ले रहा है, वहीं दूसरी ओर अजमेर जिले में भी प्रतिस्पर्धा की लड़ाई अब खुलकर सामने आने लगी है। पूर्व मंत्री नसीम व कांग्रेस में वर्तमान आरटीडीसी अध्यक्षे राठौड़ के बीच का गतिरोध अब जगजाहिर हो गया है। दोनों ही नेता एक दूसरे को शिकस्त देने में लेगे हुये है।

14 जून को ही पुष्कर की पूर्व विधायक आगामी चुनाव में कांग्रेस टिकट की प्रबल दावेदार नसीम अख्तर और उनके पति इंसाफ अली सहित 20 लोगों पर सरकारी कार्यक्रम में गुंडागर्दी करने का मुकदमा पुलिस ने दर्ज किया है। अजमेर के सिविल लाइन पुलिस थाने पर यह मुकदमा तब दर्ज हुआ है, जब नसीम अख्तर सत्तारुढ़ कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर हैं। गंभीर बात तो यह है कि यह मुकदमा अजमेर जिला परिषद के विजय सिंह चौहान ने दर्ज करवाया है।

पूर्व मंत्री नसीम अख्तर, उसके बेटे व पति इंसाफ अली सहित करीब 15 लोगों द्वारा गांधी दर्शन समिति के कार्यक्रम में हंगामा करने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। गुरूवार को पंचायत समिति अजमेर ग्रामीण पंचायती राज सरपंच संघ के पदाधिकारियों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर इस मामले में सख्त सख्त कार्यवाही कर दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग की है। जिला परिषद सदस्य महेन्द्र सिंह मझेवला, सरपंच शक्तिसिंह रावत,

- **सचिन पायलट समर्थक प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष नसीम अख्तर और उनके पति इंसाफ अली के खिलाफ मामला दर्ज**
- **पायलट समर्थक रलावता के पुत्र पर दर्ज हो चुका है मुकदमा**

अर्जुन सिंह रावत समेत अन्य भाजपाईयों ने कहा कि गांधी दर्शन अंहिसा प्रकोष्ठ प्रशिक्षण कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से दुर्व्यवहार एवं गाली गलौच करना ऐसे जनप्रतिनिधयों को शोभा नहीं देता है, इसकी संघ कडी निंदा करता है और इस मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही हो, अन्यथा तीन दिन बाद सरपंच संघ महंगाई राहत शिविर व प्रशासन गांवों के संघ का बहिष्कार करने की चेतावनी दी है।

जबकि अख्तर का कहना है कि यह मुकदमा धर्मेन्द्र सिंह राठौड ने अधिकारियों की मदद लेकर राजनीतिक द्वेषता की वजह से दर्ज करवाया गया है। 13 जून को पुष्कर में आने वाली अजमेर ग्रामीण पंचायत समिति का महंगाई राहत शिविर लगा था। क्षेत्र की पूर्व विधायक होने के नाते राहत शिविर की जिम्मेदारी उनकी ही थी, लेकिन इस शिविर में वीडीओ विजय सिंह चौहान और अन्य अधिकारी उपस्थित नहीं हुए। उन्हें जब यह जानकारी मिली कि अधिकांश अधिकारी रीट कार्यालय में आयोजित समारोह में उपस्थित हैं तो उन्होंने ही रीट कार्यालय जाकर अधिकारियों को उलाहना दिया। उनकी बातचीत अधिकारियों से कार्यक्रम के बाहर हुई, लेकिन इसके बाद भी उनके और समर्थकों के विरुद्ध संगीन धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। अख्तर ने बताया कि जिस वीडीओ विजय सिंह चौहान ने उनके विरुद्ध पुलिस में शिकायत दी है, उस विजय सिंह चौहान का उन्होंने ही अजमेर ग्रामीण के पद पर विरोध किया था। इस संबंध में उन्होंने 23 मार्च, 2021 को मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर चौहान को उनकी पंचायत समिति में वीडीओ नहीं लगाने का आग्रह किया था।

अख्तर ने कहा कि दर्ज मुकदमे में वे अदालत से अग्रिम जमानत नहीं करवाएंगी। वे अपने साथियों के साथ गिरफ्तार होने को तैयार हैं। उन्होंने इस बात पर अफसोस जताया कि कांग्रेस की सरकार में ही उन जैसी कर्मठ और वफादार कार्यकर्ता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ है। नसीम ने कहा कि वे देश भर के कुरैशी समाज की महिला शाखा की राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होने से देश भर के कुरैशी समाज में भी नाराजगी है।

नसीम अख्तर व महेंद्र सिंह रलावता दोनों ही पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के समर्थक हैं। गत 11 मई को पायलट ने अपनी जन आक्रोश यात्रा अजमेर में रलावता के जयपुर रोड स्थित फार्म हाउस से ही शुरू की थी। हालांकि प्रदेश उपाध्यक्ष होने के नाते नसीम अख्तर मुख्यमंत्री गहलोत के संपर्क में भी हैं, लेकिन इन दोनों को पायलट समर्थक ही माना जाता है।

कांग्रेस की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नसीम अख्तर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का मुस्लिम एकता मंच ने भी विरोध किया है। मंच के प्रतिनिधि पीर नफीस मियां चिश्ती, नवाब हिदायतुल्ला, काजी मुनव्वर अली, फखर काजमी ने कहा कि अख्तर मुस्लिम समाज की भी सम्मानित नेता है। उनके विरुद्ध राजनीति द्वेषता के चलते मुकदमा दर्ज किया गया है। प्रतिनिधियों ने इस बात पर अफसोस जताया कि कांग्रेस के शासन में ही कांग्रेस की पदाधिकारी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज हुआ है।

आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र सिंह राठौड़ का कहना है कि मैं हमेशा से कांग्रेस में हूं और सब जगजाहिर है कि कांग्रेस को कौन कमजोर कर रहा है, मैं तो हमेशा से कांग्रेस को मजबूत करने में लगा हुआ हूं और में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में जी जान से लगा हुआ हूँ। यह भी सबको पता है कि किसने किसके साथ कांग्रेस के कार्यक्रम में मारपीट कीं। उन्होंने नसीम पर निशाना साधते हुये आरोप लगाया कि यह लोग गुंडागर्दी करते रहे ओर हम सहते रहे, अब यह नही चलेगा।

रलावता के पुत्र पर भी मुकदमा

अजमेर, (कासं)। अजमेर उत्तर से कांग्रेस टिकट के प्रबल दावेदार और गत माह चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता के पुत्र शक्ति सिंह रलावता और कांग्रेस के अन्य कार्यकर्ताओं के विरुद्ध भी क्रिश्चियन पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया था।

यह मुकदमा कांग्रेस की राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश की सह प्रभारी अमृत धवन के अजमेर आगमन पर हुआ। कार्यक्रम स्थल पर कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जो मार पिटाई हुई उसे देखते हुए अमृता धवन कार्यक्रम स्थल पर नहीं आई। असल में इन दिनों अजमेर जिले की राजनीति में आरटीडीसी के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ का दखल है। हालांकि राठौड़ पूर्व में अजमेर की राजनीति में सक्रिय नहीं थे, लेकिन पिछले दो वर्षों से राठौड़ सक्रिय हैं।

राठौड़ ने दो दिन पहले ही संकल्प लिया है कि अजमेर जिले की सभी आठों सीटों पर कांग्रेस की जीत करवाएंगे। जब तक जीत नहीं होगी, तब तक वे किसी भी समारोह में माला और साफा नहीं पहनेंगे। चूंकि राठौड़ पुष्कर या अजमेर उत्तर से चुनाव लड़ना चाहते हैं, इसलिए इन दोनों ही विधानसभा क्षेत्रों में टिकट मांगने वालों को ठिकाने लगाने का काम कर रहे हैं। जिन घटनाओं को लेकर नसीम अख्तर और रलावता के पुत्र पर मुकदमा दर्ज हुए हैं, ऐसी घटनाएं राजनीति में आम है।

लेकिन अपने विरोधियों को कुचलने के लिए धर्मेंद्र राठौड़ की ओर से कोई कसर नहीं छोड़ी जा रही है। राठौड़ कह सकते हैं कि इन दोनों मुकदमों में उनकी कोई भूमिका नहीं है। यह सही भी है कि राठौड़ ने कोई मुकदमा दर्ज नहीं कराया है। लेकिन सब जानते हैं कि अजमेर पुलिस में धर्मेन्द्र राठौड़ की एक तरफा चल रही है। राठौड़ के पास जो राज्यमंत्री का दर्जा है, वैसे राज्य मंत्री सीएम गहलोत ने करीब पचास बना रखे हैं। लेकिन धर्मेन्द्र राठौड़ अकेले ऐसे राज्यमंत्री हैं जिन्हें अजमेर में पुलिस का पायलट वाहन उपलब्ध होता है।

बी.एस.एफ. ने ड्रोन पर फायरिंग की, 10 करोड़ की हेरोइन बरामद

तारबंदी पार कर अंदर तक आ गया था ड्रोन

अनूपगढ़, (निसं)। पाकिस्तान की ओर से आए एक ड्रोन ने रात भारतीय सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश की। इंटरनेशनल बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ जवान फौरन अलर्ट हुए और फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि 25 राउंड फायरिंग के बाद ड्रोन पाकिस्तान की सीमा में वापस लौट गया।

घटना श्रीगंगानगर में भारत-पाकिस्तान सीमा पर अनूपगढ़ स्थित कैलाश पोस्ट के पास देर रात करीब 11:30 बजे की है। उधर, सर्च ऑपरेशन में जवानों ने 2 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। इसकी कीमत 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। माना जा रहा है कि ड्रोन के जरिए पाकिस्तान भारत में ड्रग्स तस्करी की नापाक साजिश करता है। दुश्मन देश की ओर से बॉर्डर पर पहले भी ऐसे प्रयास हो चुके हैं। बीएसएफ जवानों ने घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दी। इस पर बीएसएफ के अधिकारी भी कैलाश पोस्ट पर पहुंचे, हालात का जायजा लिया। इधर, रात और सुबह चले सर्च ऑपरेशन में गांव 13 के में एक खेत में दो पैकेट हेरोइन के बरामद हुए हैं।

जानकारी के अनुसार रोज की तरह बीएसएफ के जवान कैलाश पोस्ट के

- **बीएसएफ के अधिकारी भी कैलाश पोस्ट पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया**

पास गश्त कर रहे थे। तभी उन्होंने पाकिस्तान की ओर से ड्रोन आने की आवाज सुनी। ड्रोन जीरो लाइन पार करते हुए तारबंदी क्रॉस कर भारत की सीमा में घुस आया था। इस पर बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन पर ताबड़तोड़ फायर कर उसे खदेड़ दिया। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची। रात में ही सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया, हालांकि तब कोई भी संदिग्ध सामग्री नहीं मिली थी। सुबह इलाके में दोबारा सर्च किया गया तो हेरोइन के पैकेट्स मिले।

डीएसपी रामेश्वर लाल ने बताया कि घटना के बाद देर रात से ही पुलिस और बीएसएफ के द्वारा संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया। गुरुवार सुबह भी ग्रामीणों की मदद से पूरे एरिया में सर्च किया गया। पुलिस प्रशासन के द्वारा ग्रामीणों से संदिग्ध व्यक्तियों के बारे में पूछताछ की जा रही है। उन्होंने बताया कि गैर कानूनी गतिविधियों को रोकने के लिए क्षेत्र में नाकाबंदी भी करवाई गई है। सर्च अभियान अभी भी जारी है।

इससे पहले 28 फरवरी 2023 को खमीसा पोस्ट और पृथ्वी सर पोस्ट के बीच पाकिस्तान में ड्रोन के जरिए हीरोइन को गिराने का प्रयास किया था, मगर बीएसएफ के जवानों ने 15 से 20 राउंड फायर कर ड्रोन को खदेड़ दिया था। 27 मार्च को पाकिस्तान ने सीमा चौकी के पिलर संख्या 380 के पास ड्रोन से 2 किलो 600 ग्राम हेरोइन गिराई थी। इस मामले में बीएसएफ और पुलिस ने चार तस्करों को गिरफ्तार किया था। 17 मई 2023 को पाकिस्तान ने रावला मंडी में भारत पाकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनी निमिचंद पोस्ट के पास से 5 किलो हेरोइन गिराई थी, बीएसएफ के द्वारा 42 राउंड फायर कर ड्रोन को नीचे गिरा दिया गया था। 30 मई 2023 को भी सखी पोस्ट के पास पाकिस्तान की ओर से रात्रि को ड्रोन के जरिए हेरोइन गिराने की कोशिश की गई थी, इस पर बीएसएफ के जवानों ने 48 राउंड फायर कर ड्रोन को खदेड़ दिया था।

शव की चार दिन बाद भी पहचान नहीं

जोधपुर, (कासं)। निकटवर्ती करवड़ स्थित देसूरिया खारोलान गांव में झाड़ियों में नग्नावस्था में मिले शव की चार दिन बाद भी पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के अनुसार चार दिन पहले एक व्यक्ति का शव नग्नावस्था में मिला था। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची। शव की गुरुवार को चौथे दिन भी पहचान नहीं हो पाई है। जानवरों ने उसके पैरों को घुटनों तक नोंच खाया है। फिलहाल पुलिस उसकी पहचान के प्रयास में भी जुटी है। मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही पता लग पाएगा। थानाधिकारी बुद्धाराम ने बताया कि 11 जून को सूचना मिली कि देसूरिया खारोलान गांव की सरहद में झाड़ियों में एक व्यक्ति का शव पड़ा है। इस पर पुलिस वहां पहुंची। आरंभिक पड़ताल में सामने आया कि वह मांग कर खाता था। पागलपन का भी शिकार था। मौका ए हालात से लगा कि वह नग्नाावस्था में है और पैरों को घुटनों तक जानवरों ने खा लिया है। उसकी मौत किस परिस्थिति में हुई इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही हो पाएगा।

भाजपा विधायक के करीबी के बिगड़े बोल

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा टोडारायसिंह विधायक कन्हैयालाल चौधरी के बेहद करीबी व भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व पदाधिकारी नारायण सिंह आमली के एक वायरल वीडियो में भाजपा की जिला प्रमुख सरोज बंसल व उनके पति नरेश बंसल को उनकी औकात दिखाने के चेतावनी को लेकर सोशल मीडिया व राजनैतिक गलियारे में विपक्षी ही नहीं अपितु भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता ने भी दांतों तले अंगुली दबा ली।

वीडियो विधायक के लिए विधानसभा चुनाव में गलफांस बनता नजर आ रहा है। एक ओर जहां भाजपा विधायक कन्हैयालाल चौधरी आगामी विधानसभा चुनावों में क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक बना प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने की ताल ठोक मालपुरा विधानसभा क्षेत्र से 30 साल से पराजित हो रही कांग्रेस का इस बार भी सफाया करने का दावा कर केन्द्र की मोदी सरकार की योजना व विकास कार्यों के साथ-साथ अपने नौ साल के कार्यकाल के विकास कार्यों तथा क्षेत्र में मजबूत पकड़ के साथ-साथ गांव-ढाणी में सघन जनसम्पर्क अभियान में लगे हुए हैं।

वहीं दूसरी ओर विधानसभा चुनाव से पूर्व पार्टी के ही पूर्व पदाधिकारी तथा स्वयं के करीबी कार्यकर्ता द्वारा सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भाजपा की जिला प्रमुख को उनकी औकात दिखाने जैसी चेतावनी देने से जैन समाज में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। साथ ही भाजपा के ही कई वरिष्ठ पदाधिकारी

- **जिला प्रमुख को उनकी औकात दिखाने की दी चेतावनी**

व निष्ठावान कार्यकर्ता नारायण सिंह आमली के बिगडे बोल की कड़े शब्दों में निन्दा कर इसका खामियाजा विधानसभा चुनाव में पार्टी को भुगतने की चेतावनी दे रहे हैं।

वायरल वीडियो में नारायण सिंह ने अपनी पीड़ा व गुस्से का कारण बीते दिन उनियारा में आयोजित भाजपा के कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री की मौजूदगी में लगी प्रचार-सामग्री में टोंक लोकसभा क्षेत्र की आठ विधानसभाओं में एक मात्र व लगातार दूसरी बार भाजपा विधायक बने कन्हैयालाल चौधरी का फोटो नहीं छपवाने को लेकर जिला प्रमुख के प्रति चेतावनी भरा मैसेज वायरल किया है। कांग्रेसजन इस वीडियो को जमकर वायरल कर विधायक की सह पर करीबी कार्यकर्ता द्वारा इस प्रकार का चेतावनी भरा वीडियो वायरल करना बता रहे हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा से जानकारी चाहने पर उन्होंने वायरल वीडियो की जानकारी होने से साफ इंकार करते हुए दबी जुबान में जिम्मेदार कार्यकर्ता व पूर्व पदाधिकारी द्वारा पार्टी के जिला प्रमुख व उनके पति के प्रति अशोभनीय बयानों की निन्दा की। तो सांसद व विधायक सहित शहर अध्यक्ष व अन्य पदाधिकारी वीडियो को लेकर चुप्पी साधे बैठे हैं जिसका कारण व सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है।

चचेरे बहन-भाई ने आत्महत्या की

निवाई, (निसं)। ग्राम पंचायत ढाणी जुगलपुरा की जनता कॉलोनी में एक चचेरे बहन व भाई ने कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली है। घटना की सूचना पर थानाधिकारी छोटेलाल जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे।

उन्होंने बताया कि कुएं में लड़की की लाश तैरती हुई दिखाई दी लेकिन लड़के की लाश कुएं में नहीं दिखी। इस पर टोंक से सीडीएफ एवं एफएसएल टीम को मौके पर बुलवाया। मौके पर पहुंची सीडीएफ टीम के जवानों ने कुएं में उतरकर लड़की का शव बाहर निकाला और युवक के शव की तलाश की गई। काफी मशक्तत के बाद शव को बरामद किया और कुंए से बाहर निकाला। पुलिस ने दोनों के शवों को कब्जे में लेकर राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया। मृतकों के परिजनों ने पुलिस को बताया कि बुधवार की रात को अफजल व उर्मिला घर से गायब हो गए थे, जिन्हें परिजन रातभर ढूंढते रहे। गुरूवार की सुबह करीब सात बजे दोनों को ढूंढते हुए परिजन कुंए के पास पहुंचे जहां दोनों की चप्पल मिली और कुंए में मृतका का शव तैरता हुआ दिखाई दिया। मौके पर पहुंची पुलिस व एफएसएल टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को बताया कि जनता कालोनी निवासी अफजल उम्र 19 वर्ष पुत्र कालू तथा उर्मिला उम्र 18 वर्ष पुत्री नजीर खां के बीच प्रेम प्रसंग था तथा दोनों रिश्ते में चचेरे भाई बहन थे। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद ही नहीं हुआ।

हादसे में सेना के जवान का निधन

हिंडौन सिटी। कृषि उपज मंडी के पास महवा बाइपास पर बुधवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से सेना एक जवान का निधन हो गया। घटना की सूचना पर नई मंडी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जिसके बाद घायल को पुलिस जीप में लेकर जिला अस्पताल पहुंची। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामले की जानकारी मृतक के परिजनों को दी। जिसमें मृतक के भाई रामवीर, उदयसिंह और अन्य परिजन जिला अस्पताल पहुंचे। जिसके बाद पोस्टमार्टम के लिए शव को मोर्चरी में रखवा दिया। नई मंडी पुलिस थाने के मुकेश सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान मूलत करौली के नयाबांस और हाल निवासी तिलक नगर का दिनेश गुर्जर (30) पुत्र हंसराम गुर्जर के रुप में हुई है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम गुरुवार को कराया गया।

चिंकारा हिरण का शिकार करने का आरोपी गिरफ्तार

हिरण शिकार के आरोपी को भेजा रिमांड पर

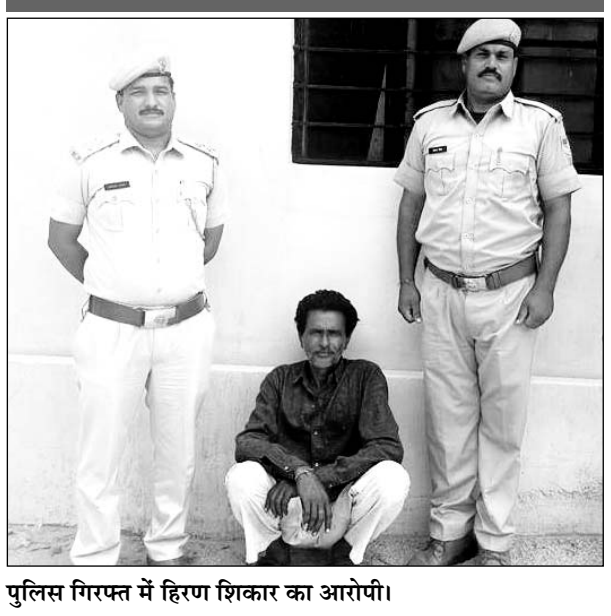

पुलिस गिरफ्त में हिरण शिकार का आरोपी।

सुजानगढ़/बिदासर, (निसं)। बीदासर के परावा गांव की रोही में चिंकारा हिरन (नर) का शिकार करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पारेवडा निवासी गिरफ्तार आरोपी बजरंग सिंह को आज कोर्ट में पेश किया गया।

कोर्ट ने उसे पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। क्षेत्रीय वन अधिकारी ओकेश यादव ने बताया कि बुधवार को टीम ने कार्रवाई करते हुए शिकारी बजरंग सिंह निवासी पारेवडा बीदासर को गिरफ्तार किया था। गिरफ्तार शिकारी से एक बाइक और एक चिंकारा हिरन का शव बरामद किया गया। चिंकारा हिरन का पोस्टमार्टम पशु चिकित्सकों के मेडिकल बोर्ड से करवाया गया है। गिरफ्तार आरोपी से पूछताछ की जा रही है। यादव ने बताया कि वन्यजीव शिकारियों के विरुद्ध चुरू डीएफओ सविता दहिया आईएफएस के निर्देशानुसार जारी अभियान के तहत सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में सहायक वनपाल रामरती मीना, सहायक वनपाल महेंद्र सिंह, वनरक्षक राकेश विश्नोई, वीरेंदर सिंह आदि शामिल रहे।

पाली जिले में "बिपरजॉय" तूफान का 16, 17 और 18 जून तक रहेगा असर, प्रशासन सतर्क

अति भारी बारिश और तेज अंधड़ का पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन को लेकर तैयारियां चाक-चौबंद

पाली, (नि.सं.)। चक्रवाती तूफान बिपरजॉय को लेकर मौसम विभाग, आपदा प्रबंधन सहायता और नागरिक सुरक्षा विभाग की ओर से जारी एडवाइजरी को लेकर राज्य सरकार के निर्देशानुसार पाली में जिला प्रशासन सतर्क है। आपदा प्रबंधन को लेकर सभी जरूरी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। इस बीच जिला कलक्टर नमित मेहता और पुलिस अधीक्षक गगनदीप सिंगला ने आमजन से सावधानी बरतने और तूफान के दौरान घरों से रहने की अपील की।

जिला कलेक्टर नमित मेहता ने बताया कि मौसम विभाग की एडवाइजरी के मुताबिक चक्रवाती तूफान बिपरजॉय का पाली जिले में 16 जून से 18 जून तक प्रभाव रहेगा। इसके चलते 16 जून को तेज अंधड़ के साथ अति भारी बारिश होने, 17 जून को अंधड़ और अत्यधिक भारी बारिश तथा 18 जून को भी भारी बारिश होने की संभावना है। प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए प्रशासन ने सभी जरूरी तैयारियां कर ली हैं। जिला, ब्लॉक स्तर तथा विभागवार नियंत्रण कक्ष स्थापित किए जा चुके हैं। इसके अलावा बाढ़ के हालातों से निपटने के लिए जिला से लेकर ग्राम पंचायत स्तर पर रस्से, रेत के कट्टों, टॉर्च, वाटर पंप, मड पंप, नाव आदि की व्यवस्था की गई है। जिले में एसडीआरएफ की टीम के साथ पुलिस, होमगार्ड, गोताखोर आदि की तैनातगी सुनिश्चित कर ली गई हैं।

निचले क्षेत्रों में जहां पानी भरने की संभावना रहती है, वहां निवासरत लोगों को चिन्हित कर लिया है तथा जरूरत पड़ने पर उन्हें तत्काल सुरक्षित क्षेत्र में शिफट किया जाएगा। जिला कलेक्टर ने नदी-नाले के आसपास की बस्तियों-अस्थायी डेरों में निवासरत लोगों से भी प्रशासन के काम में सहयोग करने तथा अधिकारियों के कहने पर अपने मकान खाली कर आगामी 3-4 दिन के लिए सुरक्षित स्थलों पर चले जाने का आग्रह किया। साथ ही कच्चे मकानों तथा जर्जरहाल भवनों में रह रहे लोगों से भी तूफान के दौरान मकान में नहीं रहने तथा किसी सुरक्षित स्थल पर चले जाने की अपील की। जिला कलेक्टर ने तेज आंधी अंधड़ व मेघ गर्जन के दौरान आमजन से घरों के अन्दर रहने, बड़े पेड़ों के नीचे खड़े ना होने, कच्ची दीवारों के पास खड़े नहीं होने, पशुओं को पेड़ से नहीं बांधने, घर में बिजली के उपकरणों का संपर्क हटा देने, बिजली के खंभों के पास व नीचे दुपहिया व चार दुपहिया वाहन खड़ा नहीं करने, जिन घरों में टीन शेड है उनके गेट बंद रखने, बड़े होर्डिंग्स लगे स्थानों से दूर रहने, विद्युत खंभों तारों व ट्रांसफार्मर आदि से पर्याप्त दूरी बनाए रखने सहित अन्य सावधानियां बरतने की अपील की है। उन्होंने अंधड़ के दौरान खुले मैदान में होने पर नीचे लेट जाने अथवा नजदीकी सुरक्षित स्थलों पर आश्रय लेने की भी अपील की। जिले में बाढ़ नियंत्रण एवं बचाव राहत कार्य के लिए जिला स्तरीय नियंत्रण कक्ष व विभिन्न विभागीय नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। आमजन किसी भी तरह की आपात स्थिति की सूचना दे सकते हैं।

- **जिला कलेक्टर और एसपी ने आमजन से सावधानी बरतने और तूफान के दौरान घरों से रहने की अपील की**

चक्रवाती तूफान "बिपरजॉय" को लेकर अजमेर डिस्कॉम हाई अलर्ट

एफआरटी सहित निगम की टेक्निकल टीम अलर्ट पर रहे : निर्वाण

अजमेर/झुंझुनूं, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम ने चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के प्रभाव के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए हाई अलर्ट घोषित किया है। डिस्कॉम ने अस्पतालों जैसी महत्वपूर्ण जगहों पर आपूर्ति को हर हाल में चालू रखने के लिए सभी इंजीनियर्स को विशेष निर्देश जारी किए हैं। बिपरजॉय चक्रवात के दौरान डिस्कॉम के अधिकारी एवं कर्मचारी मुख्यालय नही छोड़ सकेंगे।

अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एनएस निर्वाण ने बिपरजॉय चक्रवात को लेकर अधिकारियों से चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पतालों एवं अन्य आवश्यक जगहों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए अगर आवश्यक हो तो वहां डिस्कॉम का टेक्निकल स्टाफ भी नियुक्त किया जाए। अजमेर डिस्कॉम क्षेत्र के सभी 11 जिले भी इस चक्रवात के प्रभाव क्षेत्र में आते हैं। चक्रवात के खतरे को देखते हुए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी अलर्ट मोड पर रहेंगे। साथ ही टेक्निकल टीम के साथ आवश्यक मटेरियल की भी पहले से प्रबंध करने के निर्देश दिए गए है। उन्होंने निर्देश दिए कि एफआरटी टीम अलर्ट पर रहे तथा समयबद्ध उपभोक्ताओं की समस्याओं का निस्तारण करें।

निर्वाण ने बताया कि चक्रवात को देखते हुए डिस्कॉम ने अतिरिक्त जोनल एवं सर्किल स्तर पर भी नियंत्रण कक्ष तैयार किए है। ये नियंत्रण कक्ष अगले निर्देशो तक 24 घंटे कार्य करते रहेंगे। किसी भी खराबी की सूचना तुरंत संबंधित सर्कल स्तर और जोनल स्तर नियंत्रण कक्ष को दी जाएगी, उसके बाद मुख्यालय स्तर के नियंत्रण कक्ष को इसकी सूचना दी जाएगी। डिस्कॉम का कॉल सेन्टर भी 24 गुणा 7 कार्य कर रहा है। उपभोक्ता 18001806565 पर कॉल कर भी अपनी समस्या दर्ज करा सकते है।

निर्वाण ने बताया कि अजमेर डिस्कॉम ने पहले भी आपदा प्रबंधन में बेहतरीन कार्य किया है। अजमेर डिस्कॉम अस्पतालों एवं अन्य जरूरी जगह में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए अपनी हरसंभव कोशिश करेगा। इसके लिए डिस्कॉम की टीम 24 घंटे कार्य कर रही है। यदि इस तूफान से कोई क्षेत्र प्रभावित होता है तो सबसे पहले उस क्षेत्र की सप्लाई को प्राथमिकता पर सबसे पहले सुचारु रूप से चालू किया जाएगा। निर्वाण ने सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया कि अगर चक्रवात के कारण विद्युत सप्लाई में कुछ विलंब हो जाए तो वे डिस्कॉम कर्मचारियों को अपना सहयोग दें।

नैनवां में प्रशासन अलर्ट मोड़ पर पुलिस की जनता से अपील :- बीपरजाय तूफान को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड पर है। थाना अधिकारी सुभाष शर्मा के नेतृत्व में कस्बे के मुख्य स्थानों पर तूफान को लेकर सुरक्षित स्थानों पर रहने की मुनादी करवाते हुए जनता से सुरक्षा बरतने की अपील की। थानाधिकारी सुभाष चंद शर्मा ने इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन द्वारा जारी की गई गाइडलाइन का पालन करते हुए बीपरजॉय तूफान के प्रभाव को देखते हुए आम जनता को सुरक्षा बरतने तूफान से बचने के उपाय बताए गए।

डेयरी बूथ आवंटन में धांधली की जांच के लिए महापौर सौम्या ने बनाई कमेटी

ग्रेटर नगर निगम की लाइसेंस समिति के चेयरमैन रमेश सैनी, नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी, अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार व मुख्य अभियंता अनिल सिंघल करेंगे प्रकरण की जांच

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी जयपुर में डेयरी बूथों के आवंटन में धांधली की जांच के लिए ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने जांच कमेटी गठित की है। इसके लिए उन्होंने आयुक्त महेन्द्र सोनी को नोटशीट लिखकर डेयरी बूथों के लिए प्राप्त आवेदन से लेकर तमाम कागजात और रिकॉर्ड कमेटी को सौंपने के लिए कहा है। इस जांच कमेटी में लाइसेंस समिति के चेयरमैन रमेश सैनी को अध्यक्ष और अतिरिक्त आयुक्त प्रवीण कुमार को सदस्य सचिव बनाया गया है, जबकि नेता प्रतिपक्ष राजीव चौधरी और मुख्य अभियंता अनिल सिंघल को सदस्य नियुक्त किया गया है। यह जांच कमेटी आगामी 15 दिन में प्रकरण की जांच करके अपनी रिपोर्ट सील्ड लिफाफे में सौंपेगी, जिसे बोर्ड के समक्ष रखा जायेगा।

महापौर डॉ. सौम्या का कहना है कि जयपुर में डेयरी बूथ आवंटन में अनियमितता का आरोप लगाते हुए पार्षद पारस जैन, दिनेश कुमार गौड, ममता देवी और चेयरमैन रमेश

सैनी ने ज्ञापन सौंपा है। इनका आरोप है कि ग्रेटर निगम द्वारा डेयरी बूथ आवंटन के साक्षात्कार में चहेतों को फायदा पहुंचाने के लिए रेवडियां बांटने और भ्रष्टाचार किया गया है, इन घटनाक्रम और आरोपों से नगर निगम की छवि खराब होती है, इसलिए इस मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

अब मजेदार बात यह है कि आखिर इतने दिन बाद महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर को डेयरी बूथ आवंटन में अनियमितता कैसे नजर आई, जबकि उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने कई दिन पहले ही उन्हें नोटशीट लिखकर इस पूरी प्रक्रिया पर आपत्ति जता दी थी। उधर महापौर द्वारा जांच कमेटी गठित करने के बाद

- **कमेटी 15 दिन में मामले की जांच कर अपनी रिपोर्ट सील्ड लिफाफे में सौंपेगी, जिसे बोर्ड मीटिंग में खोला जायेगा**

उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने भी कमिश्नर महेन्द्र सोनी को नोटशीट लिखकर डेयरी बूथ आवंटन से जुड़ी पूरी प्रकिया को तत्काल रोकने के लिए कहा है।

देखा जाए तो डेयरी बूथ आवंटन में इस बार साक्षात्कार की शर्त राज्य सरकार ने शामिल की थी। जिस पर पूर्व मेयर और सांगानेर विधायक अशोक लाहौटी ने भी आपत्ति जताई थी और इसे भाई-भतीजावाद बताते हुए इसमें भारी भ्रष्टाचार की आशंका जताई थी। बीजेपी के सांगानेर विधायक अशोक लाहोटी की आपत्ति और नाराजगी के बावजूद ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या ने इस पूरी प्रक्रिया को ना तो रोकने की कोशिश की और ना ही कोई जांच कमेटी गठित की, लेकिन अब अचानक ऐसा क्या हुआ है, जिसके बाद महापौर ने तुरंत जांच कमैटी का गठन किया है।

विश्वस्त सूत्रों की मानें तो कुछ पार्षदों और चेयरमैनों ने भाजपा नेतृत्व को शिकायतें दी थी कि उनके वार्ड में जरूरतमंद लोगों को डेयरी बूथ आवंटन तक नहीं हुए हैं, जबकि आवेदन वाकई जरूरत मंद लोग थे और उनके कागजात भी पूरे थे। तमाम कागजी कार्रवाई के बाद भी उनके आवेदन पत्रों को खारिज कर दिया गया, जबकि कुछ लोगों को साक्षात्कार में निकाल दिया गया। इस प्रकरण की शिकायतें महापौर से करने के बावजूद कोई सार नहीं निकला। ऐसी ही शिकायतें पार्टी के नेताओं ने भी दी है, जिसके बाद प्रदेश शीर्ष नेतृत्व ने महापौर डॉ. सौम्या से इस बारे में संज्ञान लेने को कहा था। इसके बाद इन पार्षदों की शिकायतों और ज्ञापनों पर महापौर डॉ. सौम्या ने संज्ञान लेते हुए जांच कमेटी गठित करने का निर्णय लिया है।

'बारिश आने के बाद नाला साफ करवाओगे क्या?'

महापौर मुनेश ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस.के. वर्मा को लताड़ा

हैरिटेज महापौर मुनेश गुर्जर ने नाला सफाई में लापरवाही देखकर अधिकारियों को लताड़ लगाई।

जयपुर (कासं)। मानसून के दौरान परकोटे की सड़कें एक बार फिर दरिया बनकर बहती दिखेंगी, क्योंकि हैरिटेज नगर निगम अभी तक नालों की सफाई का काम खत्म ही नहीं कर पाया है।

गुरुवार को जब महापौर मुनेश गुर्जर ने दौरा किया तो कहीं कम संसाधन काम करते हुए दिखे तो कहीं नाला सफाई का काम ही शुरू नहीं हुआ। नाराज महापौर ने सहायक अभियंता लोकेश और फर्म मैसर्स हरिनारायण अग्रवाल को नोटिस देने के निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि नाला सफाई में लापरवाही बरती जा रही है, अधिकारी इस काम को तुरंत पूरा करें। ताकि मानसून में लोगों को कोई परेशानी न हो।

सूत्रों की मानें तो ब्रह्मपुरी थाने के पास से गुजरने वाले नाले की सफाई ही शुरू नहीं हुई थी। महापौर मुनेश गुर्जर

- **सहायक अभियंता लोकेश और फर्म मैसर्स हरिनारायण अग्रवाल को नोटिस थमाने के निर्देश**

ने अतिरिक्त मुख्य अभियंता एस.के. वर्मा से कहा कि बारिश आने के बाद नाला साफ करवाओगे क्या? यहां नाले में सीवर लाइन जुड़ी होने का मामला सामने आया। महापौर ने उपायुक्त (स्वास्थ्य) आशीष कुमार को संबंधित व्यक्ति का चालान काटने के निर्देश दिए। इसी प्रकार आमेर रोड से गुजरने वाले नाले की सफाई केवल एक जेसीबी से होती मिली, वहां केवल दो व्यक्ति यहां काम कर रहे थे। दुकानों के सामने कचरा पड़ा देख महापौर ने सीएसआई को फटकार लगाई।

उपमहापौर ने 22 मार्च को डेयरी बूथ आवंटन प्रक्रिया पर सवाल उठा दिए थे, फिर इतने दिन महापौर क्यों चुप रही?

अब पुनीत कर्णावट ने डेयरी बूथ प्रकरण की निष्पक्ष जांच और रिपोर्ट आने तक प्रकिया रोकने की मांग उठाई

जयपुर (कासं)। डेयरी बूथ आवंटन में अनियमितता-भ्रष्टाचार की आशंका 4 पार्षदों द्वारा जताने पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने जांच कमेटी का गठन किया है, लेकिन ताज्जुब की बात यह है कि ग्रेटर निगम के ही उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने 3 माह पहले 22 मार्च को महापौर को नोटशीट लिखकर डेयरी बूथ आवंटन प्रक्रिया को रोकने की मांग उठाई थी। अब सवाल यह उठता है कि चार पार्षदों के आरोपों पर जांच कमेटी बनाने वाली महापौर आखिर पिछले 3 माह से उपमहापौर की नोटशीट के बावजूद चुप क्यों रही?

उधर उपमहापौर पुनीत कर्णावट ने अब भले ही महापौर द्वारा जांच कमेटी गठित करने का स्वागत किया है, लेकिन उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की आवश्यकता जताई है। उनका कहना है कि जरूरतमंद और गरीब परिवारों को आवंटित होने वाले डेयरी बूथों में भ्रष्टाचार के आरोपों से बोर्ड की छवि धूमिल

उपमहापौर पुनीत कर्णावट

- **डेयरी बूथ आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों से बोर्ड की छवि धूमिल हुई, जांच कमेटी की निष्पक्ष जांच जरूरी : कर्णावट**
- **गत 4 अप्रैल को लाइसेंस समिति के चेयरमैन रमेश चंद सैनी और सदस्य कविराज सेठी ने 7 तथ्यात्मक बिंदुओं के साथ महापौर को आपत्ति दर्ज करवाई थी, इसके बावजूद उनके आपत्ति पत्र पर भी समय रहते कोई संज्ञान नहीं लिया गया**

हुई है, इसलिए जरूरी है कि यह जांच कमेटी निष्पक्ष जांच करके अपनी रिपोर्ट बनाएं। साथ ही जब तक कमेटी की रिपोर्ट प्राप्त नहीं हो जाती, तब तक पूरी प्रकिया रोकी जाये।

उपमहापौर ने कहा कि पूर्व में समय रहते जब इस तरह के भ्रष्टाचार का कृत्य किया जा रहा था, तब भी मेरे द्वारा कई पत्रों व नोटशीट के माध्यम से अवगत कराया गया था कि डेयरी बूथ आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी के चलते भ्रष्टाचार की संभावना है। गत 22 मार्च की नोटशीट में मैंने नगर निगम की लाइसेंस समिति को बूथ आवंटन में शामिल करने की सिफारिश की थी, लेकिन उस नोटशीट को कोई तवज्जो नहीं दी गई। इसके बाद 4 अप्रैल को लाइसेंस समिति चेयरमैन रमेश चंद सैनी और सदस्य कविराज सेठी ने 7 तथ्यात्मक बिंदुओं को अंकित करते हुए महापौर को आपत्ति भी दर्ज करवाई थी। उस पत्र में डेयरी बूथ आवंटन को न्यायालय में दायर की गई याचिका (सिविल रिट पिटीशन संख्या 25599/2022 स्टेट वर्सेज कविराज सेठी सदस्य लाइसेंस कमेटी) के प्रकियाधिन होने की जानकारी, डेयरी बूथ आवंटन में समिति के अधिकारों का हनन, नियमों की अवहेलना, न्यायालय के पूर्व आदेशों की अवहेलना, स्ट्रीट वेंडिंग एक्ट के नियमों की अवहेलना जैसे तथ्यपूर्ण बिंदु रखे गए थे, साथ ही अनियमिता व अपारदर्शिता होना बताया था किंतु इस आपत्ति पत्र पर भी समय रहते कोई संज्ञान नहीं लिया गया। आज जब इस तरह की भ्रष्टाचार संबंधी तथ्य सामने आ रहे है, जिनकी प्रबल संभावना मेरे द्वारा पहले ही व्यक्त कर दी गई थी, जिस पर समय रहते संज्ञान ना लेना एक प्रकार से इस तरह के कृत्य को अप्रत्यक्ष रूप से होने देना प्रतीत होता है, यह हमारी भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर सवालिया निशान खड़ा करता है और बोर्ड की छवि धूमिल होना दर्शाता है, जिसके कारण महापौर को आज 4 सदस्य जांच कमेटी गठित करनी पड़ी है।

अब चूंकि महापौर ने जांच समिति गठित कर ली गई है तो समिति अपनी जांच को उचित व निष्पक्ष रूप से पूरी कर सके, इसके लिए वर्तमान में चल रही डेयरी बूथ आवंटन प्रकिया को यथा स्थिति पर तुरन्त प्रभाव से रोकने की जरूरत है, जिससे कि जांच किसी भी तरह से प्रभावित ना हो, किसी भी तथ्य, दस्तावेज व साक्ष्यों से छेड़छाड़ नहीं हो।

सार-समाचार

मंत्रालयिक कर्मचारियों का अनशन

जयपुर। राजधानी के शहीद स्मारक पर अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर मंत्रालयिक एकता मंच की ओर से चल रहा क्रमिक अनशन गुरूवार को 92वें दिन भी जारी रहा। मंत्रालयिक एकता मंच के प्रवक्ता देवेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि आज ईएसआई विभाग के भंवर सिंह नाथावत के नेतृत्व में बंशीधर सैनी, हिमांशु यादव, राजेश जाट, सिरमोर मीणा एवं सुनील उतरेजा 24 घण्टे के क्रमिक अनशन पर बैठे। मंत्रालयिक कर्मचारियों की ओर से अपनी प्रमुख मांगों सहायक प्रशासनिक अधिकारी को ग्रेड पे 4200 व कनिष्ठ सहायक को आरंभिक वेतन 25500 किए जाने की प्रमुख मांगों के साथ 6 सूत्री मांग पत्र के समर्थन में 16 मार्च से शहीद स्मारक पर क्रमिक अनशन किया जा रहा है। आज अनशन कर्ताओं के समर्थन में राजेश पारीक, गजेंद्र सिंह राठौड़, सुरेश धाभाई, देवेंद्र सिंह नरूका, महेंद्र शर्मा, गिरिराज सोनी, छोटे लाल मीणा, संदीप माथुर, कैलाश चंद शर्मा, सुभाष चंद्र लुगारिया, अक्षय कुमार पुरोहित, बहादुर सिंह राठौड़, मोहन तनेजा, रमेश तिवारी, सर्वेश्वर शर्मा, सुरेश नारायण शर्मा, ओम प्रकाश चौधरी, रामबाबू शर्मा, राजकुमार बैरवा, शंकर लाल मीणा, विजय वर्मा, राजेश कुमार जलपानी व जगमोहन सिंह सहित अन्य कर्मचारी अनशन पर बैठे।

तंबाकू फ्री यूथ कैंपेन में गंभीरता बरतें

जयपुर। तंबाकू नियंत्रण एवं रोकथाम के लिए संचालित किए जा रहे तंबाकू फ्री यूथ कैंपेन की प्रगति रिपोर्ट राज्य स्तर पर नहीं भिजवाने पर करौली एवं बाड़मेर जिले को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही सभी जिलों को इस कैंपेन में गंभीरता बरतने और निर्धारित कार्यवाही यथासमय पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी ने बताया कि तंबाकू नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम राज्य सरकार की जन घोषणा के अनुसार प्राथमिकता का कार्य है। बाड़मेर एवं करौली जिलों द्वारा युवाओं में नशे की लत को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने तथा निरोगी राजस्थान अभियान की क्रियान्विति के लिए 60 दिवसीय तम्बाकू फ्री यूथ कैंपेन की प्रथम सप्ताह की प्रगति रिपोर्ट नहीं भिजवाने पर लापरवाही बरतने की कारण जानने के लिये नोटिस दिये गये हैं। उन्होंने सभी जिलों में अभियान गतिविधियों की क्रियांवित में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए हैं।

रोडवेज में 142 यात्री बिना टिकट पकड़े

जयपुर। राजस्थान रोडवेज की विजीलेंस टीम ने जयपुर समेत अलग-अलग शहरों के रूट्स पर चलने वाली 26 बसों में बिना टिकट यात्रा करते 142 यात्रियों को पकडा है। वहीं इस मामले में लिप्त 18 परिचालकों (कंडक्टरों) को ब्लैक लिस्ट किया है, जबकि 8 का ट्रांसफर दूर स्थानों पर करने की सिफारिश की है। राजस्थान रोडवेज के एमडी नथमल डिडेल ने बताया कि ये चैकिंग पिछले दिनों 3 दिन विशेष अभियान चलाकर की गई। चैकिंग गंगानगर, जोधपुर, पाली, झालावाड, इन्दौर, चूरू, हिसार, झुंझुनूं, भरतपुर, अलीगढ, दिल्ली, अलवर, जयपुर, उदयपुर, बांसवाडा और डूंगरपुर के रूटों पर संचालित 116 बसों में की गई। इनमें से 26 बसों में 142 यात्री बिना टिकट के यात्रा करते पकडे गए। इन सभी यात्रियों से 5,408 रुपए किराया के पेटे और 16,170 रुपए जुर्माना राशि के पेटे वसूले गए। इन बसों में उस वक्त ड्यूटी दे रहे सभी कंडक्टरों के खिलाफ भी एक्शन लिया गया। बिना टिकिट यात्रियों को सफर करवाने वाले 18 बस सारथियों (कॉन्ट्रेक्ट पर नियुक्त) को ब्लैक लिस्ट करने की कार्यवाही की गई। जबकि 8 निगम परमानेन्ट परिचालकों को दूरस्थ स्थान पर ट्रांसफर किया गया। इस चैकिंग के दौरान धौलपुर डिपो की एक बस में एक सारथी की जगह उसका कोई परिचित ड्यूटी करते हुए पकड़ा गया। उस सारथी के खिलाफ टीम ने कार्यवाही करते हुए उसका कॉन्ट्रेक्ट रद्द करते हुए उसे ब्लैक लिस्ट कर दिया और दोनो के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के लिए धौलपुर डिपो के चीफ मैनेजर को निर्देश दिए है।

महिला को परेशान करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। करणी विहार पुलिस ने महिला को परेशान करने और धमकी देने के मामले में एक बदमाश को गिरफ्तार किया हैं। आरोपी चेतन शर्मा मुरली पुरा थाने का हिस्ट्रीशीटर है और करणी विहार में किराए का फ्लैट लेकर रह रहा हैं। आरोपी के खिलाफ मुरली पुरा थाना सहित कई थानों में आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी चेतन शर्मा स्काई स्टार अपार्टमेंट हीरा नगर में रहता हैं। यहां पर रहने वाली महिला ने पुलिस को शिकायत दी थी कि आरोपी आए दिन यहां पर उनके परिवार के साथ झगड़ा करता हैं। खुद को हिस्ट्रीशीटर बताकर यहां पर रहने वाले लोगों को धमकाता रहता हैं। सूचना पर मौके पर पहुंची करणी विहार थाना पुलिस को भी आरोपी ने धमकी दी। इस पर थाना पुलिस ने आरोपी चेतन शर्मा को गिरफ्तार किया। डीसीवी वैस्ट वंदिता राणा ने बताया कि पीड़ित महिला ने पुलिस को सूचना दी की आरोपी स्काई स्टार अपार्टमेंट हीरा नगर में रहता हैं। आरोपी मेरे व मेरे बच्चों के साथ आये दिन गाली गलौच करता है और खुद को हीस्ट्रीशीटर बताता है। इस पर पीसीआर पहुंची तो चेतन शर्मा आवेश में आकर महिला को देख लेने की ऐलानियां धमकी देने लगा एवं बावर्दी पुलिस जाप्ते को भी धमकी देने लगा कि इस पर चेतन शर्मा पुत्र मुरारीलाल शर्मा निवासी प्लॉट न. 29 अल्कापुरी पुलिस थाना मुरलीपुरा को गिरफ्तार किया हैं।

प्रदेश में केवल एक नया करोना संक्रमित मिला

जयपुर। प्रदेश में गुरूवार को केवल एक ही नया करोना संक्रमित मिला है। वहीं इस दौरान दो मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 17 रह गए हैं।

प्रदेश में गुरूवार को जयपुर में एक नया संक्रमित मिला है। इससे पहले बुधवार को राज्य में दो रोगी पाए गए थे। इधर, राज्य में आज 1861 कोविड जांच की गई है।

पिछले चौबीस घंटों में जयपुर में दो मरीजों के रिकवर होने के साथ ही फिलहाल राज्य में 17 एक्टिव केस बचे हैं। इनमें उदयपुर में 9, भरतपुर, बांसवाड़ा और अलवर में 2-2 और जयपुर तथा बीकानेर में 1-1 मरीज का इलाज चल रहा है। प्रदेश में गुरूवार को करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। हालांकि अब तक राज्य में इस बीमारी से 9735 लोगों की मृत्यु हो चुकी है।

दो शातिर वाहन चोर गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने चाकसू में वाहन चोरों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी के तीन दुपहिया वाहन बरामद किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुलेश चौधरी ने बताया कि सीएसटी ने चाकसू में शातिर वाहन चोर कुंजबिहारी जाट (33) निवासी दतवास जिला टोंक और कमलेश चौधरी (37) निवासी कोटखावदा जिला जयपुर को गिरफ्तार किया।

महिला की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंका

जयपुर। करणी विहार क्षेत्र में हत्या कर एक महिला का शव झाड़ियों में फेंकने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि छह दिन पहले ही महिला हत्या करने के बाद शव को यहां फेंका गया है,जिससे महिला की लाश सड़ी-गली हो गई। जिसे श्वानों द्वारा नोंच-नोंचकर खाया जा रह था। सूचना मिलने पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फोरेंसिक साइंस लेबोरेट्री (एफएसएल) टीम की मदद से सबूत जुटाए। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल (एसएमएस) अस्पताल के मुर्दाघर में रखवा दिया गया है। पुलिस मृतका की पहचान के साथ ही उसके परिजनों की तलाश कर रही है।

जीआरपी थानाधिकारी सम्पत राज ने बताया कि सूचना मिली थी कि कनकपुरा रेलवे स्टेशन के पास झाड़ियों में एक महिला की सड़ी-गली लाश को श्वानों द्वारा नोंच-नोंचकर खा रहे है। सूचना पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची,जिस पर रेलवे की दीवार के पास झाड़ियों में महिला का शव पड़ा था और छह दिन पहले मौत होने के कारण शव सड-गल चुका था और कीड़े लगे हुए थे। इसके अलावा हाथ की कलाई और घुटनों के नीचे पैर की स्क्रीन हटी हुई थी। हत्या कर शव फेंकने के शक पर पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। वहीं मृतका की शिनाख्त नहीं होने पर पोस्टमॉर्टम के लिए शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया। थानाधिकारी का कहना है कि मृतका की उम्र 30 से 35 साल के बीच की है और छह दिन पहले उसकी हत्या कही ओर कर शव यहां फेंका है।

'बिपरजॉय' तूफान का खतरा भांपकर जयपुर में 6 बाढ़ नियंत्रण केन्द्र शुरू

मिट्टी के कट्टे भरने का काम बाकी, आधी-अधूरी तैयारियों के साथ शुरू किए गए हैं यह केन्द्र

जयपुर। चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' और मानसून को देखते हुए शहरी सरकार ने आधी अधूरी तैयारियों के साथ राजधानी में 6 बाढ़ नियंत्रण केन्द्र गुरूवार से शुरू किए है।

जयपुर ग्रेटर और हैरिटेज नगर निगम ने 3-3 बाढ़ नियंत्रण केन्द्र बनाए है। अब सभी जोन कार्यालयों में भी अलग से बाढ़ नियंत्रण केन्द्र बनाए जाएंगे। इसके साथ ही सभी जोन उपायुक्तों को अलग-अलग जिम्मेदारी तय कर दी गई है। हैरिटेज नगर निगम ने अग्निशमन केन्द्र बनीपार्क, अग्निशमन केन्द्र घाटगेट और अग्निशमन केन्द्र आमेर में केन्द्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष बनाया है। जबकि जयपुर ग्रेटर निगम ने वीकेआई अग्निमशन केन्द्र, मालवीय नगर अग्निशमन केन्द्र और मानसरोवर अग्निशमन केन्द्र पर केन्द्रीय बाढ नियंत्रण कक्ष बनाए है। इन केन्द्रों पर कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई है। हालांकि मिट्टी के कट्टे भरने के टैंडर जारी कर दिए गए है, जबकि अन्य संसाधन लगाए जा रहे है। ये बाढ़ नियंत्रण केन्द्र 24 घंटे कार्यरत रहेंगे। जोन कार्यालयों पर बाढ़ नियंत्रण कक्ष शुरू करने के लिए सभी जोन उपायुक्तों को निर्देश जारी कर दिए गए है।

फोर्टिस अस्पताल के खिलाफ 3 सदस्यीय जांच कमेटी गठित

फोर्टिस अस्पताल में सर्जरी के दौरान मरीज के हार्ट के पास कैंची छूटने का मामला

जयपुर। जयपुर के फोर्टिस अस्पताल में सर्जरी के दौरान मरीज के हार्ट के पास कैंची छूटने के मामले में चिकित्सा विभाग ने जांच के लिए तीन सदस्य समिति का गठन किया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा के निर्देश पर मामले की जाँच के लिए विभाग ने समित गठित की है। कमेटी को मामले की त्वरित जाँच कर तीन दिन में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिये गए है।

गौरतलब है कि मीडिया में सर्जरी के दौरान हार्ट के पास कैची छूट जाने के मामले में खबर आने के बाद चिकित्सा विभाग हरकत में आ गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा मंत्री ने जांच के निर्देश दिए। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए विभाग ने जनस्वास्थ्य निदेशक की अध्यक्षता में तीन सदस्यों की समिति गठित की है। इसमें जनस्वास्थ्य निदेशक निदेशक रवि प्रकाश माथुर के अलावा अतिरिक्त निदेशक अस्पताल प्रशासन सुशील कुमार परमार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय बीएल मीणा को शामिल किया गया है। यह

- **मरीज की मौत होने पर अंतिम संस्कार के बाद अस्थि फूल चुनने के दौरान हार्ट के पास सर्जिकल कैंची मिली**
- **चिकित्सा मंत्री के निर्देश पर जनस्वास्थ्य निदेशक की अध्यक्षता में गठित समिति गठित तीन दिन में सौंपेगी जांच रिपोर्ट**
- **मृतक के परिजनों ने अस्पताल के खिलाफ जवाहर सर्किल थाने में मुकदमा दर्ज कराया**

समिति तीन दिन में मामले की जाँच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

मामले के अनुसार जयपुर के फोर्टिस हॉस्पिटल के डॉक्टर्स के खिलाफ जवाहर सर्किल थाने में मामला दर्ज हुआ। इसमें मानसरोवर इलाके में रहने वाले मृतक के बेटे कमल ने पुलिस को बताया कि उसके पिता उपेंद्र शर्मा (74) की तबीय खराब होने पर 29 मई को फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जहां 30 मई की रात को उनकी हार्ट सर्जरी हुई थी।

यहां डॉ. राकेश चित्तौड़ा से इलाज शुरू किया। रात करीब डेढ़ बजे उन्हें ऑपरेशन थियेटर से बाहर लेकर आया गया, लेकिन, सुबह 4 बजे एक टीम दोबारा उन्हें वार्ड में से ऑपरेशन थियेटर ले गई। इसके बाद 31 मई शाम तक डिस्चार्ज कर दिया था। इसके बाद से वे घर पर ही थे। बेटे ने आरोप लगाया कि घर लाने पर दो दिन बाद ही पिताजी की तबीयत बिगड़ने लगी।

इसी बीच 12 जून को तबीयत बिगड़ने लगी और रात 8:30 बजे उनकी मौत हो गई। अगले दिन 13 जून को महारानी फॉर्म स्थित श्मशान घाट में अंतिम संस्कार किया गया। इसके बाद जब श्मशान में फूल चुनने गए तो वहां अस्थियों में एक सर्जिकल कैंची मिली। बेटे का कहना है कि पिता को जिस दिशा में लिटाया गया था उसी दिशा में हार्ट के पास ये सर्जिकल कैंची मिली है।

ARBiT
it happens here...

Fresh Veggies Day

How many portions of fresh veggies does it take to keep a person healthy? Five portions a day? Seven? Ten? And what makes up a portion? Nutritionists agree, when it comes to fresh fruit and vegetables, the average person simply is not getting enough in their regular diet. An increase in daily consumption of vegetables (and fruits) is the entire point of the day. Get ready to make a healthy change on Fresh Veggies Day! This is the ideal opportunity to invite family, friends, and neighbours around for a fun and surprising meat-free feast!

राष्ट्रदूत
FRIDAY
16 June 2023
A-B

#EVOLUTION

Did Curly Hair Kept Early Humans Cool?

Tightly curled hair allowed humans to stay cool and actually conserve water.

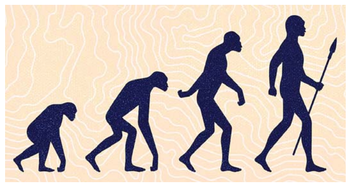

Curly hair may explain how early humans stayed cool while conserving water, according to a new study that looked at the role human hair textures play in regulating body temperature.

The findings can shed light on an evolutionary adaptation that enabled the human brain to grow to modern-day sizes.

"Humans evolved in equatorial Africa, where the sun is overhead for much of the day, year in and year out," says Nina Jablonski, professor of anthropology at Penn State. "Here the scalp and top of the head receive far more constant levels of intense solar radiation as heat.

"We wanted to understand how that affected the evolution of our hair. We found that tightly curled hair allowed humans to stay cool and actually conserve water."

The researchers used a thermal manikin-a human-shaped model that uses electric power to simulate body heat and allows scientists to study heat transfer between human skin and the environment-and human-hair wigs to examine how diverse hair textures affect heat gain from solar radiation.

The scientists programmed the manikin to maintain a constant surface temperature of 95 degrees Fahrenheit (35 degrees Celsius), similar to the average surface temperature of skin, and set it in a climate-controlled wind tunnel.

The team took base measurements of body heat loss by monitoring the amount of electricity required by the manikin to maintain a constant temperature. Then they shined lamps on the manikin's head to mimic solar radiation under four scalp hair conditions-none, straight, moderately curly, and tightly curled.

The scientists calculated the difference in total heat loss between the lamp measurements and the base measurements to determine the influx of solar radiation to the head, says George Havenith, director of the Environmental Ergonomics Research Centre at Loughborough University in the United Kingdom, who led the manikin experiments.

They also calculated heat loss at different windspeeds and after wetting the scalp to simulate sweating. They ran their results through a model to study how the diverse hair textures would affect heat gain in 86-degree Fahrenheit (30 degrees Celsius) heat and 60% relative humidity, like environments in equatorial Africa.

The researchers found that all hair reduced solar radiation to the scalp, but tightly curled hair provided the best protection from the sun's radiative heat while minimizing the need to sweat to stay cool.

"Walking upright is the setup and brain growth is the payoff of scalp hair," says Tina Lasisi, who conducted the study as part of her doctoral dissertation at Penn State. Lasisi will start as an assistant professor of anthropology at the University of Michigan in the fall.

As early humans evolved to walk upright in equatorial Africa, the tops of their heads increasingly took the brunt of solar radiation, Lasisi says. The brain is sensitive to heat, and it generates heat, especially the larger it grows. Too much heat can lead to dangerous conditions like heat stroke.

As humans lost much of their body hair, they developed efficient sweat glands to keep cool, but sweating comes at a cost in lost water and electrolytes. Scalp hair likely evolved as a way to reduce the amount of heat gain from solar radiation, thereby keeping humans cool without the body having to expend extra resources, says Lasisi.

"Around 2 million years ago we see Homo erectus, which had the same physical build as us but a smaller brain size," she says. "And by 1 million years ago, we're basically at modern-day brain sizes, give or take. Something released a physical constraint that allowed our brains to grow. We think scalp hair provided a passive mechanism to reduce the amount of heat gained from solar radiation that our sweat glands couldn't."

The research provides important preliminary results for bettering our understanding of how human hair evolved without putting humans in potentially dangerous situations, says Jablonski.

The study also shows that evolutionary anthropologists have an extra tool in the thermal manikin-normally used for testing the functionality of protective clothing-for quantifying human data that is otherwise very difficult to capture, says Havenith.

"The work that's been done on skin colour and how melanin protects us from solar radiation can shape some of the decisions that a person makes in terms of the amount of sunscreen needed in certain environments," says Lasisi.

The interplay between Pharaonic and Greek societies in Thonis-Heracleion is a constant feature of the city's remnants: Hellenic helmets were nestled in the seabed alongside their Egyptian counterparts, as were Cypriot statuettes and incense burners, Athenian perfume bottles, and ancient anchors from Greek ships. Nowhere was this cross-cultural pollination more evident than in the realm of religion, particularly during the rise of the Ptolemaic dynasty in Egypt, where a succession of foreign-born rulers sought to justify their power in the eyes of the Egyptian people by demonstrating their affinity with Pharaonic traditions.

#ARCHAEOLOGY

Anjali Sharma
Senior journalist & wildlife enthusiast

This stele reveals that Thonis (Egyptian) and Herclion (Greek) were the same city.

A Face Emerged from Water...

IT WAS BARELY MORE THAN a legend. Appearing in a few rare inscriptions and ancient texts, the city of Thonis-Heracleion was hidden away for thousands of years, submerged deep under the sea.

After searching for years by screening the vast area of the Abu Qir Bay off the coast of Egypt, French archaeologist Franck Goddio and his team saw a colossal face emerge from the watery shadows. Goddio had finally encountered Thonis-Heracleion, completely submerged 6.5 kilometres off Alexandria's coast. Among the underwater ruins were 64 ships, 700 anchors, a treasure trove of gold coins, statues standing at 16 feet, and most notably the remains of a massive temple to the god Amun-Gereb, and the tiny sarcophagi for the animals that were brought there as offerings.

The ruins and artifacts made from granite and diorite are remarkably preserved, and give a glimpse into what was, 2300 years ago, one of the great port cities of the world. The harbour of Thonis-Heracleion (the Egyptian and Greek names of the city) controlled all the trade into Egypt.

Built around its grand temple, the city was criss-crossed with a network of canals, a kind of ancient Egyptian Venice, and its islands were home to small sanctuaries and homes. Once a grand city, today its history is largely obscured and no one is quite sure how it ended up entirely underwater.

He stood for centuries at the very edge of ancient Egypt, gazing down imperiously upon the trading ships as they blew in from the Mediterranean. His name was Hapi: god of fertility, lord of the river, life-giving steward of its floods. And, on his plinth at the western mouth of the Nile, a massive red granite gatekeeper to one of the greatest port cities on earth.

Until one day, probably towards the end of the second century BC, there was a tremor and the ground began to churn and liquefy at Hapi's feet. He wobbled, lurched, and then six tonnes of intricately carved stonework crashed into the sea.

The Lost City Of Thonis Heracleion, which was once the largest port in Egypt, was discovered underwater after more than 2,000 years in the year 2000. Its legendary beginnings go back to as early as the 12th century BC, and it has many links to Ancient Greece.

Flourishing as long ago as the waning days of the Pharaohs, the city was destroyed over time, as it was weakened by a combination of earthquakes, tsunamis, and rising sea levels, according to archaeologists.

5.4 metres tall statue of the God Hapi.

Now, many of its incalculable treasures have been brought up from the watery depths to which they were banished and have been shown around the world, allowing us to get a glimpse into the Ancient Greek and Egyptian world.

Heracleion, better known by its original and Egyptian name Thonis, and sometimes called Thonis-Heracleion, was an ancient Egyptian port city located 32 km (20 miles) northeast of Alexandria on the Mediterranean Sea.

Its remains are located in Abu Qir Bay, currently 2.5 km off the coast, under just ten meters (thirty feet) of water. A stele found on the site indicates that it was one single city known by both its Egyptian and Greek names.

Before Alexandria was even a glimmer in Alexander the Great's eye, Heracleion enjoyed its glory days as it served as the main port of entry into Egypt for the many ships arriving from all over the Greek world.

Thonis was originally built on some adjoining islands in the Nile Delta. It was intersected by canals with a number of separate harbours and anchorages. Its wharves, fantastic temples and tower-houses were linked by ferries, bridges, and pontoons.

The city was an emporion, or trading port, and in the Late Period of ancient Egypt, it was the country's main port for international trade and collection of taxes.

Thonis had a large temple of Khonsou, son of Amun, who was known to the Greeks as Herakles, or Hercules. Later, the worship of Amun became more prominent. During the time when the city was at its zenith between the 6th and 4th centuries BC, a large temple dedicated to Amun-Gereb, the supreme god of Egypt at the time, was located in the middle of the city.

Pharaoh Nectanebo-I made many additions to the temple in the 4th century B.C. Sanctuaries in Heracleion dedicated to Osiris, and other gods were famous for miraculous healing and attracted pilgrims from all around Egypt.

Spectacular Religious Ceremonies

The city was the site of the celebration of the "Mysteries of Osiris" each year during the month of Khoiak. These spectacular ceremonies involved a statue of the god transported in his ceremonial boat as it processed from the temple of Amun to his shrine in Canopus.

During the 2nd century BC just as the city was hit by the multiple disasters, the city of Alexandria, founded by Alexander the Great, superseded Heracleion as Egypt's primary port.

Underwater explorer Franck Goddio and his team from the European institute for Underwater Archaeology, or IEASM, with the collaboration of the Egyptian Supreme Council, rediscovered the city.

Since its foundation, the Institute has been directed by Franck Goddio who devotes himself entirely to underwater archaeology and the dissemination of knowledge gained through these discoveries through the publication of books and articles, as well as the organization of exhibitions.

Goddio's in-depth website explains the incredible finds he made during the expedition. As is stated on the website, "He has also solved a historic enigma that has puzzled Egyptologists over the years: the archaeological material has revealed that Heracleion and Thonis were in fact one and the same city with two names; Heracleion being the name of the city for the Greeks and Thonis for the Egyptians."

Furthermore, it is written on Goddio's website that: "The objects recovered from the excavations illustrate the cities' beauty and glory, the magnificence of their grand temples and the abundance of historic evidence: colossal statues, inscriptions and architectural elements, jewellery and coins, ritual objects and ceramics-a civilization frozen in time."

The priceless treasures Goddio is responsible for discovering and showing to the modern world include part of the temple dedicated to Amun/Herakles, a colossal red granite statue of the fertility god Hapi, and a bronze statue of the king/god Osiris.

All the treasures are now in the Grand Egyptian Museum, in Cairo.

Archaeological "treasures," including Greek ceramics and 2,400-year-old wicker baskets filled with fruit, have been discovered at the site of the ancient sunken city of Thonis-Heracleion, off Egypt's coast.

Along the north-east entrance canal of the submerged city the team found the remains of a large tumulus – a Greek funerary area. It was "covered with sumptuous funerary offerings" dating back to the beginning of the fourth century BCE, IEASM said.

The tumulus is about 60 meters (197 feet) long and eight meters (26 feet) wide, and "looks like a kind of island surrounded by channels," IEASM added.

"Everywhere we found evidence of burned material," said Goddio, as quoted in the IEASM statement. "Spectacular ceremonies must have taken place there. The place must have been sealed for hundreds of years as we have found no objects from later than the early fourth century BCE, even though the city lived on for several hundred years after that."

Among the offerings, which included "imported luxury Greek ceramics," archaeologists made an even more astonishing discovery - wicker baskets that were still filled with grape seeds and doum fruit - the fruit of an African palm tree, which is often found in tombs, according to IEASM.

"They have lain untouched underwater (for) 2,400 years, maybe because they were once placed within an underground room or were buried soon after being offered," IEASM said.

Greeks were allowed to settle in the city during the late Pharaonic period and built their own sanctuaries close to the massive temple of Amun.

However, researchers said that several earthquakes followed by tidal waves led to a 110-square-kilometer portion of the Nile delta collapsing under the sea, taking with it the cities of Thonis-Heracleion and Canopus. IEASM "rediscovered" Thonis-Heracleion in 2000 and Canopus in 1999.

During their 2021 mission, in another area of the city, Goddio and his team found submerged beneath the waters a Ptolemaic galley, which sank after being hit by huge blocks from the temple of Amun, according to IEASM.

The galley was moored in the canal that flowed along the south face of the temple when the building was destroyed during a "cataclysmic event" in the second century BCE, according to IEASM.

'Part marshland, part urban sprawl'

If you were a European merchant in the fifth century BC - an importer of grain, perfume or papyrus perhaps, or an exporter of silver, copper, wine or oil - then Thonis-Heracleion loomed large on your horizon. The same was true if you were a Carian mercenary, an educated Greek, a professional sailor, or a member of the Pharaonic court. Scattered across a series of interlinked islands, sand and mudbanks, Thonis-Heracleion - part aquatic marshland, part urban sprawl - was ancient Egypt's bustling, cosmopolitan gateway to the Mediterranean, and thus its nexus with the western world.

Criss-crossed by a network of canals and dotted with harbours, wharves, temples and tower-houses - all joined together by a network of ferries, bridges, and pontoons - the city controlled most of the maritime traffic coming into Egypt from the Mediterranean. Goods would be inspected and taxed at the customs administration centre, and then carried on for distribution further inland, either at Naukratis - another trading port that lay almost 50 miles further up the Nile – or via the Western Lake, which was connected by a water channel to the nearby town of Canopus and offered access to many other parts of the country.

Although Thonis-Heracleion and Canopus are mentioned by many of the great chroniclers of antiquity, from Herodotus to Strabo and Diodorus, most detailed knowledge of their existence was feared to have been permanently lost.

The stele

The Decree of Sais - a magnificent black stele that stands two metres high and is carved with perfectly preserved hieroglyphics from the early fourth century BC - was unearthed on the site of a temple to supreme god of the Egyptians, Amun-Gereb, at Thonis-Heracleion. The stele reveals some of the intricacies of contemporary taxation in Egypt: "His Majesty [Pharaoh Nectanebo I] decreed: Let there be given one-tenth of the gold, of the silver, of the timber, of the processed wood and of all things coming from the sea of the Hau-Nebut [the Mediterranean] ... to become divine offerings to my mother Neith," reads its edict.

A statue sunk for more than 1200 years.

But the stele has done more than flesh out our understanding of ancient Egyptian tariffs. Its discovery has also helped solve a long-running mystery: by comparing it to other inscribed monuments, experts were able to determine that Thonis and Heracleion were not, as previously believed, two different towns, but rather one single city known by both its Egyptian and Greek name respectively.

The interplay between Pharaonic and Greek societies in Thonis-Heracleion is a constant feature of the city's remnants: Hellenic helmets were nestled in the seabed alongside their Egyptian counterparts, as were Cypriot statuettes and incense burners, Athenian perfume bottles, and ancient anchors from Greek ships.

Nowhere was this cross-cultural pollination more evident than in the realm of religion, particularly during the rise of the Ptolemaic dynasty in Egypt, where a succession of foreign-born rulers sought to justify their power in the eyes of the Egyptian people by demonstrating their affinity with Pharaonic traditions.

God Bes considered to be people in everyday life as well as pregnant women. In gold.

One object recovered from the water is a 2,000-year-old stone figurine of Cleopatra III: a Ptolemaic queen, but depicted as the Egyptian goddess Isis and sculpted in a style that combines both local and Hellenic aesthetics.

Among the most beguiling of Thonis-Heracleion's remains are the artefacts associated with the city at play. The annual celebration of the Mysteries of Osiris, marked all over ancient Egypt, involved the preparation - in the secrecy of the temples - of two figures of Osiris, god of the underworld and resurrection: one made of soil and barley, the other of expensive materials including ground-up semi-precious stones.

In Thonis-Heracleion, the former was placed in a granite tank and nurtured with Nile water until it germinated. It was then placed in a papyrus barge alongside 33 other vessels; the whole flotilla was illuminated by 365 oil lamps - one for each day of the year - and eventually sailed down to the nearby settlement of Canopus. As well as an 11-metre sycamore vessel that would have been used in this procession, archaeologists have unearthed several small lead replicas of the papyrus boats, thrown into the water as votive offerings by onlookers.

These finds offer a rare glimpse into the practice of ancient ritual, rather than just the liturgical representation of it. In Masson-Berghoff's words, they provide a connection to the "materiality" of religion in Thonis-Heracleion.

Today, 95% of the area's urban footprint remains to be explored; perhaps there are objects yet to be found that can enrich our understanding of how cargo unloaders, cleaners and cloth-sewers experienced their city. "What we know now is just a fraction," observes Franck Goddio, director of the ongoing excavations. "We are still at the very beginning of our search."

rajeshsharma1049@gmail.com

Huge blocks of the distroyed temple of Amus in Heradieon.

#TRIED&TASTED

Hot Fudge Brownie

Warm and fudgy with premium vanilla ice-cream melting on top, this nutty brownie is chocolate heaven.

If you're looking for a ridiculously decadent brownie, come along! This Hot Fudge Brownie recipe is so good, especially with vanilla ice cream! What could be better than a Hot Fudge Brownie Sundae during the hot summer days? Nothing! This dessert is so rich, decadent, fudgy, and sweet. Straight up ridiculous, but mamamia!

Ingredients

- **1.4** Cup Oil
- **1.3** Cup Curd
- **1.2** Cup Sugar Powder
- **1** Cup Wheat Flour
- **1** Tsp Baking Powder
- **1.4** Tsp Baking Soda
- **11.2** Cup Milk add Gradually
- **2** Tbsp Coco Powder
- **1** Tsp Chocolate Essence
- **1** Bowl vanilla Ice Cream

Preparation

1. Take bowl and add 1/4 cup oil and 1/3 cup curd. Then mix it until they turns into whitish in colour.
2. Add 1/2 cup sugar powder.
3. Add 1 cup wheat flour.
4. Add 1 tbsp. baking powder and 1/4 tbsp. backing soda. Mix well.
5. Mix it and add 1 1/2 cup milk gradually, again mix it properly.
6. Add 2 tbsp. cocoa powder and 1 tbsp. chocolate essence. Mix it well.
7. Take cake mould then grease with oil. And add mixture in the mould.
8. Make oven preheat on 200c° for 10 minutes, then bake the brownie on 200c° for 40 minutes.
9. After baking, unmould the brownie and cut into square shapes.
10. Put brownie on the hot sizzler plate then put vanilla ice cream on the brownie.
11. Pour the chocolate sauce over the ice cream.
12. Serve it hot as a desserts.

Notes:-

1. It is important that the sizzler plates are well heated. This will ensure a good sizzling effect when the chocolate sauce is poured.
2. You can make this dessert with store bought brownie and/or ice cream
3. While serving kids, you can skip the sizzler plates and serve warm brownies with a scoop of ice cream topped with chocolate sauce.
4. You can use compound chocolate or any other chocolate.
5. Make sure your brownie is cold and firm, before you crumble it
6. Chopping the chocolates melts the chocolates quicker.
7. Place the brownie crumbs first, this would prevent the brownie from burning.

THE WALL

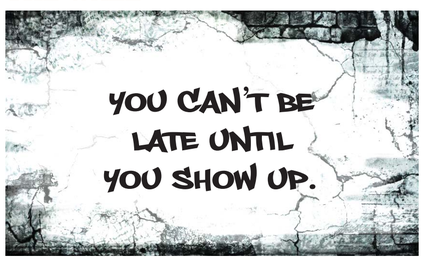

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

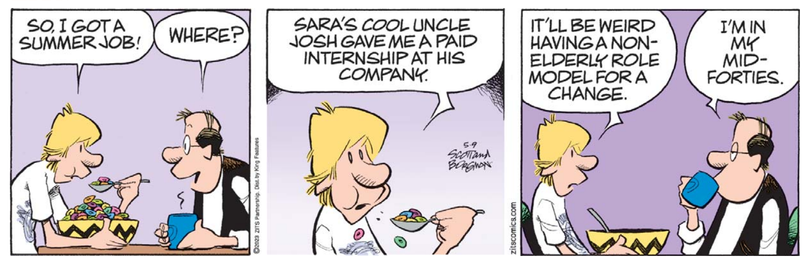

ट्रक से 25 लाख की पंजाब निर्मित शराब जब्त, दो गिरफ्तार

पंजाब निर्मित अवैध शराब के 322 कार्टून जप्त किये

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ थाना पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक ट्रक में स्क्रेप की आड में पंजाब निर्मित अवैध शराब के 322 कार्टून सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

प्रकरण अनुसार महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रैंज बीकानेर द्वारा अवैध शराब तस्करी की रोकथाम हेतु दिये गये विशेष दिशा निर्देशों की तहत राजेश कुमार मीना आईपीएस पुलिस अधीक्षक चूरू के निर्देशन में अशोक कुमार बुटोलिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजगढ़, इस्लाम खाँ वृताधिकारी वृत राजगढ़ व सुभाष चन्द्र पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी राजगढ़ के निकटतम सुपरविजन में जिला स्पेशल टीम चूरू की सूचना पर 15 जून को थाने के प्रदीप कुमार सहायक उपनिरीक्षक ने मय पुलिस टीम के नाकाबंदी के दौरान हिसार की ओर से आ रहे ट्रक की तलाशी ली।

अवैध शराब तस्करी के मामले में पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

जिस पर ट्रक में प्लास्टिक स्क्रेप की आड में ट्रक में डाला में स्क्रेप के निचे अलग पार्टेशन बनाकर शराब तस्करी करते हुए चालक तेजाराम पुत्र घमण्डाराम तथा परिचालक हरखाराम पुत्र भैराराम जाट निवासीगण निवासी धने का तला थाना सदर बाडमेर को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया गया है। प्रकरण अनुसंधान कर रहे सुभाष चन्द्र पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी राजगढ़ ने बताया कि जब्तसुदा अवैध शराब की अनुमानित लागत 25 लाख रूपये के लगभग है तथा प्रारंभिक पुछताछ में अवैध शराब पंजाब से गुजरात तस्करी हेतु ले जाया जाना सामने आया है।

- प्लास्टिक स्क्रेप की आड में शराब तस्करी कर पंजाब से गुजरात ले जा रहे थे

गोचर भूमि पर अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराया

जे.डी.ए. प्रशासन पर महिलाओं ने फेंकी चूड़ियां, लोग पानी की टंकी पर चढ़े

जोधपुर, (कासं)। शहर के निकटवर्ती केरू-बंबोर गांव की गोचर भूमि अतिक्रमण को लेकर विवाद गहराता नजर आ रहा है। बुधवार से जेडीए पर चल रहा धरना प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। महिलाओं ने आज जेडीए परिसर पर अपनी चूड़ियां फेंकी दी। वहीं दोपहर में कई लोग पानी की टंकी पर चढ़ गए। बुधवार को दिन से डेरा डाले जमे लोग रात को भी जमे रहे। आज सुबह फिर से जेडीए के बाहर विरोध प्रदर्शन के स्वर गूंजने लगे।

- बंबोर में जमीन को लेकर गांव के लोग और विश्नोई समाज आमने-सामने हैं

जानकारी के अनुसार बंबोर इलाके में एक जमीन को लेकर गांव के लोग और विश्नोई समाज आमने-सामने हैं। विश्नोई समाज का कहना है कि जमीन अमृता देवी उद्यान की है, जबकि गांव वाले इसे गांव की गोचर जमीन बता रहे हैं। कोर्ट ने गांव वालों के पक्ष में फैसला सुनाते हुए जमीन से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए तो विश्नोई समाज नाराज हो गया। जेडीए के अमले को कार्रवाई नहीं करने दी। इधर गांव वाले भी दो दिन से जोधपुर स्थित जेडीए कार्यालय का घेराव कर महापड़ाव डालकर बैठे हैं। आज उस वक्त माहौल गर्म हो गया जब गांव की महिलाओं ने जेडीए प्रशासन की ओर चूड़ियां फेंक दी। जोधपुर शहर के नजदीक बंबोर गांव में पूनियों की प्याऊ गांव की गोचर जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग की जा रही है। इसी मांग को लेकर आज जेडीए कार्यालय के बाहर पड़ाव में शामिल आक्रोशित महिलाओं ने उठा नारेबाजी की। बंबोर व आस-पास के इलाके के ग्रामीणों ने पूनियों की प्याऊ के पास गोचर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए कल बुधवार को जेडीए कार्यालय का घेराव शुरू किया था। इसके बाद महापड़ाव डालकर बैठ गए। 2 दिन पहले जेडीए की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। तब विश्नोई समाज के लोगों ने रोज जताया था। टीम बिना कार्रवाई किए लौट आई थी।

जेडीए कार्यालय के बाहर ही ग्रामीण रात भर जमे रहे। अपने साथ गैस का चूल्हा, सिलेंडर और अन्य खाना बनाने का सामान साथ लाए थे। सड़क किनारे ही खाना बनाया और उसके बाद रात को वही टेंट लगा कर सो गए। इस धरना प्रदर्शन को लेकर रातानाडा थाने में मामला भी दर्ज हुआ है। जिसमें केरु प्रधान अनुश्री पूनिया, संपत पुनिया, चंपालाल चौधरी, श्रवण चौधरी, महेंद्र जाखड़ और भंवरलाल सहित अन्य लोगों पर बिना अनुमति सार्वजनिक स्थान पर धरना प्रदर्शन करने और आमजन को परेशान करने का मामला दर्ज किया गया है।

दोपहर में टंकी पर चढ़े लोग :- विरोध प्रदर्शन के बीच में दोपहर बाद में महिलाएं और पुरूष जेडीए के पास पानी की टंकी पर चढ़ गए। मौकास्थल पर भारी पुलिस तैनात किया गया है।

'आगे बढ़ना है तो एक बात याद रखो, हाईकमान का फैसला, दिल पर पत्थर रखकर अपनाना है'

मुख्यमंत्री गहलोत ने यूथ कांग्रेस की बैठक में कहा, "कुछ एम.एल.ए. खुद कह रहे हैं, नहीं जीत रहा हूं, उनको पूछेंगे कि किसे मौका देना चाहते हो"

जयपुर, (का.प्र.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस बार विधानसभा चुनाव से दो महीने पहले कांग्रेस के टिकट तय करवाने की पैरवी करते हुए यह भी माना है कि कई मौजूदा विधायक चुनाव हार रहे हैं। वहीं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राजस्थान में जातिगत जनगणना की बात छेड़कर नई चर्चा शुरू कर दी है। यूथ कांग्रेस की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में गहलोत ने कहा कि हमारे कुछ एमएलए खुद ही कहते हैं कि मैं नहीं जीत पा रहा हूं। हम उनको पूछेंगे कि आप किसे मौका देना चाहते हो। चुनाव में जीतना है, तो केवल जीतने वाले उम्मीदवार को टिकट देना चाहिए तब हम जीतेंगे।

गहलोत ने कहा कि दिल्ली में लंबी बैठकों का सिस्टम बंद होना चाहिए। दो महीने पहले टिकट फाइनल कर दें, या जिसे टिकट मिलना है, उसे इशारा कर दें। वो लोग काम में लग जाएं। वैसे भी साधनों की कमी भी रहेगी, क्योंकि जिस तरह पॉलिटिकल पार्टियों को टाइट कर रखा है।

यूथ नेताओं को लेकर गहलोत ने कहा कि यूथ कांग्रेस के नेताओं को चाहिए कि अभी से प्रयास शुरू कर दें। मैं इसके खिलाफ हूं कि चुनाव में जब टिकट तय करने बोर्ड बैठता है, तो अध्यक्ष भी पर्ची भेजते हैं। कोशिश करते हैं कि यूथ कांग्रेस को 10-12 टिकट मिलें, उसमें दो-चार को मिलता है या नहीं मिलता है, वह नहीं होना चाहिए। हमने प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा को भी कहा है, दो महीने पहले टिकट तय हो जाएं। जिन्हें टिकट मिलना है वह दो महीने पहले ही तय हो जाएं। सर्वे को लेकर गहलोत बोले कि जो कुछ भी आपको फीडबैक मिले, जो एजेंसियां बनी हैं, सुनील करके कोई हैं जो एआईसीसी की तरफ से सर्वे कर रहे हैं, उनसे आप बात कर लीजिए। हम भी बात करेंगे।

गहलोत ने कहा कि सर्वे दो तीन तरह के होते हैं। जो जितना कार्यकर्ताओं के संपर्क में रहता है, सर्वे में उसी कार्यकर्ता नाम लेते हैं। उसी के बारे में कार्यकर्ता बात करते हैं कि वह जीत सकता है। वो नाम अगर पहले आ जाएं। जैसे 25 नाम दे दिए, पहले ही उनको सर्वे में डलवा दीजिए। हमें जब दो महीने पहले ही नाम पता लग जाएं, चुनाव में जब टिकटों के लिए दिल्ली की सड़कों पर घूमना पड़ता है तो नेता भी थक जाते हैं और कार्यकर्ता भी थक जाते हैं। फिर टिकट मिलते हैं तो वहां पर थका हुआ क्या काम करेगा। इसलिए नए सिरे से तय हो। मैं ये बातें गंभीरता से कह रहा हूं। भंवर जितेंद्र सिंह ने असम चुनावों में पहले टिकट तय करवाए। पहले संसदीय बोर्ड गुवाहाटी में ही बैठ गया, वहां तय करवा दिया। गहलोत ने कहा कि इस बार तैयारी भी करो, आगे बढ़ना है तो एक बात याद रखो। जिंदगी में एक बार पार्टी हाईकमान का फैसला आ जाए, दुख तो होता है जब टिकट नहीं मिला और इच्छा पूरी नहीं हुई। उस वक्त दिल पर पत्थर रखकर राजनीति होनी चाहिए। दिल कितना कोमल होता है, उस पर पत्थर रखो। जो दिल पर पत्थर रखकर राजनीति कर लेगा वह कामयाब होगा। चुनाव में जीतने के लिए दिल जीतने पड़ते हैं।

- दो महीने पहले तय हों टिकट, दिल्ली के बजाय यही सब तय हो जाए : गहलोत
- डोटासरा ने उठाया जातिगत जनगणना का मुद्दा, बीजेपी पर साधा निशाना

उन्होंने चंदे की चर्चा करते हुए कहा कि चुनाव के लिए केवल चंदा ही काफी नहीं लोगों के दिल जीतने होते हैं। राजस्थान में जिस तरह का माहौल बना है। मैं और अध्यक्ष 28 जिलों में जा चुके हैं। इस बार उन लोगों का रुझान भी कांग्रेस की तरफ है, जिन्होंने पहले कांग्रेस को वोट नहीं दिया। गहलोत ने कहा कि यूथ कांग्रेस नेताओं को टिकटों पर अपना अधिकार जताना चाहिए। आपका अलग तरह का महत्व है, जब सीट खाली है, तो अपना महत्व बताना चाहिए। सीनियर चाहे जगह खाली नहीं करें तो भी दावेदारी से पीछे नहीं रहना चाहिए। गहलोत ने कहा है कि एक वक्त ऐसा आया जब कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के बीच दूरी बन गई। दूरी बन गई या बना दी गई, लेकिन वह प्रयोग बहुत गलत साबित हुआ। हम जब यूथ कांग्रेस में थे तो केंद्रीय मंत्री हमारी मीटिंग में आते थे। शाम को वह डिनर देते थे। कभी-कभी प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी भी आती थी। यह एक तरह का मोटिवेशन होता था। आप तो राहुल गांधी से बात करें, आप दिमाग में रखें बड़े नेताओं को बैठक में बुलाएं। एक वक्त ऐसा आया था कि दूरियां बढ़ गईं। आज मैं देखता हूं कि वापस संबंध बने हैं।

इसी बैठक के दौरान प्रदेश में एक बार फिर से जातिगत जनगणना का मुद्दा छेड़ते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने चुनाव से ऐन वक्त पहले जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया है। इतना ही नहीं, उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी रिजर्वेशन खत्म करने का फंडा लाएगी। इस बैठक में डोटासरा ने कहा कि हमारे सीएम बार-बार कह रहे हैं जातिगत जनगणना हो, इसके लिए पीएम मोदी को चिट्ठी लिखी है। हम जातिगत जनगणना करवा रहे हैं। जिसका जितना हिस्सा, उसे उतना आरक्षण होने वाला है। आरएसएस बीजेपी वाले बौखला गए हैं, उनकी संख्या बहुत कम है, इसलिए इसका विरोध कर रहे हैं। हमने जातिगत जनगणना के बारे में कह दिया और हमने समर्थन कर दिया तो इन्हें तकलीफ हो रही है।

उन्होंने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी नेता कांग्रेस सरकार रिपीट की जगह डिलीट की बात कह रहे हैं। यह तो कोई कह सकता है, लेकिन 2024 में केंद्र सरकार का जनता तख्तापलट करेगी। अब तो आरएसएस भी यह कहने लगा है, मोहन भागवत भी कहने लगे हैं कि मोदी और मोदी की बातों में दम नहीं है। कोई नया फंडा लाना पड़ेगा। नया फंडा यह है कि ये आरक्षण समाप्त करने की ओर चल रहे हैं, जो मेरी पार्टी और हम सब मिलकर इसे कभी कामयाब नहीं होने देंगे।

अज्ञात युवकों ने लोक परिवहन बस के शीशे तोड़े

पावटा, (निसं)। थानागाजी से जयपुर जा रही लोक परिवहन की बस पर विराटनगर बस स्टैंड पर कुछ अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। थार गाड़ी में सवार होकर युवकों ने हॉकी, डंडों से हमला करके बस के शीशे तोड डाले। शुक्र है कि इस हमले में किसी को किसी प्रकार की कोई चोट नहीं आई। घटना की सूचना मिलते ही विराटनगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची, लेकिन हमलावरों का पता नहीं चल पाया है।

लोक परिवहन के चालक विजय सिंह व सहचालक दीपक ने बताया कि वह बस को लेकर थानागाजी से जयपुर जा रहे थे। चालक के अनुसार, जैसे ही वह विराटनगर बस स्टैंड पहुंचे वहां कुछ युवकों ने बस पर हमला कर दिया। बस का सामने का शीशा और कुछ खिड़कियों के शीशे तोड़ डाले। हमले से सवारियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक के अनुसार हमलावरों की संख्या आठ से दस के बीच थी। बस के शीशे तोड़ने के बाद युवक मौके से फरार हो गए। चालक ने तुरंत इसकी सूचना विराटनगर थाना पुलिस को दी। विराटनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गयी।

चोर बन बैठा दुकान मालिक, मालिक को धमकाया

शाहपुरा, (नि.सं.)। शाहपुरा जिला बनने के बाद सम्पूर्ण भीलवाड़ा जिले में शाहपुरा का ओहदा बढ़ गया हो लेकिन पुलिस व प्रशानिक व्यवस्थाओं में कुछ भी इजाफा नहीं हो पा रहा है। पुलिस की ढीली गश्त व्यवस्था के कारण क्षेत्र में चोरों के हौंसले बुलंद है।

चोरों के हौंसले इतने बुलंद है कि गुरुवार को दिन दहाड़े बालाजी छतरी माताजी मार्केट में ऐसा ही वाक्या देखने को मिला जिसमें चोर स्वयं दुकान मालिक को धमकाता दिखा। दिन में 1 बजे करीब एक व्यक्ति असलम नाम के व्यक्ति की मोबाइल की दुकान (न्यू डिमांड मोबाइल) के बंद शटर को खोल कर अंदर जा धमका। काउंटर की अंदर की तरफ बैठकर और रेक में रखी चाबियों से गल्ला खोल उसमें से 750 रुपये निकाल लिए। इत्तफाक से दुकानमालिक आ धमका तो चोर को बिना अनुमति शटर खोल अंदर घुसने के बारे में पूछा तो स्वयं वह युवक उल्टा दुकान मालिक असलम को धमकाने लगा और कहने लगा मेरी दुकान चल बाहर निकल। यह सुन दुकान मालिक झेंप गया। पुलिस को फोन किया गया। सतर्कता दिखाते आसपास के दुकानदारों ने भागते उस युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले किया।

हाल ही में एक हुई चोरी की घटना के बाद 14 जून रात को नगर के मुख्य बाजार में कांग्रेस नेता राजकुमार अग्रवाल की दुकान का चोरों ने ताला तोड़ दिया। शटर में लगे बीच का लॉक सरीये से नही टूटा तो चोर थोड़ी देर में लकड़ी की बल्ली ले आये और शटर तोड़ दिया। यह पुलिस की लचीली गश्त व्यवस्था की पोल खोलता है की इतनी रात में चोर शटर नही तोड़ सके तो बल्ली ले आये। बाजार में गश्त पर पुलिस का एक भी जवान गश्त पर नही होना की सवाल खड़े करता है। गत सप्ताह हुई चोरी का पुलिस राज पाश नही कर पाई और नगर में यह दूसरी चोरी की घटना हो गई।

कजलोदिया गांव में आगज़नी के बाद शांति

गांव के एक युवक की एक महीने पहले पेड़ से लटकी मिली थी लाश

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के बनेडा थाना क्षेत्र के कजलोदिया गांव के एक युवक की एक महीने पहले पेड़ से लटकी मिली लाश को पुलिस ने जहां सुसाइड माना, वहीं मृतक के परिवार के लोग इसे हत्या मानकर गांव के ही एक परिवार के दो जनों पर हत्या का शक जाहिर कर रंजिश पाल बैठे। इस रंजिश। के चलते बीती रात उत्पात का रूप ले लिया। मृतक युवक के परिजनों व परिचितों सहित चार दर्जन से ज्यादा लोगों ने हत्या के शक में तीन भाइयों के परिवार के चार मकानों पर धावा बोल दिया और जमकर तोड़फोड़ व लूटपाट करते हुये आगजनी की।

- मृतक के परिवार के लोगों ने गांव के ही एक परिवार के दो जनों पर शक जाहिर किया था
- हत्या के शक में तीन भाइयों के परिवार के चार मकानों पर धावा बोल दिया

थाना प्रभारी राजेंद्र ताडा के अनुसार, करीब एक माह पहले कजलोदिया गांव के कैलाश गुर्जर की जंगल में फंदे से झूलती लाश मिली थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुये एफएसएल टीम को मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाये। शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया। जांच टीमों के साथ ही पुलिस ने युवक की मौत को सुसाइड माना। वहीं, मृतक कैलाश के परिजन इसे हत्या मानते हुये कल्याण पुत्र भैरू गुर्जर के परिवार के बद्री गुर्जर व किशन गुर्जर पर हत्या का शक जाहिर करते हुये इनसे रंजिश रखने लगे। मृतक कैलाश के ही परिवार में एक अन्य बुजुर्ग की मौत को लेकर शोक बैठक रखी हुई थी।

आरोप है कि इसी बैठक पर लोगों ने कल्याण गुर्जर व उनके भाइयों के घरों में तोड़फोड़ और आगजनी का षड़यंत्र रचा। शाम 7 से 8 बजे के बीच शंकर पुत्र छोगा गुर्जर व 54 अन्य लोगों ने कल्याण गुर्जर के घर पर धावा बोल दिया और वहां घर में घुसकर तोड़फोड़ व आग लगा दी। वहां खड़ी बुलेट को तोड़फोड़ करने के बाद जलते हुये खाखले में डाल दिया। इन लोगों ने बद्री के घर में भी तोडफ़ोड़ कर आग लगा दी। उसकी 80 साल की बुजुर्ग मां बाली के साथ मारपीट कर मांदलिया व रामनामी लूट ली। इसी तरह जमना लाल गुर्जर के नवनिर्मित मकान को भी तोड़फोड़ के बाद आग के हवाले कर दिया। किशन लाल के घर में रखे बक्से के साथ ही अनाज, खाखले के साथ ही मकान में आग लगा दी। इन लोगों को जो भी मिला, उसके साथ मारपीट की। करीब एक दर्जन लोग इनकी मारपीट के शिकार हुये हैं। इनमें कल्याण, उसकी पत्नी सहित अन्य पीड़ित शामिल हैं।

आरोप है कि एक महिला व नाबालिग से भी मारपीट व अभद्रता उत्पातियों द्वारा की गई। आगजनी वाले घरों से कीमती सामान, गहने और मोबाइल भी ये उत्पाती लूट ले गये। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष में कल्याण, बद्री व सेवाराम तीन भाई हैं। वहीं किशन, कल्याण का भतीजा है। उधर, इस घटना को देखते हुये आठ पुलिस थानो के साथ ही रिजर्व पुलिस लाइन से अतिरिक्त पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और भीड़ को खदेड़ कर आग पर काबू पाया। आग से ये मकान खंडहर में तब्दील हो गये। पुलिस ने पीड़ित कल्याण गुर्जर की रिपोर्ट पर शंकर पुत्र छोगा गुर्जर और 54 अन्य लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। साथ ही 19 लोगों व एक महिला को पुलिस ने डिटेन कर लिया है। मामले की जांच डीएसपी मांडल कन्हैयालाल जाट कर रहे हैं।

डीडवाना को जिला मुख्यालय बनाने की मांग को लेकर आंदोलन जारी

डीडवाना, (नि.सं.)। जिला मुख्यालय की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन के तहत अब संघर्ष समिति ग्रामीण क्षेत्रों से समर्थन जुटाने के लिए उपखण्ड के छोटे कस्बों को बंद रख कर आंदोलन करेगी और 24 जून को इसी के तहत दौलतपुरा तिराहे पर दो घंटे का सांकेतिक चक्का जाम करेगी। यह फैसला स्थानीय बलदेव राम मिर्धा किसान विश्राम गृह में आयोजित संघर्ष समिति की बैठक में लिया गया।

फैसले के अनुसार सबसे पहले 17 जून शाहपुरा सीकर रोड़ के कस्बे सुपका ललासरी और दयालपुरा के बाजार बंद रहेंगे। उसके बाद 19 जून को कोलिया केराप और बांठड़ी। 21 जून को चोलूँका, दिनदारपुरा और सुदरासन कस्बे बंद रखे जायेंगे।

जबकि 24 जून को दौलतपुरा कस्बा बंद रखा जाकर दौलतपुरा तिराहे पर अजमेर सीकर और डीडवाना रोड पर दो घंटे का सांकेतिक चक्का जाम किया जायेगा। संघर्ष समिति ने एक बार फिर से चेतावनी दी है कि अगर 24 जून तक भी सरकार ने कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया तो फिर यह चक्का जाम और आंदोलन अनिश्चितकाल के लिए लागू कर दिया जायेगा।

तस्करों के गुर्गे कर रहे हैं शहीद परिवार को परेशान

पीड़ित परिवार।

भीलवाड़ा, (निसं)। 10 अप्रेल 2021 की रात तस्करों के गोली में जान गंवाने वाले कोटडी थाने के सिपाही के हत्यारों को अब तक सजा नहीं हुई। पर तस्करों के गुर्गे अब शहीद परिवार के लोगों को धमकाने लग गए हैं। तस्करों की हिमाकत इतनी है कि पीड़ित परिवार के लोगों को जान से मारने की धमकी तक दे रहे है। इससे शहीद रायाक का परिवार ख़ौफ़ के साए में जी रहा है। वही काछोला पुलिस को मामले की रिपोर्ट दी है।

शहीद के भाई रामलाल ने काछोला थाने में रिपोर्ट देकर बताया कि उसके भाई के हत्या वाले आरोपियों द्वारा उसके परिवार के सदस्यों को जान से मारने व भाई की हत्या के सम्बन्ध में दर्ज मुकदमा पुलिस थाना कोटडी में बयान अपने पक्ष में करवाने का दबाव बनाने के लिए जान से मारने की धमकी दे रहे है। चोहली निवासी फरियादी रामलाल (28) पुत्र नारायणलाल रायका ने अपनी भाभी सीमा (27) ने सोमवार को काछोला थाना प्रभारी को दी रिपोर्ट में बताया कि करीब 2 साल पूर्व प्रार्थी का भाई ओंकार राजस्थान पुलिस में सिपाही के पद पर नियुक्त होकर 10 अप्रेल 2021 को पुलिस थाना कोटडी पर डयूटी में तैनात था। प्रार्थी का भाई ओंकार व अन्य पुलिसकर्मी को 10 अप्रेल 2021 की रात्रि में सूचना में अवैध अफीम डोडा चूरा को एमपी से जोधपुर की तरफ ले जाने वाले तस्करों को पकड़ने के लिए मंशा विराह पर गये थे। तस्करों के द्वारा पुलिस पर जानलेवा हमला कर अवैध बंदूकों से फायरिंग करते हुए प्रार्थी के भाई की गोली मारकर हत्या कर दी।

प्रार्थी के भाई की हत्या के सम्बन्ध में पुलिस थाना कोटडी पर मुकदमा दर्ज किया गया। प्रार्थी के भाई ओंकार के एक छोटी बच्ची है। ओंकार की आरोपियो द्वारा गोली मारकर हत्या करने के सदमे से ओंकार के पिता की 15 दिन बाद मौत हो गयी। तब से लेकर आज तक पुलिस ने कुल 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया है और कई फायरिंग करने के हथियार बरामद किये है। पुलिस ने आरोपियो से घटना में काम में ली गयी चोरी की गाडियां अवैध अफीम डोडा-चूरा बरामद किया है। मुकदमे में जो आरोपी पकड़े गये उनमें सुनील टूटी व राजू फोजी स्वयं एवं इनकी गैंग के सदस्य रामदेव जाट नेताराम विश्रोई, प्रकाश विश्रोई, पाबूराम, रमेश भाणियां, यशवन्तसिंह उर्फ बन्टी है। सुनील डूडी व राज फौजी एवं इनकी गैंग के सदस्यों के खिलाफ पहले से ही कई मुकदमे है, जिसमें अब तक पुलिस अनुसंधान कर रही है।

फरियादी रामलाल रायका ने कहा कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि पिछले कुछ दिनों से कुछ संदिग्ध लोग उसका व उसके परिवार के सदस्यों का पीछा कर रहे है जो मौका मिलने पर उसे व उसके परिवार के सदस्यों को क्षति पहुंचा सकते हैं। इस पर काछोला थाना पुलिस ने फरियादी रायका की रिपोर्ट पर धारा 506 में दर्ज कर मामले की जांच प्रारम्भ कर दी।

शहीद के परिवार को धमकी के बाद तस्कर गोरसिया की जमानत ख़ारिज

भीलवाड़ा, (निसं)। बहुचर्चित कांस्टेबल औंकार रायका की गोली मारकर हत्या के आरोपित पाबूराम गोरसिया को दस दिन पहले मिली जमानत को निरस्त कर दिया गया। गोरसिया पर मुकदमे से जुड़े गवाहों को धमकाने के आरोप लगने के बाद राजस्थान राज्य की ओर से अपर लोक अभियोजक (एक) ने जमानत खारिज करने का प्रार्थना-पत्र अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एक) के समक्ष पेश किया। अपर लोक अभियोजक की ओर की गई मजबूत पैरवी को लेकर कोर्ट ने जमानत खारिज करने के आदेश पारित किये।

न्यायालय सूत्रों के अनुसार, कोटड़ी थाने का कांस्टेबल ओंकार रायका 10 अप्रैल 2021 को ड्यूटी पर था। रात में सूचना मिली कि वाहनों में सवार तस्कर मध्यप्रदेश से डोडा-चूरा भरकर अवैध अफीम डोडा चूरा जोधपुर ले जायेंगे। सूचना पर मंशा तिराहे पर गये पुलिसकर्मियों पर तस्करों ने जानलेवा हमला कर बंदूकों से फायरिंग की। इस दौरान कांस्टेबल औंकार रायका को भी गोली लगी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

इस मामले में आरोपित नागौर जिले के वाडा भाडवी निवासी पाबूराम पुत्र हनुमानाराम जाट (गेरसिया) को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया गया था। इस मामले में मुख्य आरोपित सुनील डूडी की जमानत हाईकोर्ट से मंजूर हुई थी। इसी को आधार मानते हुये 3 जून को न्यायालय से आरोपित पाबूराम की जमानत हो गई। उसके पश्चात् से आरोपित पाबूराम व प्रकरण के अन्य आरोपितों द्वारा इस मामले के गवाहों को प्रत्यक्षत व अप्रत्यक्षत: उनके पक्ष में झूठे बयान देने व मामलें में गवाही नहीं देने के लिए जान से मारने की धमकी दे रहे और धमकियां दिलवा रहे है। ओंकार की हत्या के मुकदमें को फेल करने में लगे हुए है। ये लोग व्हाटसप पर फोन करते है जिससे फोन की डिटेल नही आती है, ये लोग कभी तो सुनील डूडी, कभी राजू फौजी और कभी पाबूराम के नाम से धमकियां देते है और कहते है कि अब तो पाबूराम की जमानत भी हो गई है और हम सब कुछ सेटल कर देंगे। तुम लोग पाबूराम और दूसरे आरोपियों के खिलाफ गवाही मत देना और हमारे पक्ष में झूठे बयान दे दो वरना जान से हाथ धो बैठोगे। इन धमकियों को लेकर राज्य सरकार की ओर से अपर लोक अभियोजक ने आरोपित पाबूराम गोरसिया की जमानत खारिज करने को लेकर न्यायालय में प्रार्थना-पत्र पेश किया।

न्यायालय ने इस प्रार्थना-पत्र पर बहस सुनी और अपरलोक अभियोक की मजबूत पैरवी के चलते न्यायालय ने उक्त प्रार्थना-पत्र को स्वीकार करते हुये औंकार रायका की हत्या के आरोपित पाबूराम को 3 जून को दिये जमानत के लाभ को निरस्त कर दिया।

अगर आप आईपीएल के साथ दो, तीन या चार अन्य टूर्नामेंट भी खेलना चाहते हैं, तो आपके पास शायद सब कुछ नहीं हो सकता है। यह ऐसा फैसला है जो आपको साल की शुरुआत में करना होता है। मुझे लगता है कि 'फ्लेक्सी' अनुबंध सही चीज नहीं है। - **माइक हेसन**

न्यूजीलैंड के कोच, ट्रेड बोल्ट के साथ बोर्ड द्वारा किये गये अनुबंध पर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ **ऋषभ पंत**

भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पिछले साल दिसंबर में एक भयानक कार दुर्घटना के बाद तेजी से रिकवरी कर रहे हैं। हाल ही में ऋषभ पंत ने अपने रिकवरी को लेकर वीडियो शेयर किए हैं, जिसमें वह खुद से चलते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं ऋषभ पंत की रिकवरी ने बीसीसीआई और बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के मेडिकल स्टाफ को भी हैरान कर दिया है और अब ये उम्मीद बढ़ गई है कि शायद ऋषभ पंत आगामी 2023 वनडे विश्व कप में खेल सकते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया था। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

एशिया कप 31 अगस्त से

9 मैच श्रीलंका में, 4 मैच पाकिस्तान में

दुबई, 15 जून। एकदिवसीय प्रारूप में खेले जाने वाले एशिया कप 2023 की शुरुआत 31 अगस्त को होगी, जबकि इसका फाइनल 17 सितंबर को खेला जायेगा। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा प्रस्तावित हाइब्रिड मॉडल को एसीसी की पुष्टि मिलने के बाद टूर्नामेंट पाकिस्तान में चार मैचों के साथ शुरू होगा। उसके बाद अंतिम नौ मैचों लिये टूर्नामेंट श्रीलंका का रुख करेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के पाकिस्तान जाने से मना करने के बाद पीसीबी के अध्यक्ष नजम सेठी ने यह हाइब्रिड मॉडल प्रस्तावित किया था। एशिया कप 2023 भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बंगलादेश, अफगानिस्तान और नेपाल सहित छह टीमों का टूर्नामेंट होगा। नेपाल ने पहली बार इस आयोजन में जगह बनायी है। साल 2022 में संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित टी20 एशिया कप में पाकिस्तान को हराने के बाद श्रीलंका गत एशियाई चैंपियन है। इस साल श्रीलंका ग्रुप-बी में बंगलादेश और अफगानिस्तान के साथ है, जबकि भारत को लीग चरण में पाकिस्तान और नेपाल के ग्रुप में रखा गया है। हर ग्रुप से दो टीमें सुपर-चार चरण में प्रवेश करेंगी। दूसरे चरण में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें 17 सितंबर को फाइनल में एक दूसरे का सामना करेंगी।

इंडोनेशिया ओपन : सात्विक-चिराग क्वार्टरफाइनल में, सिंधु बाहर

जकार्ता, 15 जून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने इंडोनेशिया ओपन के दूसरे चरण में गुरुवार को चीन के ही जी टिंग और झोउ हाओ डॉन्ग को हराकर शीर्ष-आठ में जगह बना ली, जबकि खराब फॉर्म से जूझ रही शीर्ष भारतीय शटलर पीवी सिंधु चीनी ताइपे की ताई जू यिंग से हारकर साल के आखिरी सुपर 1000 इवेंट से बाहर हो गईं।

विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर मौजूद सात्विक-चिराग की जोड़ी ने शानदार फॉर्म में चल रही टिंग-झोउ की जोड़ी को 21-17, 21-15 से हराने के लिये सिर्फ 46 मिनट का समय लिया। क्वार्टरफाइनल में सात्विक-चिराग का सामना इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान अर्दियांतो से होगा। दूसरी ओर, यिंग ने सिंधु को मात्र 39 मिनट में 21-18, 21-16 से मात दी। यह आमने सामने के मुकाबलों में यिंग की सिंधु पर 19वीं जीत है, जबकि भारतीय शटलर ने सिर्फ पांच बार बाज़ी मारी है। इसी बीच, किदांबी श्रीकांत और एचएस प्रणय ने अपने अपने मुकाबले जीतकर क्वार्टरफाइनल में कदम रखा। श्रीकांत ने अपने हमवतन लक्ष्य सेन को रोमांचक प्री क्वार्टरफाइनल में 21-17, 22-20 से मात दी। प्रणय ने हॉन्ग कॉन्ग के एंजी का लॉन्ग को 21-18, 21-16 से मात दी। अगले चरण में श्रीकांत का सामना चीन के ली शी फेंग से होगा। प्रणय विश्व रैंकिंग में नंबर चार, जापान के कोडाई नाराओका से भिड़ेंगे। भारत के लिये हालांकि दिन का अंत खराब रहा और प्रियांशु राजावत अच्छी शुरुआत के बावजूद इंडोनेशिया के एंथनी गिनटिंग से हार गये। प्रियांशु ने अपने पुरुष एकल मुकाबले की शुरुआत 22-20 की जीत के साथ की, लेकिन गिनटिंग ने अगले दोनों मुकाबले 21-15, 21-15 से जीतकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया।

टेस्ट टीम में पुजारा की जगह ले सकते हैं जायसवाल

मुंबई, 15 जून। जुलाई में होने वाले भारत के वेस्ट इंडीज दौरे पर युवा प्रतिभा यशस्वी जायसवाल भारतीय टेस्ट टीम में अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की जगह ले सकते हैं। वेस्ट इंडीज दौरा 2023-25 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र में उनकी पहली शृंखला होगी, लेकिन चयनकर्ता डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों मिली हार के बाद टीम में बड़े बदलाव करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। रोहित शर्मा, शुभमन गिल, विराट कोहली और अजिंक्य रहाणे का डोमिनिका और त्रिनिदाद में होने वाले दो टेस्ट मैचों में खेलना निश्चित है, लेकिन टीम में चेतेश्वर पुजारा की जगह पर एक सवालिया निशान है।

टेस्ट क्रिकेट में लंबे समय से भारत के लिये नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने वाले पुजारा ने 2020 के बाद से 29.69 की निराशाजनक औसत से 52 पारियों (28 टेस्ट) में केवल एक शतक बनाया है। दिसंबर 2022 में चटगांव टेस्ट में उनके 90 और 102 नाबाद के स्कोर को हटाने पर उनकी बल्लेबाजी औसत गिरकर 26.31 हो जाती है।

रिपोर्ट के अनुसार, पुजारा का टेस्ट टीम से बाहर जाना तय नहीं है, लेकिन इतना कहा जा सकता है कि एकादश में उनकी जगह टिकाऊ नहीं रही। अगर उन्हें वेस्ट इंडीज दौरे के लिये चुना भी जाता है तो उनका खेलना सुनिश्चित नहीं है। क्रिकबज़ के अनुसार, भारतीय टीम प्रबंधन इस स्थान के लिये जायसवाल को आज़मा सकता है।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक झटके में टीम की रूपरेखा बदलकर कोई प्रयोग नहीं करना चाहता और रोहित शर्मा खेल के सबसे लंबे प्रारूप में भारत के कप्तान बने रहेंगे। क्रिकबज़ ने बीसीसीआई के एक सूत्र के हवाले से कहा, हर टेस्ट महत्वपूर्ण है, और इसका परिणाम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में योगदान देता है। हम टेस्ट मैच में प्रयोग नहीं कर सकते।''

टीम में पुजारा की जगह के अलावा चयनकर्ता मोहम्मद शमी को आराम देने पर भी विचार कर सकते हैं। शमी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाद से लगातार गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले 17 आईपीएल मैच भी खेले। अक्टूबर-नवंबर में भारतीय सरज़मीन पर होने वाले एकदिवसीय विश्व कप को ध्यान में रखते हुए शमी को विंडीज टेस्ट शृंखला में आराम दिया जा सकता है। आंध्र प्रदेश के विकेटकीपर श्रीकर भरत डब्ल्यूटीसी फाइनल में बल्ले से प्रभावशाली प्रदर्शन न कर पाने के बावजूद टेस्ट टीम में अपना स्थान बरकरार रख सकते हैं। श्रेयस अय्यर और केएल राहुल की अनुपस्थिति में संजू सैमसन एकदिवसीय और टी20 टीम में वापसी कर सकते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के लिए राहत की खबर, चोट लगने के बाद स्टीव स्मिथ ने की बल्लेबाजी प्रैक्टिस

बर्मिंघम, 15 जून। एशेज सीरीज के शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया के लिए राहत की खबर सामने आई है। टीम के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ बुधवार को चोटिल होने के बाद पहले एशेज 2023 टेस्ट की पूर्व संध्या पर बल्लेबाजी प्रैक्टिस करते हुए नजर आए, जोकि ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए राहत की खबर है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने ट्वीट करके इसकी पुष्टि की है। 16 जून से शुरू होने वाले मैच से पहले नेट्स सत्र के दौरान स्मिथ को बड़ी चोट लगी थी। इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच एशेज 2023 का पहला टेस्ट एजबेस्टन में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज स्टीव स्मिथ बुधवार को आईसीसी की ताजा बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में शतक ठोका है और एशेज सीरीज में टीम के अहम बल्लेबाज साबित हो सकते हैं। 34 वर्षीय एशेज में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में पांचवें स्थान पर हैं। इंग्लैंड में खेलते हुए उनका रिकॉर्ड शानदार है, उन्होंने 14 मैचों में 65.08 के औसत से 1627 रन बनाए हैं।

स्टीव स्मिथ ने पिछले एशेज सीरीज में दमदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने सात पारियों में 774 रन बनाए थे। स्मिथ इस बार भी जबर्दस्त फॉर्म में हैं। फॉक्स क्रिकेट के मुताबिक स्मिथ की अंगुली में नेट सेशन के दौरान चोट लगी थी और वह दर्द में दिखे। स्टीव को चोट के कारण प्रैक्टिस रोकनी पड़ी और फिर उनका इलाज हुआ। ऑस्ट्रेलिया ने अभी तक प्लेइंग इलेवन का ऐलान नहीं किया है, जबकि इंग्लैंड ने बुधवार को ही अपनी इलेवन बता दी थी।

बृजभूषण के खिलाफ पॉक्सो रद्द करने की रिपोर्ट दाखिल

नयी दिल्ली, 15 जून। दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के तहत दर्ज मामले को रद्द करने की रिपोर्ट दाखिल की। दिल्ली पुलिस ने संबंधित मामले की जांच के बाद पटियाला हाउस अदालत में यह रिपोर्ट दाखिल की। इससे पहले केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री अनुराग ठाकुर ने पिछले सप्ताह पहलवानों से अपने सभी विरोध को वापस लेने का अनुरोध करते हुए आश्वासन दिया था कि पुलिस से 15 जून तक आरोपपत्र दाखिल करने के लिए कहा गया है।

दिल्ली पुलिस ने जांच पूरी होने के बाद अदालत के समक्ष एक रिपोर्ट पेश की है और पीड़िता एवं उसके पिता के बयानों के आधार पर डब्ल्यूएफआई प्रमुख के खिलाफ पॉक्सो मामले को रद्द करने का अनुरोध किया है। पुलिस ने नाबालिग के बयान और जांच के विवरण को शामिल किया और कोई साक्ष्य नहीं मिलने पर इसे रद्द करने की रिपोर्ट दाखिल की है।

इसके अलावा दिल्ली पुलिस द्वारा दायर चार्जशीट में तीन अन्य धाराओं के तहत आरोप तय किये गये हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस ने पहलवानों की शिकायत के आधार पर बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण के चार मामले दर्ज किये थे, जिनमें से एक पॉक्सो से संबंधित था। मामले की अगली सुनवाई के लिए चार जुलाई की तिथि मुकर्रर की गयी है।

एशिया कप तक वापसी कर सकते हैं बुमराह, अय्यर

बेंगलुरु, 15 जून। शीर्ष तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर पूरी तरह फिट होकर अगस्त-सितंबर में होने वाले एशिया कप 2023 तक भारतीय टीम में वापसी कर सकते हैं।

ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह और अय्यर दोनों अपनी-अपनी पीठ की सर्जरी करवाकर राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैब से गुज़र रहे हैं। एनसीए के मेडिकल कर्मियों को उम्मीद है कि दोनों खिलाड़ी एशिया कप तक पूरी तरह से फिट हो जायेंगे। उल्लेखनीय है कि बुमराह की मार्च में न्यूजीलैंड में सर्जरी हुई थी। वह पिछले सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच के बाद से मैदान पर नहीं उतरे हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बुमराह मुख्य रूप से फिजियोथेरेपी करवा रहे हैं लेकिन हाल में उन्होंने गेंदबाजी अभ्यास भी शुरु किया है जिसे धीरे-धीरे बढ़ाया जायेगा।

श्रेयस को अपनी पीठ के निचले हिस्से में उभरी हुई डिस्क से परेशान होकर मार्च में अहमदाबाद में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का अंतिम टेस्ट बीच में छोड़ना पड़ा था। उसके बाद उन्होंने मई में लंदन में सर्जरी करवाई और अब वह फिजियोथेरेपी से गुजर रहे हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी-अपनी समस्याओं के कारण आईपीएल 2023 और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में हिस्सा नहीं ले सके थे। एशिया कप की शुरुआत 31 अगस्त को होगी और यह टूर्नामेंट 17 सितंबर तक खेला जायेगा। टूर्नामेंट के शुरुआती चार मुकाबले पाकिस्तान में आयोजित होंगे, जबकि अन्य नौ मुकाबलों की मेजबानी श्रीलंका करेगा। भारत को इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान और नेपाल के साथ एक ग्रुप में रखा गया है।

वरूण तोमर ने एयर विस्टल में स्वर्ण पदक जीता

भोपाल, 15 जून।जूनियर विश्व चैम्पियनशिप पदक विजेता वरूण तोमर ने कुमार सुरेंद्र स्मृति निशानेबाजी चैम्पियनशिप में पुरूषों की दस मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता । उत्तर प्रदेश के वरूण ने फाइनल में 241 .9 स्कोर किया । सेना के श्रवण कुमार उनसे 0.7 अंक पीछे रहे जिन्होंने रजत पदक जीता । सेना निशानेबाजी ईकाई के सागर डांगी ने कांस्य पदक जीता।

राजस्थान में नहीं है कोई भी कार्यकारी अध्यक्ष : बी. वी. श्रीनिवास

जयपुर आये यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट किया

■ **जबकि दो दिन पहले ही राजस्थान प्रभारी ने सर्वाधिक वोट लेकर आने वाले पहले तीन नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष घोषित कर दिया था**

जयपुर, (का.प्र.)। राजस्थान यूथ कांग्रेस चुनाव में विवाद था। परिणामों को लेकर विवाद है और यह विवाद सुलझने में अभी लंबा वक्त लग सकता है। इस विवाद को और बढ़ाया है राजस्थान के प्रभारी शाहिद मोहम्मद ने, जिन्होंने दो दिन पहले कहा था कि राजस्थान में परिणाम नहीं आने तक पहले तीन नंबर पर आने वाले युवा नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया है, लेकिन अब जयपुर आए राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने स्पष्ट कर दिया है कि राजस्थान में कोई भी कार्यकारी अध्यक्ष नहीं बनाया गया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास ने गुरुवार को साफ कर दिया है कि राजस्थान में यूथ कांग्रेस ने अभी किसी नेता को कार्यकारी अध्यक्ष नहीं बनाया है। श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान में यूथ कांग्रेस के चुनाव में लाखों की संख्या में ऐसे वोट हैं, जो रिजेक्ट हो गए थे। अभी ऐसे वोटों की रिकाउंटिंग रही है और हर वोट के रिजेक्शन होने का कारण देखा जा रहा है। अभी राजस्थान में कोई कार्यकारी अध्यक्ष नहीं होकर तीनों सर्वाधिक वोट लेने वाले डेलीगेट ही हैं। दरअसल जब प्रभारी शाहिद ने यह घोषणा की थी कि राजस्थान में तीन कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर उन्हें 13-13 जिले दे दिए गए हैं। इसके बाद में सर्वाधिक वोट लेने वाले अभिमन्यु पूनिया ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट कर दिया था कि उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष नहीं बनाया गया है और राष्ट्रीय अध्यक्ष की ओर से उन्हें संगठन के काम की जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी वे उसे पूरा करते रहेंगे। इस विवाद को आज राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान यूथ कांग्रेस चुनाव के परिणामों में विवाद उस दिन शुरू हुआ था, जब 13 मई को यह स्पष्ट हुआ था कि चुनाव में किस प्रत्याशी को कितने वोट मिले हैं। उस दिन अभिमन्यु पूनिया बाकी उम्मीदवारों से 30,000 ज्यादा वोट लेकर पहले नंबर पर थे। सबसे ज्यादा वोट लेने के बावजूद अभिमन्यु पूनिया को विजेता घोषित किए जाने की बजाए चुनाव में 3 सर्वाधिक वोट प्राप्त करने वाले नेताओं का अभी इंटरव्यू पेंडिंग है। इसके बाद ही नतीजे डिक्लेयर किए जाएंगे। इस बीच दो दिन पहले राजस्थान यूथ कांग्रेस के प्रभारी मोहम्मद शाहिद ने घोषणा कर दी थी कि तीनों सर्वाधिक वोट लेने वाले नेताओं को फिलहाल कार्यकारी अध्यक्ष बनाकर उन्हें राजस्थान के 13-13 जिलों का प्रभार सौंपा गया है, जिस पर अभिमन्यु पूनिया ने भी नाराजगी जाहिर की थी।

इसी के साथ यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास ने यह भी साफ कर दिया कि टिकट के मामले में यूथ कांग्रेस का कोई कोटा फिक्स नहीं है। जिस यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता का नाम सर्वे के साथ ही जमीनी स्तर से सामने आएगा, उस कार्यकर्ता के टिकट के लिए वह खुद पैरवी करेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव भी योग्य यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को टिकट दिया गया था और इस बार भी ऐसा ही होगा। बीवी श्रीनिवास ने बताया कि आज यूथ कांग्रेस की बैठक होने के पीछे प्रमुख कारण राजस्थान की योजनाओं का जिला, विधानसभा और ब्लॉक स्तर तक प्रचार करने के साथ ही केंद्र की मोदी सरकार की गलत नीतियों के प्रचार के लिए रणनीति बनाना है।

राजे ने माँ छिन्न मस्तिका रजरप्पा की विशेष पूजा की

जयपुर। पूर्व सीएम व भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुन्धरा राजे ने कहा कि असंभव को संभव करना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तासीर है। पूर्व सीएम ने झारखंड में माँ छिन्न मस्तिका रजरप्पा की विशेष पूजा भी की।

उन्होंने 9 साल के कार्यकाल में वो कर दिखाया, जो ग़ैर भाजपा के 9 प्रधानमंत्री नहीं कर पाये। वे गुरुवार को झारखंड के बगोदर क़स्बे में मोदी सरकार के 9 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित महा जनसम्पर्क अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। इस कार्यक्रम में झारखंड के पूर्व सीएम बाबू लाल मरांडी और केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा भी मौजूद थी।

बिपरजॉय से निपटने के लिए एस.डी.आर.एफ. की हुई तैनाती

जयपुर। 'बिपरजॉय' का राजस्थान में देर रात से भारी असर देखने को मिलने वाला हैं। इसे लेकर राजस्थान सरकार सहित सभी सुरक्षा एजेंसियां एक्टिव हो चुकी हैं। राजस्थान सरकार ने आपदा को देखते हुए सेना को भी अलर्ट पर रहने के लिए पत्र लिखा हैं। मौसम विभाग की ओर से जारी भारी वर्षा को देखते हुए राज्य सरकार ने जिला कलेक्टर को पहली बार यह पावर दे दी है कि वह भी अपने जिले में आपदा और लोगों की परेशानी को देखते हुए सेना के हेलिकॉप्टर मंगवा सकते हैं। वहीं राज्य सरकार, जिला प्रशासन और सेना के अधिकारियों का एक वॉट्सऐप ग्रुप बना दिया गया हैं। जिससे हर घंटे में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ग्रुप में जिले की स्थित के बारे में अपडेट करेंगे। जिससे बिपरजॉय के राजस्थान में पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी समय-समय पर राजधानी में मिलेगी साथ ही अगर किसी जिले को किसी भी प्रकार की रिस्पॉन्ड फोर्स की जरूरत होगी तो उसे तत्काल दे दी जाएगी।

एडीजी आलोक वरिष्ठ ने बताया कि बिपरजॉय से पश्चिमी-दक्षिणी राजस्थान के साथ-साथ मध्य जिले भी प्रभावित होंगे। एसे में अति संवेदनशील 15 जिलों में की 25 टीमों को क्विक रिस्पॉन्ड करने के लिए तैनात कर दिया गया हैं। वहीं जिला मुख्यालय पर रिजर्व में 25 टीमों को और रखा हैं। जयपुर मुख्यालय में एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया हैं।

पुरूष आयोग के गठन को लेकर जनहित याचिका पेश

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में पुरुष आयोग के गठन की गुहार करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट में जनहित याचिका पेश की गई है। हाईकोर्ट की खंडपीठ मामले में ग्रीष्मावकाश के बाद सुनवाई करेगी।

ऋचा सैनी की ओर से पेश इस जनहित याचिका में कहा गया है कि संविधान में महिलाओं के कल्याण के लिए कई प्रावधान किए गए हैं। वहीं उनका सामाजिक जीवन स्तर उठाने और सामाजिक सुरक्षा के लिए कई कानूनों का भी निर्माण किया गया है। वहीं पुरुषों के लिए अलग से कोई कानून अस्तित्व में नहीं है। याचिका में कहा गया कि कई महिलाएं घरेलू हिंसा कानून का दुरुपयोग कर रही है, लेकिन पीडित पुरुषों की सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। वहीं कई मामलों में महिलाएं सहमति से संबंध बनाती है और बाद में पुरुष को ब्लैकमेल करने के लिए दुष्कर्म का आरोप लगा देती हैं। ऐसे में मामले में पुरुष को साबित करना पडता है कि उसने दुष्कर्म नहीं किया है। इसके अलावा कई महिलाएं सरकारी नौकरी में तलाकशुदा का आरक्षण लेने के लिए शादी के तुरंत बाद तलाक ले लेती हैं। याचिका में क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा गया कि पुरुषों की आत्महत्या का एक बड़ा कारण महिलाओं की प्रताड़ना भी है। महिलाएं कानूनों को हथियार के रूप में काम में लेकर पुरुषों को प्रताड़ित कर रही हैं। इसके बावजूद पुरुषों के पास ऐसा कोई मंच नहीं है, जहां वे अपनी पीड़ा बता सकें।

काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती : सी.पी. जोशी

■ **'प्रदेश में भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच कैसे हो, जांच करने वाले अधिकारी खुद जांच के दायरे में'**

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सुबह-शाम केंद्र सरकार और भाजपा को कोसते हैं, लेकिन वे यह बताएं प्रदेश की जनता को जो वादा करते हैं उस पर कायम क्यों नहीं रहते। 2018 के चुनावी वादे में आप ने किसानों के कर्ज माफी, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता, सस्ती बिजली और महंगाई से मुक्ति का वादा किया था परंतु 4.5 वर्षों तक एक भी वादा पूरा नहीं किया। अब जो आप जनता में सहूलियत दे रहे हैं, जनता वह लेकर भी आप को वोट नहीं देगी। काठ की हांडी एक बार चढ़ सकती है बार-बार नहीं।

जोशी ने कहा कि मुख्यमंत्री यूथ कांग्रेस को संबोधित कर रहे थे, परंतु उन्हें सबसे अधिक समस्या ही युवाओं से है। जब कोई युवा आगे बढ़ना चाहता है, तो उसे निकम्मा, नकारा कह कर स्वीकार नहीं करते। मुख्यमंत्री आप कहते हैं कि आलाकमान के फैसले को स्वीकार करना चाहिए, तो 25 सितंबर को वर्तमान के कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष जब आलाकमान का संदेश लेकर जयपुर आए थे तो आपने उनके फैसले को स्वीकार क्यों नहीं किया? आपके मुंह से नैतिकता की बातें आपके पार्टी के लोगों और जनता को पच नहीं सकती।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि सुबह शाम सिर्फ भाजपा को कोसने से आपकी सरकार रिपीट नहीं होगी। आपको जनता के लिए काम करना चाहिए। अपने चुनावी घोषणा पत्र और पिछले 4 बजट में आपने जितनी घोषणाएं घोषित की थी, उसमें से कितनी पूरी की है, यदि इस विषय पर आप चिंता करें, तो स्वयं पर लज्जा महसूस होगी।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के सवालों का जवाब देते हुए सीपी जोशी ने कहा कि हम शासन के खिलाफ नहीं हैं हम भ्रष्ट तंत्र के खिलाफ हैं। सत्ताधारी कांग्रेस नेताओं और उनके पुत्र बड़े घोटालों और अवैध कार्यों में लिप्त हैं। जोशी ने कहा कि प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर तंज कसते हुए जोशी ने कहा कि भ्रष्टाचार का आलम यह है कि जांच करने वाले अधिकारी खुद ही जांच के दायरे में है। योजना भवन में मिले 2.31 करोड की नकदी और सोने वाले मामले को सरकार दबा रही है।

पंचम पुण्यतिथि

स्व.श्रीमती सावित्री देवी भाटिया (पत्नी स्व.श्री सूरज प्रकाश भाटिया)

आपका स्नेह, सद्व्यवहार, अथक परिश्रम, सेवा निष्ठावान जीवन हमारे लिये प्रेरणा दायक रहेगा।

श्रद्धावनत- शैलेन्द्र-रेणु, शुभम-वर्तिका सोनल-भरत भाटिया एवं समस्त परिवार

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

नाम परिवर्तन

I Gaurav kumar Asija S/o Ramesh kumar Asija R/o 6/239 Malviya Nagar Jaipur 302017, have change mr name to Gaurav Asija for all future purposes.

I have changed my Name Tanishka to Tanishka Sunder D/o Sunder Lal Meena for all purpose. R/o Bunglow No. 11, Ganpati Nagar Railway Colony Jaipur.

मैने अपना नाम भगवान से बदलकर भगवान दास लखानी पुत्र श्री तुलसीदास लखानी रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे। 9636639662

मैं, नरेन्द्र कुमार कचोलिया, पुत्र श्री राम रतन माहेश्वरी, निवासी बी-147 बी, मंगल मार्ग, बापू नगर, जयपुर एतदद्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरा नाम आधार कार्ड में नरेन्द्र कुमार कचोलिया है, कुछ दस्तावेजों में इसका उल्लेख नरेन्द्र कचोलिया के रूप में किया गया है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति अर्थात मेरे है । शपथ पत्र दिनांकः 15-06-2023 के अनुसार

मैंने मेरा नाम प्रीति शर्मा पत्नी राम अवतार शर्मा निवासी 33/ए-1 प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से बदलकर प्रीति शर्मा पत्नी राम शर्मा रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे।

मैं सैन्य संख्या 15336846X हवलदार रघुवीर सिंह 60 अभियन्ता सैन्य दल में सेवारत हूँ। मेरा आर्मी सर्विस रिकार्ड में मेरे लडके का नाम मनमोहन सिंह अंकित है जो कि गलत है सही नाम अखिल सिंह रावत करवाना चाहता हूँ जिस की जन्मतिथि 01.09.2007 है।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि यह कि एक फ्लैटC-3/223 First Floor Chitrakoot Nagar, Jaipur में स्थित है, जिस पर मेरे पति परमानन्द मीणा ने एचडीएफसी लिमिटेड से ऋण लिया हुआ था तथा उक्त फ्लेट के समस्त असल दस्तावेज एचडीएफसी लिमिटेड में रहन (MORTGAGE) कर रखें हैं।

यह कि मेरे पति परमानन्द मीणा का दिनांक 9.4.2020 को स्वर्गवास हो चुका है तथा उक्त फ्लैट के पेटे लिये हुये ऋण की पूर्ण अदायगी एचडीएफसी लिमिटेड को की जा चुकी है, इसलिये अब मैं उक्त फ्लैट के असल दस्तावेजों को प्राप्त करना चाहती हूँ यदि इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म इत्यादि को किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति है तो मय दस्तावेज प्रकाशन तिथी से सात दिवस तक की अवधि में एचडीएफसी लिमिटेड, C-25, BHAGWAN DAS ROAD (फोन नम्बर 0141-6480799 में सम्पर्क करें। सूचित रहे। OPP. ST. XAVIERS School, C-Scheme, Jaipur-302001

अनिता मीना
निवासी C/223 सेक्टर-3 चित्रकूट, जयपुर
दिनांक: 15.6.23 मोबाईल नम्बर: 9530032139

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/861 दिनांक-15.06.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा आवास संख्या 5/274, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 90.00 वर्ग मीटर/वर्ग गज का आवंटन श्री राजकुमार मित्रा पुत्र श्री ए.के.मित्रा को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4961 दिनांक 19.01.1990 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 7-3-1990 को प्राप्त कर लिया गया था। इसके पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 5745 दिनांक 14-3-1990 के द्वारा श्री राजकुमार मित्रा पुत्र श्री.ए.के.मित्रा के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। इनके द्वारा अपने स्वयं के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्रों का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक, जयपुर में दिनांक 23-5-1990 को करवाया गया। इसके पश्चात श्री राजकुमार मित्रा की मृत्यु दिनांक 4-6-2022 को हो जाने के कारण इनके पुत्र श्री मित्रा सौरभ राजकुमार पुत्र स्व. श्री राजकुमार मित्रा ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं पंजीकृत हकत्याग प्रपत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्री मित्रा सौरभ राजकुमार पुत्र स्व.श्री राजकुमार मित्रा के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त द्वितीय
राजस्थान आवासन मण्डल, अग्रवाल फार्म, मानसरोवर, जयपुर
Email Id: dhcjpr2.rhb@rajasthan.gov.in. Phone No. 0141-2782772
क्रमांक-DHC-II/830 दिनांक-13.06.2023

जाहिर आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल द्वारा फ्लैट संख्या 12/ए2-903, मानसरोवर, जयपुर क्षेत्रफल 53.93 वर्ग मीटर/ वर्ग गज का आवंटन श्री सुनील चन्द बंसल पुत्र श्री चन्द्रभान बंसल को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक1319 दिनांक 28-6-2013 एवं संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 2409 दिनांक 19-9-2013 को जारी किया गया। इनके द्वारा उक्त फ्लैट का भौतिक कब्जा दिनांक 9-10-2014 को प्राप्त कर लिया गया था। तत्पश्चात राजस्थान आवासन मण्डल के पत्र क्रमांक 777 दिनांक 9-7-2014 को श्री सुनील चन्द बंसल पुत्र श्री चन्द्रभान बंसल के नाम अदेय प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। तत्पश्चात श्री सुनील चन्द बंसल की मृत्यु दिनांक 22-8-2020 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर श्रीमती टीना बिन्दल पत्नी श्री शैलेश बिन्दल ने मृत्यु पश्चात नाम हस्तान्तरण सम्बन्धी प्रपत्र एवं वसीयतनामा प्रस्तुत कर उक्त आवास को अपने नाम हस्तान्तरण हेतु निवेदन किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त वर्णित व्यक्ति/आवेदक श्रीमती टीना बिन्दल पत्नी श्री शैलेश बिन्दल के पक्ष में उक्त फ्लैट के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। उक्त जाहिर आम सूचना उप आवासन आयुक्त महोदय से अनुमोदित है।

सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त द्वितीय, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल वृत्त- प्रथम, प्रताप नगर
क्रमांक: 3806 **आम जाहिर सूचना** दिनांक 14.06.2023

राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर, सांगानेर योजना में आवास संख्या 251/59 (HIG), (एरिया 202.30 वर्गमीटर) प्रताप नगर, सांगानेर का आवंटन श्री रमेश कुमार अग्रवाल पुत्र श्री गुलाब चन्द मित्तल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 5759 दिनांक 21.02.2008 एवं 04 दिनांक 03.04.2008 संशोधित आवंटन पत्र क्रमांक 1544 दिनांक 16.07.2008 को जारी किया गया। श्री रमेश कुमार अग्रवाल के पक्ष में उक्त आवास के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 15.03.2009 को उप पंजीयक-अष्टम, जयपुर के यहां पंजीकृत करवाये गये। श्री रमेश कुमार अग्रवाल द्वारा उक्तआवास का विक्रय दिनांक 08.04.2011 को श्री विजय कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री यज्ञदत्त शर्मा एवं श्रीमती पुष्पा शर्मा पत्नी श्री विजय कुमार शर्मा के नाम किया जाकर विक्रय पत्र उप पंजीयक-चतुर्थ, जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री विजय कुमार शर्मा एवं श्रीमती पुष्पा शर्मा के आवेदन करने पर कार्यालय आदेश क्रमांक 953 दिनांक 04.05.2011 के द्वारा मण्डल रिकार्ड में नाम दर्ज किया गया। श्रीमती पुष्पा शर्मा की मृत्यु दिनांक 08.09.2022 को हो जाने के कारण वसीयतनामा के आधार पर इनके पति श्री विजय कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री यज्ञदत्त शर्मा द्वारा उक्त आवास को 1/2 हिस्सा अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, श्री विजय कुमार शर्मा पुत्र स्व. श्री यज्ञदत्त शर्मा का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।

संपदा प्रबंधक,वृत्त प्रथम, राज. आ. मण्डल, जयपुर

खोया पाया

मेरा आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीम चौरडिया पेट्रोल पंप, सांगानेर, जयपुर के पास कहीं गुम हो गए है मिलने पर सूचित करे। श्याम सुंदर 9928778099

ग्राम कंचनपुरा, बैजूपाड़ा, दौसा के खसरा नम्बर- 225, 226, 234, 235, 236 के 1225.00 वर्गमीटर के प्लाट की रजिस्टर्ड लीजडीड दिनांक 07/06/2023 को प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर में खो गई है। मिलने पर सूचित करें। मुकेश चन्द मीना 9928462706

आम सूचना श्री प्रभाकर जैन पुत्र स्वर्गीय श्री बल्भद्र कुमार जैन, निवासी -593, आदर्श नगर, जयपुर की ओर से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्लांट संख्या 593, आदर्श नगर, जयपुर श्री बल्भद्र कुमार जैन को नगर विकास न्यास, जयपुर द्वारा दिनांक 31.01.1968 को जरिए रजिस्टर्डप पट्टा आवंटित किया गया था। उनके द्वारा स्वयं की आय से उपार्जित धन से इस प्लाट पर दो मंजिला मकान का निर्माण करवाया गया। कुछ वर्षो बाद, उनके द्वारा मकान की पहली मंजिल पर अपने भतीजे श्री निहाल चन्द जैन को वर्ष 1998-99 में रहने की अनुमति प्रदान की गयी। श्री बल्भद्र कुमार जैन का दिनांक 28.12.2015 को स्वर्गवास हो जाने के पश्चात, उनके पुत्र व मेरे अभिभाष्य श्री प्रभाकर जैन द्वारा श्री निहाल चंद जैन की उम्र व उनसे व्यक्तिगत आत्मीय संबंधों को ध्यान में रखते हुए, उन्हें मकान में रहने की अनुमति प्रदान की गयी। श्री निहाल चंद जैन का दिनांक 13.01.2023 को स्वर्गवास हो जाने पर, मेरे अभिभाष्य द्वारा दी गयी अनुमति स्वतः ही समाप्त हो गयी तथा मेरे अभिभाष्य द्वारा उनके किसी परिवारजन को ऐसी कोई अनुमति नहीं दी गयी है। बावजूद इसके, स्वर्गीय श्री निहाल चंद जैन के पुत्र श्री नीरज जैन द्वारा प्रथम मंजिल के एक हिस्से को, मेरे अभिभाष्य की अनुमति के बिना ना केवल उपयोग में लिया जा रहा है, अपितु इस हिस्से को दुरभावना से स्वयं की संपत्ति बताकर इसे बेचने की चेष्ठा भी की जा रही है।

श्री नीरज जैन पुत्र स्वर्गीय श्री निहाल चंद जैन का मेरे अभिभाष्य श्री प्रभाकर जैन की एकल स्वामित्व की संपत्ति प्लाट संख्या 593, आदर्श नगर,जयपुर एवं उस पर बने हुए मकान के किसी भी हिस्से से, किसी भी प्रकार का कोई सरोकार नहीं है, अतः कोई भी व्यक्ति उनसे इस संपत्ति बाबत किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन, समझौता, इकरारनामा, विक्रय पत्र नहीं करें। ऐसेकिसी भी प्रकार के सुव्यवहार के लिए मेरे अभिभाष्य किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं होंगे। अतः सूचित रहे।

(वैभव कासलीवाल) अधिवक्ता
''कासलीवाल चैम्बर्स'' बी-1/2, वृंदावन अपार्टमेंट (बेसमेंट) डी-2 मीरा मार्ग, बनीपार्क,जयपुर 302016, मो.-9829053541

चक्रवाती तूफान "बिपरजॉय" शुक्रवार दोपहर बाद राजस्थान में प्रवेश करेगा। तूफान आने से 36 घंटे पहले ही इसका असर प्रदेश के कई इलाकों में दिखने लगा है। गुरूवार को राजधानी जयपुर समेत कई जिलों में बारिश हुई, वहीं कुछ जगहों पर बादल छाए रहे। मौसम विभाग का कहना है कि, प्रदेश में तूफान कुछ कमजोर होकर (डीप डिप्रेशन में बदलकर) प्रवेश करेगा। इसका असर 19 जून तक बना रहेगा तथा सर्वाधिक असर 17 जून को रहने के आसार हैं। उत्तरी राजस्थान के श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू व आस-पास के कुछ जिलों में तूफान का असर अपेक्षाकृत कम रहेगा। वहीं ज्यादातर जिलों में अलग-अलग समय पर तूफान का असर रहेगा। जोधपुर, जालौर, बाड़मेर व पाली में तूफान का सर्वाधिक असर रहने की आशंका है। वहीं राज्य सरकार ने आपदा राहत के लिए टीमें तैनात कर दी हैं।

बंगाल में चुनाव आते ही फिर खूनी दौर शुरु !

बंगाल में पंचायत चुनाव नामांकन के आखिरी दिन चार लोगों की गोली मारकर सरेआम हत्या

- **कोलकाता हाई कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुये राज्य में पुलिस बलों को हटाकर तुरंत केन्द्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती के आदेश दिये**
- **प. बंगाल के माकपा सचिव सलीम मोहम्मद ने आरोप लगाया कि, तृणमूल कांग्रेस के गुण्डों ने हमारी पार्टी के एक उम्मीदवार के साथ नामांकन दाखिल करने जा रहे तीन कार्यकर्ताओं को गोली मार दी।**

कोलकाता, 15 जून। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने के आखिरी दिन गुरुवार को राज्य के कुछ जिलों में हिंसा अपने चरम पर पहुंच गई, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। इसके बाद कोलकाता हाई कोर्ट ने चुनाव खत्म होने तक पूरे राज्य में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती का आदेश दिया है।

राज्य चुनाव आयोग (एस.ई.सी.) पर कड़ी टिप्पणी करते हुए, मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम और न्यायमूर्ति उदय कुमार की खंडपीठ ने 48 घंटे के भीतर केंद्र से अर्धसैनिक बल बटालियन मांगने और उन्हें राज्य के हर हिस्से में तैनात करने को कहा, न कि, केवल उन सात जिलों को जिन्हें पहले संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया था। सिर्फ सात जिलों को पहले संवेदनशील के रूप में चिह्नित किया गया था। ये जिले बीरभूम, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हुगली, मुर्शिदाबाद, पूर्वी मिदनापुर और जलपाईगुड़ी हैं।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पंचायत चुनाव के लिए मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस उम्मीदवारों का एक समूह नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए बी.डी.ओ. कार्यालय की ओर जा रहे थे। इसी दौरान कुछ हमलावरों ने तीन से चार लोगों को गोली मार दी, इन्हीं में से कई लोगों की मौत हो गई। प्रदेश माकपा सचिव मोहम्मद सलीम ने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार और समर्थक नामांकन पत्र दाखिल करने जा रहे थे तभी तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने अंधाधुंध गोलीबारी की। उन्होंने आरोप लगाया कि, पश्चिम बंगाल पुलिस का एक वर्ग अभी भी तृणमूल कांग्रेस के गुंडों के साथ सहयोग कर रहा है और प्रदेश चुनाव आयोग गैर-जिम्मेदार बना हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि ममता सरकार को उसके प्रशासन के गैर-जिम्मेदाराना और एकतरफा रवैये की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

गौरतलब है कि, गत 13 जून को मुख्य न्यायाधीश टी.एस. शिवगणनम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने एस.ई.सी. को हिंसा की आशंका के मद्देनजर कानून और व्यवस्था की स्थिति का मूल्यांकन करने और संवेदनशील जिलों के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में हिंसा देखने वाले केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को तैनात करने का आदेश दिया था। गुरुवार को एस.ई.सी. ने मुख्य न्यायाधीश की पीठ से केंद्रीय बल की तैनाती पर अपने आदेश पर पुनर्विचार करने की अपील की।

दिल्ली में सुलह वार्ता के बाद पायलट खेमे के नेता का गहलोत सरकार के खिलाफ बड़ा बयान

गहलोत सरकार के सैनिक कल्याण मंत्री राजेन्द्र गुढ़ा, जो मुखर पायलट समर्थक हैं, ने कहा कि, नौजवानों की सुध नहीं ली तो सरकार आना नामुमकिन है

- **गुढ़ा ने कहा, "नौजवान दस-दस साल तैयारी करता है पर पेपर लीक और इंटरव्यू सिस्टम से हार जाता है। अब तो इन नौजवानों को देखकर डर लगता है, क्योंकि अगले चुनाव में यही फैसला करेंगे।"**
- **गुढ़ा ने दावा किया, उनके चुनाव क्षेत्र में गत दो माह में बेरोजगारी के कारण 30 युवाओं ने जान दी है।**
- **उन्होंने कहा, सरकार गरीबों, बीमारों, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए चाहे जो करे पर नौजवानों की भी सुध ले, उन्हें प्रति माह 20,000 रू. बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए।**

झुंझुनूं, 15 जून (निसं)। झुंझुनूं के उदयपुरवाटी से विधायक एवं सैनिक कल्याण मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने अपने बयान से अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया है। आर.पी.एस.सी. पर बड़ा आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा है कि, आर.पी.एस.सी. के रवैये और खराब ढांचे के कारण नौकरी की आस देख रहे युवा अपनी जान दे रहे हैं।

उदयपुरवाटी में पत्रकारों से बातचीत करते हुए राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि, राजस्थान का नौजवान परेशान है। उदयपुरवाटी विधानसभा में दो महीनों में 30 युवाओं ने जान दे दी है। सुसाइड केवल बेरोजगारी के कारण हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि, हमारी सरकार चाहे बी.पी.एल., बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमारों के लिए कुछ भी करे, लेकिन, नौजवानों के लिए भी करना चाहिए। हर बेरोजगार को 20 हजार रूपए मासिक बेरोजगारी भत्ता दिया जाना चाहिए।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि, रोज पेपर लीक हो जाते हैं, आर.पी.एस.सी. सदस्य और बाकी लोगों के बारे में सब जानते हैं। सचिन पायलट ने आर.पी.एस.सी. पुर्नगठन की बात कही है। पायलट ने कहा है कि, दो-तीन साल तक नौजवान नौकरी के लिए भटकता है और फिर पेपर लीक हो जाते हैं। लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 10-10 साल तक नौजवान कॉम्पटीशन की तैयारी करता है, नौकरी की आस रखता है, फिर पेपर लीक और इंटरव्यू सिस्टम से हार जाता है। इसलिए आर.पी.एस.सी. के रवैये और खराब ढांचे के कारण युवा सुसाइड कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि, आने वाले चुनावों में 18 से 36 साल के युवा चुनाव का फैसला करेंगे। यदि नौजवानों की परेशानियों को दूर नहीं किया तो आने वाले समय में सभी को पता चल जाएगा।

गुढ़ा ने कहा कि, युवा कॉम्पटीशन की तैयारी में बैग लटकाए घूमते हैं, जब भी उन्हें देखते हैं तो डर लगता है। क्योंकि सरकार के खिलाफ वे गुस्से में हैं और सरकार बनाने का फैसला वो ही करने वाले हैं।

कहा जा रहा है कि, गुढ़ा इन दिनों पायलट खेमे में हैं और लगातार सरकार के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं। दिल्ली में पायलट-गहलोत की सुलह बैठक के बाद, पायलट खेमे की तरफ से किसी नेता का यह सबसे बड़ा बयान है, जिसमें अप्रत्यक्ष रूप से नौजवानों की बात कहते हुए गुढ़ा कह रहे हैं कि, यदि नौजवानों की सुध नहीं ली गई तो सरकार आना मुश्किल क्या, नामुमकिन है।

ज्ञातव्य है कि, कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा, कई बार नेताओं को सरकार विरोधी बयानबाजी ना करने के लिए निवेदन कर चुके हैं और सख्त लहजे में चेता भी चुके हैं। लेकिन, यहां पर रंधावा को भी कांग्रेस के नेता सीरियस तरीके से नहीं ले रहे हैं। बहरहाल, देखने वाली बात यह होगी कि गुढ़ा के इस बयान पर अब क्या होता है।

गुजरात भाजपा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावों में प्रमुख राज्यों का चुनाव प्रबंधन देखने के लिए चुना है। इनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है। प्रधानमंत्री के चुनाव क्षेत्र वाराणसी के माइक्रो मैनेजमैंट में उनकी बड़ी भूमिका रही है, उसी दौरान मोदी की उन पर नजर पड़ी थी।

संभावना है कि मोदी की इच्छानुसार उन्हें उत्तर प्रदेश का प्रभारी बनाया जा सकता है। उनका गुजरात में शानदार रिकॉर्ड है जहां पार्टी ने 182 में से 156 सीटें जीती थी और वोट प्रतिशत भी 49 प्रतिशत से बढ़कर 53 प्रतिशत हो गया।

मोदी ने खुद पाटिल की प्रशंसा की और भाजपा नेताओं व सांसदों से कहा कि अन्य राज्यों में चुनाव रणनीति बनाने के लिए पाटिल मॉडल अपनाएं।

मोदी की गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ओर संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष से चर्चा के बाद निर्णय लिया गया है कि यूपी ही नहीं बल्कि मध्यप्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्यों का चुनाव प्रबंधन पाटिल को सौंपा जाए।

पाटिल मोदी की उच्चस्तरीय टीम में शामिल हो सकते है और पार्टी को चुनाव अभियान देखने के लिए उन्हें केन्द्र में मंत्री भी बनाया जा सकता है।

आप पार्टी ने राजस्थान व एम.पी चुनावों में कांग्रेस को बड़ा ऑफर दिया

- **आप पार्टी के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा, कांग्रेस दिल्ली और पंजाब छोड़ दे तो, हम राजस्थान और मध्यप्रदेश में चुनाव नहीं लडेंगे।**

नई दिल्ली, 15 जून। आम आदमी पार्टी (आप) के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कांग्रेस को बड़ा ऑफर दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर पंजाब और दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ती है तो आप पार्टी भी राजस्थान और मध्य प्रदेश में इलेक्शन नहीं लड़ेगी। जब सौरभ भारद्वाज से पूछा गया कि कहा जा रहा है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान में आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ेगी, वहां कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी। अगर दोनों पार्टियां एक-दूसरे के वोट काटेंगी, तो एक साथ आने का क्या मतलब है। इसके जवाब में आप के मंत्री ने कहा कि 2015 और 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीरो सीट आई थी, लेकिन इसके बाद भी कांग्रेस यहां से चुनाव लड़ती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अगर ये कह दे कि वह पंजाब और दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ेगी, तो हम भी राजस्थान और मध्य प्रदेश में हम भी चुनाव नहीं लड़ेंगे।

आप के मंत्री ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि इस पार्टी में न सिर्फ लीडरशिप का क्राइसिस है, बल्कि आइडिया का भी क्राइसिस है। कांग्रेस का लोगों से जुडाव इस तरीके से खत्म हो गया है कि उन्हें ये तक नहीं पता कि जनता क्या चाहती है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी अब देश की सबसे नई पार्टी से आइडिया और मैनीफेस्टो तक चुराने लगी है। क्योंकि अरविंद केजरीवाल ने कहा था कि सारे मैनीफेस्टो झूठे होते है, इसलिए हमने इसे गारंटी कहा अब कांग्रेस ने इस शब्द गारंटी तक को चुरा लिया है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि जब आप पार्टी पहली बार यह बात लेकर आई कि, दिल्ली में हम 200 यूनिट बिजली मुफ्त देंगे और 400 यूनिट तक आधे दाम पर लोगों को बिजली देंगे।

'हिंसा ग्रस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कूकी आदिवासियों को खत्म करने के साम्प्रदायिक एजेंडा पर चल रहे हैं। आई.ए. में कहा गया है कि सशस्त्र साम्प्रदायिक संगठन कुकी आदिवासियों का सफाया कर रहे हैं। उन्होंने अदालत से प्रार्थना की कि भारतीय सेना के माध्यम से इस जनजाति को संरक्षण प्रदान किया जाये क्योंकि सरकार और उसकी पुलिस से आदिवासियों का विश्वास उठ गया है। संगठन ने दलील दी कि पिछली सुनवाई में, सॉलिसिटर जनरल द्वारा दिये गये आश्वासनों के बावजूद, अभी तक कोई राहत प्रदान नहीं की गई है। फोरम ने आई.ए. में कहा है कि, "इन आश्वासनों के दिये जाने के बाद, 81 कुकी आदिवासी मार दिये गये, 237 चर्च तथा 73 प्रशासकीय भवन/क्वार्टर जला दिये गये, 141 गाँव तबाह कर दिये गये तथा 31,410 कुकी अपने घरों से दूसरी जगह चले गए। अब सत्ता के आश्वासन किसी काम के नहीं रहे हैं। ये आश्वासन नितांत गैर गंभीर है, तथा इनकी क्रियान्विति तो सरकार का उद्देश्य ही नहीं है। फोरम ने केन्द्रीय गृह मंत्री द्वारा दिये गये आश्वासन को लेकर भी निराशा प्रकट की।

विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकराया

- **अहमदाबाद में लैण्डिंग के वक्त इंडिगो एयरलाइन्स का विमान हादसे का शिकार होते बाल-बाल बच गया। इंडिगो एयरलाइन्स के साथ एक हफ्ते में इस तरह की यह दूसरी दुर्घटना है।**

नई दिल्ली, 15 जून। इंडिगो की एक फ्लाइट को गुरुवार (15 जून) को गुजरात के अहमदाबाद में लैंडिंग के दौरान टेल स्ट्राइक का सामना करना पड़ा। फ्लाइट बेंगलुरु से अहमदाबाद जा रही थी। इस फ्लाइट को सुरक्षित रूप से उतारा गया है और ग्राउंडेड घोषित किया गया है। फ्लाइट में सवार सभी यात्री सुरक्षित हैं। इंडिगो ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। इंडिगो ने अपने बयान में कहा कि बेंगलुरु से अहमदाबाद जा रही इंडिगो की फ्लाइट अहमदाबाद में उतरते समय टेल स्ट्राइक का शिकार हो गई। आवश्यक आंकलन और मरम्मत के लिए विमान को अहमदाबाद हवाई अड्डे पर ग्राउंडेड घोषित कर दिया गया। एयरलाइंस ने कहा कि संबंधित अधिकारियों की ओर से घटना की जांच की जा रही है।

इससे पहले 11 जून को दिल्ली एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान इंडिगो के एक प्लेन का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया था। डी.जी.सी.ए. ने कहा है कि हादसे के बाद विमान की उड़ान पर रोक लगा दी गई है और घटना की जांच की जा रही है। कोलकाता से आया प्लेन दिल्ली एयरपोर्ट पर लैण्ड कर रहा था। इंडिगो का विमान 321-252 एयरक्राफ्ट फ्लाइट संख्या- 6-6183 की उड़ान पर कोलकाता से दिल्ली आ रहा था।

"कैंसलेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हस्तक्षेप के बाद, दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण सिंह के खिलाफ पोक्सो केस दर्ज किया था।

पहलवान, सिंह के खिलाफ फर्स्ट इन्फॉर्मेशन रिपोर्ट (एफ.आई.आर.) दर्ज कराये जाने की मांग करने के लिये दिल्ली के राउज़ अवेन्यू डिस्ट्रिक्ट के एक मैजिस्टीरियल कोर्ट में भी गये थे।

स्पेशल पब्लिक प्रॉसिक्यूटर अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि पुलिस ने इंडियन पेनल कोड (आई.पी.सी.) की धाराओं 354 (आउटरेजिंग मॉडेस्टी), 354 ए (सैक्सुअली कलर्ड रिमार्क्स), 354 डी (स्टॉकिंग) तथा 506 (1) (क्रिमिनल इन्टिमिडेशन) के तहत आरोप पत्र पेश किया है। लेकिन उन्होंने कहा कि नाबालिग पहलवान द्वारा सिंह के खिलाफ लगाये गये आरोपों को वापस लिये जाने को ध्यान में रखते हुये, पुलिस ने प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेज (पी.ओ.सी.एस.ओ.-पोक्सो) एक्ट के तहत अपराधों के सिलसिले में दर्ज किये गये केसों में कैन्सिलेशन रिपोर्ट पेश कर दी है अर्थात नाबालिग पहलवान का केस रद्द करने की सिफारिश की है।

गुजरात तट से टकराया सायक्लोन बिपरजॉय, 125 कि.मी. की रफ्तार से हवायें चली

आठ राज्यों में अलर्ट जारी किया गया, गुजरात में सायक्लोन के कारण पेड़ व बिजली के पोल उखड़े, कई इलाकों में बिजली काटी गई

- **गुजरात (कच्छ) के तटीय इलाकों से एक लाख लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।**
- **सायक्लोन बिपरजॉय के खतरे को देखते हुए, केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक, सब अलर्ट मोड पर हैं। गुजरात में एन.डी.आर.एफ. की 17 टीमें और एस.डी.आर.एफ. की 12 टीमें तैनात हैं। वहीं, नौसेना के 4 जहाज स्टैंडबाय पर रखे गए हैं।**

नई दिल्ली, 15 जून। सायक्लोन बिपरजॉय गुरुवार शाम को गुजरात पहुंच चुका है। सौराष्ट्र तट पर सायक्लोन का लैण्डफॉल भी शुरू हो चुका है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि, आधी रात तक लैण्डफॉल प्रक्रिया जारी रहेगी। सायक्लोन के कारण गुजरात के तटीय इलाकों में बेहद तेज हवाएं चलनी शुरु हो गईं। गुजरात (कच्छ) के तटीय इलाकों से एक लाख लोगों को तट के किनारे से निकाल सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। मछुआरों को समुद्र में ना जाने की सलाह दी गई है। साबरमती रिवर फ्रंट और द्वारकाधीश मंदिर को बंद कर दिया गया। यह सायक्लोन कच्छ और पाकिस्तान के सिंध के तट से टकराएगा। बीते 60 सालों में यह तीसरा तूफान है, सायक्लोन बिपरजॉय जैसे-जैसे आगे बढ़ रहा है, इसका असर तेज होता दिखाई दे रहा है। सायक्लोन बिपरजॉय के 15 जून से तबाही मचाने की आशंका के बीच 8 राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। नेवी, एयरफोर्स, सेना, एन.डी.आर.एफ. समेत तमाम सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

सायक्लोन के कारण कच्छ के तटीय इलाकों में 115-125 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल रहीं थीं। गुरुवार शाम को सौराष्ट्र के सभी इलाकों में भारी बारिश भी हुई। मौसम विभाग के मुताबिक मध्य रात्रि तक लैंडफॉल जारी रहेगा। इसके बाद सायक्लोन थोड़ा कमजोर होकर राजस्थान की ओर मुड़ जाएगा। सायक्लोन के कारण दिल्ली, उत्तर प्रदेश व राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। हालांकि, उससे पहले कच्छ, जामनगर और द्वारका में तेज हवाओं के चलते इलेक्ट्रिक पोल्स और पेड़ों के गिरने की तस्वीरें सामने आई है।चक्रवाती तूफान बिपरजॉय के खतरे को लेकर केंद्र से लेकर राज्य सरकार तक सब अलर्ट पर हैं। गुजरात में एन.डी.आर.एफ. की 17 टीमें और एस.डी.आर.एफ. की 12 टीमें तैनात हैं। वहीं, नौसेना के 4 जहाज अभी स्टैंडबाय में रखे गए हैं।

एक साल में चीन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आज भी है।

युवा वर्ग कह रहा है कि उनकी पीढ़ी आखिरी है। वे स्वतंत्र समाज में नहीं रह सकते है। ये युवा लोग ऐसे प्रतिबंधित समाज में अपने बच्चों का पालन-पोषण नहीं करना चाहते है।

युवा महिलाओं के शादी से विमुख होने का एक बड़ा कारण यह बताया जा रहा है कि पारम्परिक चीनी समाज में अभी भी महिलाओं से एक आज्ञाकारी पत्नी की भूमिका निभाने की उम्मीद की जाती है और युवा महिलाएं इसे सहने को तैयार नहीं है। वे अविवाहित रह कर करियर और नए अवसर तलाश करना ज्यादा पसंद करती हैं।

चीन के आर्थिक विकास के कारण महिलाओं के लिए भी करियर के नए दरवाजे खुल गए हैं। इस तरह की नौकरियों से उन्हें ऐसा आरामदायक जीवन जीने का अवसर मिलता है जिसमें पारिवारिक मांगों के आगे सिर झुकाने की जरुरत नहीं होती है। चीन के समाज में स्त्री-पुरुष के भेद में तेजी से कमी आई हैं। युवा महिलाएं स्वयं को ज्यादा सशक्त महसूस करने लगी हैं।

लेकिन इन सभी सामाजिक परिवर्तनों को देखें तो इस बात से इंकार नहीं है कि बढ़ती युवा बेरोजगारी की वजह से ये बदलाव हो रहे हैं।

शादी में कमी आने का बड़ा कारण है युवाओं में बढ़ती बेरोजगारी जो 20 प्रतिशत हो गई है। इसके अलावा उपलब्ध रोज़गार और उससे जुड़ी आकांक्षाओं में भी भारी अंतर है। भारी बेरोजगारी का असर कई क्षेत्रों में दिख रहा है, इसका एक असर है धर्म के प्रति बढ़ता रूझान।

खबरें हैं कि ज्यादा से ज्यादा युवा वर्ग बौद्ध वताओ मंदिरों में जा रहे है तथा करियर व अच्छे भविष्य के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

घबराइये नहीं, हवाई यात्रा के दौरान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुद्दा भी बहुत महत्वपूर्ण हो गया है बाजारों के 4700 यात्रियों के सर्वे में पता चला कि 87 प्रतिशत यात्री मानते हैं कि हवाई यात्रा क्रिटिकल है और हमें हवाई जहाज यात्रा का ऐसा तरीका ढूंढना होगा कि यात्रा बिना बाधा के पूरी हो, सर्वे में शामिल 88 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि हवाई यात्रा का समाज पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है वहाँ 82 प्रतिशत ने माना कि यू.एन. के सतत विकास लक्ष्यों में उड्डयन का महत्वपूर्ण योगदान है। सर्वे के अनुसार 91 प्रतिशत हवाई यात्रा को आधुनिक जरूरत मानते है और 81 प्रतिशत यात्री महामारी से पूर्व के दिनों की तुलना से आज के दौर में ज्यादा हवाई यात्रा करने की सुविधा दिए जाने की सराहना करते है।

मास्क की अनिवार्यता खत्म होने के बाद यात्रियों की बात नहीं मानने की घटनाएं कम हो गई थीं पर वर्ष 2022 में ऐसी घटनाओं में फिर से वृद्धि हुई है। अवज्ञा करने के सबसे आम उदाहरण थे:

* सिगरेट, ई सिगरेट, पफ्स, वेपर का केबिन या शौचालय में इस्तेमाल।
* निर्देश दिए जाने पर भी सीट बैल्ट बांधने में भी देरी करना।
* जरूरत से ज्यादा सामान ले जाना या आवश्यकता पड़ने पर सामान स्टोर नहीं करवाना।
* विमान में शराब पीना।

आई.ए.टी.ए. कहता है कि, उद्दंड व्यवहार के प्रति ज़ीरो टॉलरैंस की जरुरत है और इसके लिए एक "टू पिलर" रणनीति है। इसे ऐसी घटनाओं की वृद्धि रोकने की कायदे कानून बनाए गए हैं। इसमें सरकारों से आश्वासन लिया जाता है कि वे उद्दण्ड यात्रियों पर कानूनी कार्यवाही करेंगे चाहे वे यात्री कहीं के भी हो। इसके लिए शक्तियां भी दी गई है। ऐसे अधिकारी एम.पी. 14 में है और आई.ए.टी.ए. का सभी देशों से आग्रह है कि इसे जल्द से जल्द मान्यता प्रदान करें। अभी तक 45 देशों ने इसे स्वीकार किया है। विश्व का 33 प्रतिशत हवाई यातायात इन देशों से संबंधित है।

ज़मीन पर, जैसे हवाई अड्डों, बार रैस्त्राँ, व ड्यूटी फ्री दुकानों पर, औद्योगिक पार्टनर्स के सहयोग से उद्दण्ड व्यवहार के दुष्परिणाम पर जागरुकता अभियान चलाए जा सकते हैं। आई.ए.टी.ए. केबिन क्रू को इन घटनाओं को रोकने के लिए प्रशिक्षण दिया जाए। इसने 2022 के आरंभ में नए निर्देश जारी किए थे और विभिन्न एयरलाइन्स में इन घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रयुक्त तौर तरीकों की जानकारी जुटाई और जन जागरुकता पर सरकारों को व्यवसायिक समाधान बताए जैसे तुरंत जुर्माना करना आदि।

क्लिफर्ड ने कहा कि उद्दण्डता की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए सरकारें व उद्योग ज्यादा गंभीर कदम उठा रहे है। अधिकांश देश एम.पी. 14 को मान्यता दे रहे हैं और कानून क्रियान्वयन के तरीके पर ध्यान दे रहे हैं और स्पष्ट संदेश दे रहे हैं कि अब सरकारें उद्दण्ड लोगों पर मुकदमा चलाने को तत्पर है।

उद्योगों के स्तर पर भी ज्यादा सहयोग की जरुरत है क्योंकि दुव्यर्वहार की अधिकांश घटनाएं उड़ान से पहले शराब पीने से होती है। एयरपोर्ट की बार व रैस्त्रां की मदद से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि यात्री ज्यादा शराब ना लें। क्लिफर्ड ने कहा कि कोई भी यात्रियों को मौज मजा करने से रोकना नहीं चाहता पर हम सब की जिम्मेवारी है कि वे अन्य यात्रियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार हो। बहुत के लिए हम ऐसे चंद यात्रियों पर कार्यवाही करने से नहीं हिचकेंगे जो हर किसी के लिए परेशानी पैदा करते हैं।

राहुल गांधी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उचित खाका उपलब्ध नहीं है।

खड़गे टीम, 2024 बनाना चाहते हैं लेकिन गांधी परिवार की सहमति/स्वीकृति के बिना ऐसा करना मुश्किल है। कुल मिलाकर, राहुल के विदेश से लौटने पर ही कुछ जवाब मिल सकते हैं।

यूनिफॉर्म सिविल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने ही की थी, ने "कन्सल्टेशन पेपर ऑन रिफॉर्म ऑफ फैमिली लॉ" के पृष्ठ 182 पैरा 1.15 में स्वयं ही उपरोक्त बात कही थी। आयोग ने अपनी यह रिपोर्ट 31 अगस्त, 2018 को प्रस्तुत की थी।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आगे कहा, "जहां भारतीय संस्कृति की विविधता का गुणगान किया जाना चाहिये, वहीं समाज के विशिष्ट या कमजोर वर्गों से उनके विशेषाधिकार इस प्रक्रिया से छीने नहीं जाने चाहिये। इस द्वंद्व के समाधान का अर्थ सभी अन्तरों को समाप्त कर देना नहीं है।

इसीलिये उस आयोग ने समान नागरिक संहिता, जो इस स्थिति में न तो आवश्यक है और न वांछनीय, उपलब्ध कराने के बजाय, उन कानूनों पर विचार करना उचित समझा था, जो भेदभावपूर्ण हैं। ज्यादातर देश अब अन्तर को मान्यता देने की दिशा में बढ़ रहे हैं तथा अन्तरों के अस्तित्व मात्र का अर्थ भेदभाव नहीं होता है, बल्कि ये तो सुदृढ़ लोकतंत्र के परिचायक होते हैं।"

"विधि आयोग ने पिछले दशकों में राष्ट्रीय महत्व के अनगिनत मुद्दों पर ईर्ष्या करने योग्य काम किया है।

इस (आयोग का) को उस विरासत को ध्यान में रखना चाहिये तथा याद रखना चाहिये कि राष्ट्र का हित भाजपा की राजनैतिक महत्वकांक्षाओं से प्रथक चीज है।"

22वें लॉ कमीशन ऑफ इंडिया ने बुधवार को एक नोटिस जारी करके इस विषय पर जनात एवं धार्मिक संगठनों के विचार मांगे हैं। नोटिस में कहा गया है कि इच्छुक तथा इस विषय में रूचि रखने वाले लोग और संगठन अपने विचार 30 दिन के अंदर प्रस्तुत कर सकते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908

संक्षिप्त

10 किलो गांजे के साथ आरोपी पकड़ा

दूनी/टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक टोंक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा के आदेशानुसार व पुलिस उपअधीक्षक वृत्त देवली के सुपरविजन में मादक पदार्थों विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के दौरान मुखबीर की सूचना पर थानाधिकारी विजय सिंह मय जाप्ता द्वारा आरोपी श्योराज पुत्र श्रीलाल जाति गुर्जर निवासी चान्दसिंहपुरा थाना दूनी जिला टोंक के कब्जे से 10 किलो 600 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा होना पाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर अनुसंधान किया।

खिलाड़ियों का सम्मान किया

दूदू, (निसं)। कस्बे की राज सम्राट सीनियर हायर सैकेण्डरी विद्यालय सभागार में राष्ट्रीय स्तर खो-खो प्रतियोगिता में खेल कर आये राजस्थान टीम के खिलाड़ियों एवं परिजनों का सम्मान समारोह आयोजीत किया गया। निदेशक अचल सिंह नाथावत पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष लाला राम भडाणा, राजेडा कडवा, विकास पारीक व छात्रों ने खिलाड़ी राहुल गुर्जर, रोहित गुर्जर को सम्मान्नित किया।

प्रागपुरा कस्बे में जगह-जगह लगे कचरे के ढेर, बदबू से लोग बेहाल

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा नगरपालिका द्वारा नगर की सफाई के लिए हर महीने लाखों रुपए खर्च किए जाते हैं, लेकिन इसके बाद भी नगर में कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं। इन कचरे के ढेरों में से बदबू आने लगी हैं, जिससे आसपास के रहने वाले लोगों का वहां रहना मुश्किल हो रहा है।

इन कचरे के ढेरों पर पास मवेशियों को जमावडा लगा रहता है, जिससे वहां से निकलने में लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा इस ओर कोई कदम नहीं उठाया जा रहा है, जिससे यह कचरे के ढेर वहीं लगे हुए और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

- सफाई कर्मचारियों के काम पर नहीं आने से सफाई व्यवस्था चरमराई

जिसको लेकर पूर्व जिला पार्षद व भाजपा नेता ललित गोयल के नेतृत्व में प्रागपुरा में नगरपालिका पावटा प्रागपुरा की ईओ मनीषा यादव को एक ज्ञापन सौंपते हुए ललित गोयल ने बताया कि नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों के द्वारा ठीक तरह से सफाई नहीं की जाती है। कई बार सफाई कर्मचारी नालियों में कचरे को निकालकर नाली के पास में डाल देते हैं, जिससे आसपास के घरों में बदबू आने लोगों का जीना मुहाल हो रहा है। इस कचरे में मच्छर भी पनप रहे हैं, जिससे आसपास के क्षेत्र में बिमारियाँ फैलने का भी डर बना हुआ है। लोगों का कहना है कि नगरपालिका को नगर में जगह-जगह लगे कचरे के ढेरों को हटवाना चाहिए, जिससे लोगों को गंदी बदबू और बीमारियों से राहत मिल सके। नगरपालिका के सफाई कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि पालिका प्रशासन द्वारा बकाया भुगतान को लेकर काम पर नहीं आने से शहर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ठप है। जिस पर पालिका ईओ मनीषा यादव व उपाध्यक्ष अशोक सैनी, नरपत सिंह द्वारा 15 दिन में उनकी समस्याओं के समाधान के आश्वासन के बाद सफाई कर्मचारी काम पर लौट आए है। इस मौके पर श्याम सिंह शेखावत वार्ड पार्षद, रामजीलाल सैनी वार्ड पार्षद, विक्रम सैनी, विशंभर मेहरा वार्ड पार्षद, लीलाराम सैनी, बृजमोहन शर्मा, घनश्याम सोनी, सतवीर सिंह, विजय सिंह, महादेव सैनी, मुन्नालाल सैनी, बलबीर सैनी, हंसराज सैनी, पप्पू स्वामी, मोहनलाल जांगिड, बनवारी सेन, अर्जुनलाल सैनी, विक्रम सिंह, विकास सैनी, ज्ञान प्रसाद चावला, सुरेश शर्मा, महेंद्र जांगिड, पालेराम गुप्ता, पिंटू गोयल, हीरालाल टेलर, संदीप मीणा, शक्ति सिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीण मौजूद रहे।

लोगों ने समय पर सफाई कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

कोटपूतली में नवीन महिला पुलिस थाना सृजित

कोटपूतली, (निसं)। मुख्यमंत्री द्वारा हाल ही के बजट में कोटपूतली में नवीन महिला पुलिस थाने की घोषणा की गई थी। जिसके बाद 7 जून को संयुक्त शासन सचिव, गृह (पुलिस) द्वारा नवसृजित महिला पुलिस थाना कोटपूतली के क्षेत्राधिकार की विधिवत अधिसूचना भी जारी कर दी गई थी।

इसी क्रम में जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक डॉ. राजीव पचार ने कोटपूतली में नवीन महिला पुलिस थाना सृजित करते हुए प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की है। एसपी डॉ. पचार द्वारा जारी आदेशानुसार नवीन महिला पुलिस थाना कोटपूतली में 30 कार्मिकों का जाप्ता तैनात होगा। इनमें एसआई का 1, एएसआई के 4, हैड कानि. 3, कानि. 20 व कानि. ड्राईवर के 02 पद सृजित किये गये है। नवीन महिला पुलिस थाना कोटपूतली कस्बे के टापरी रोड़ स्थित अम्बेडकर भवन में अस्थाई रूप से संचालित किया जायेगा। पुलिस थाने को विधिवत रूप से शुरू करने के आदेश 14 जून 2023 को जारी किये गये है। उक्त थाने में जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक के अधीन कोटपूतली सर्किल, विराटनगर सर्किल व शाहपुरा के कोटपूतली, पनियाला, सरूण्ड, विराटनगर, प्रागपुरा, भाबरू, शाहपुरा, अमरसर व मनोहरपुर थाने संचालित होंगे।

क्रिकेट प्रतियोगिता संपन्न

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की पालुंदा ग्राम पंचायत में आयोजित हुई क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए लालसोट विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रहे रामविलास मीणा ने कहा कि खेलकूद से मानव जीवन स्वस्थ रहने के साथ आपसी भाईचारे का विकास होता है। आयोजक मंडल ने बताया कि स्टार क्रिकेट क्लब पालून्दा के तत्वावधान में सात जून से आरंभ हुई प्रतियोगिता का गुरूवार को विधिवत समापन हुआ। क्रिकेट प्रतियोगिता में 30 टीमों ने भाग लिया।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि अचल सम्पत्ति प्लाट नम्बर 45-ए, स्कीम नं. 21 नोर्थ, जगदीश कॉलोनी, निवारू रोड, झोटवाड़ा, जयपुर, राज., कुल क्षेत्रफल 100.00 वर्गगज है। उक्त सम्पत्ति श्रीमती श्यामलता को जेडीए, जयपुर द्वारा रजिस्टर्ड लीज डीड नं. 518 दिनांक 23.04.2002 द्वारा प्राप्त हुई। श्रीमती श्यामलता जरिये मुख्त्यारआम आशीष कुमार ने उक्त सम्पत्ति को रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 05.06.2004 द्वारा विजेन्द्र सिंह को विक्रय कर दिया। विजेन्द्र सिंह के स्वर्गवास के पश्चात उनके विधिक उत्तराधिकारियों में उनकी पत्नी श्रीमती जगबिरी देवी, पुत्री काजल मलिक पुत्र अवनीश कुमार मलिक उक्त सम्पत्ति के संयुक्त रूप से विधिक रूप से मालिक, स्वामी काबिज हुए। श्रीमती जगबिरी देवी व काजल मलिक ने उक्त सम्पत्ति में निहित अपने-अपने अविभाजित हिस्से को रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 27.01.2020 द्वारा अवनीश कुमार मलिक के हक में त्याग कर दिया, इस प्रकार अवनीश कुमार मलिक उक्त सम्पत्ति के एकमात्र रूप से विधिक रूप से मालिक, स्वामी, अधिकारी काबिज हुए। अब इनसे रोहित अग्रवाल उक्त सम्पत्ति को क्रय कर रहे है जिस बाबत मेरी अभिभाष्य वित्तीय संस्था HDFC Ltd. से ऋण ले रहे हैं, सर्वसाधारण को उक्त सम्पत्ति के विधिक वारिसान, मालिकाना हक, स्वामित्व, कब्जे, अधिकार पर कोई आपत्ति हो तो सात दिवस में लिखित में मय दस्तावेज सूचित करें अन्यथा आपत्ति शून्य, अप्रभावी व अमान्य समझी जावेगी। दिनांक 15.06.2023
ऋषिकेश महर्षि, एडवोकेट, (एस.आर.एम. पार्टनर)
82, एवरेस्ट विहार, किंग्स रोड, निर्माण नगर, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत ढीण्ढा पं.स. कि. रेनवाल (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं. ढीण्ढा/निविदा/2023/128 दिनांक- 14.06.2023
ऑन लाईन निविदा सूचना
ग्राम पंचायत ढीण्ढा, पंचायत समिति किशनगढ रेनवाल में महानरेगा योजना तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अन्य योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्माण कार्यों की सामग्री आपूर्ती हेतु इच्छुक प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा शर्तो के अनुसार ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेब साईड www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 05.06.2023 से 15.06.2023 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा सूचना का विवरण, दिनांक एवं शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं download की जा सकती है।
UBN- ZJP2324GLOB00785, NIB-ZJP2324A0412
सरपंच ग्राम पंचायत ढीण्ढा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत ढीण्ढा

कार्यालय ग्राम पंचायत भैंसलाना पं.स. किशनगढ रेनवाल (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं. भैंसलाना/निविदा/2023/91 दिनांक- 02.06.2023
ऑन लाईन निविदा सूचना
ग्राम पंचायत भैंसलाना, पंचायत समिति किशनगढ रेनवाल में महानरेगा योजना तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अन्य योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्माण कार्यों की सामग्री आपूर्ती हेतु इच्छुक प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा शर्तो के अनुसार ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेब साईड www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 16.06.2023 से 26.06.2023 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा सूचना का विवरण, दिनांक एवं शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं download की जा सकती है।
UBN- ZJP2324GLOB00787, NIB-ZJP2324A0414
सरपंच ग्राम पंचायत भैंसलाना — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत भैंसलाना

कार्यालय ग्राम पंचायत मुण्डोती पं.स. कि. रेनवाल (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं. मुण्डोती/निविदा/2023/44 दिनांक- 15.06.2023
ऑन लाईन निविदा सूचना
ग्राम पंचायत मुण्डोती, पंचायत समिति किशनगढ रेनवाल में महानरेगा योजना तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की अन्य योजनाओं में वित्तीय वर्ष 2023-24 में निर्माण कार्यों की सामग्री आपूर्ती हेतु इच्छुक प्रतिष्ठानों/संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा शर्तो के अनुसार ई-प्रोक्यूरमेन्ट प्रक्रिया से वेब साईड www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 16.06.2023 से 26.06.2023 तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा सूचना का विवरण, दिनांक एवं शर्ते www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी एवं download की जा सकती है।
UBN- ZJP2324GLOB00788, NIB-ZJP2324A0415
सरपंच ग्राम पंचायत मुण्डोती — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत मुण्डोती

सामुदायिक भवन का उद्घाटन

लालसोट, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा ने गुरुवार को लालसोट पंचायत समिति की तलाव गांव ग्राम पंचायत में 20 लाख रुपए लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन की शिलान्यास पट्टिका का लोकार्पण कर उसे आमजन समुदाय को समर्पित किया। इसी के साथ चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा ग्राम पंचायत तलावगाव में आयोजित महंगाई राहत एवं प्रशासन गांव के संग अभियान का निरीक्षण कर वहां मौजूद पात्र लाभार्थियों से संवाद किया गया। आयोजित महंगाई राहत कैंप में जिसमें कुल 640 परिवारों का पंजीयन किया गया। कैंप में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीना ने लोगों को गारंटी कार्ड वितरण किए। इस अवसर पर प्रधान नाथूलाल मीना सरपंच मंगली देवी पंचायत समिति सदस्य आनंदीलाल मीना मंडल कांग्रेस अध्यक्ष कन्हैयालाल बूडला उपखंड अधिकारी बृजेंद्र मीना तहसीलदार मदनलाल मीना प्रगति प्रसार अधिकारी विमल जैमन ब्लॉक सांख्यिकी अधिकारी सुखपाल मीणा आदि मौजूद थे।

संस्कार महोत्सव में लोगों का हुजूम उमड़ा

मनोहरपुर, (निसं)। जुगल जी का मौहल्ला स्थित श्री कृष्ण विद्या मंदिर सी. सै.स्कूल मनोहरपुर के संस्कार महोत्सव के संत समागम तथा प्रतिभा सम्मान समारोह गुरूवार को आयोजित हुए, जिसमें विद्यार्थियों ने आध्यात्मिकता, ध्यान और धैर्य के बारे में सीखा।

रिछपाल दास महाराज त्रिवेणी धाम, पंचखंड पीठाधीश्वर सोमेंद्र महाराज विराटनगर, प्रहलाद दास महाराज परमानंद जी कुंडा धाम, महामंडलेश्वर बालमुकुंद आचार्य हाथोज के दिव्य आध्यात्मिक सागर में पूरी मनोहरपुर जनता ने गहरा गोता लगाया। निदेशक डॉ. राजेंद्र यादव ने बताया कि परिक्षेत्र में टॉप रहने पर मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य विजय जुलूस की शुरुआत कृष्णा स्कूल परिसर से होकर मनोहरपुर के मुख्य मार्गों से होते हुए गांधी चौक मनोहरपुर में संतों द्वारा मेधावी विद्यार्थियों, अभिभावकों सहित विद्यालय परिवार को सम्मानित किया गया।

संत महात्माओं के दर्शन लाभ व आशीर्वचन प्राप्त करने हेतु ग्राम जनता मनोहरपुर व आस-पास के हजारों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। कार्यक्रम का सफल संचालन कवि कमल मनोहर और संस्था के प्रिंसिपल मदन लाल यादव ने करते हुए कार्यक्रम की शोभा में चार चांद लगाया।

श्री कृष्ण विद्या मंदिर सी. सै.स्कूल की ओर से आयोजित संस्कार महोत्सव के दौरान मेधावी छात्रों का जुलूस निकाला।

तूफान को लेकर पुलिस की अपील

बहरोड़/ भिवाड़ी, (निसं)। चक्रवर्ती तूफान बिपरजॉय को लेकर मौसम विभाग के अनुसार जिले में 16 और 17 जून को तेज गति से हवाओं के साथ बारिश होने की संभावना को लेकर जिला पुलिस भिवाड़ी द्वारा ट्विटर पर आमजन के लिए सतर्क रहने की अपील की गई है।

जिसमें जिला पुलिस भिवाड़ी ने सहायता के लिए नियंत्रण कक्ष नंबर 8764874393 एवं इमरजेंसी 100 तथा 112 नंबर पर सहायता करने के लिए पुलिस नियंत्रण कक्ष भिवाड़ी के नंबर की जानकारी देते हुए अपील की गई है कि तेज हवाओं में मेघ गर्जन के दौरान घरों के भीतर रहें। बिजली के तारों के टूटने व के गिरने की संभावना से सावधानी बरतें। बरसात के दौरान बड़े पेड़ों के नीचे और कच्ची दीवार के पास खड़े नहीं हो। पशुओं को खुले बाड़े में रखें व कुछ नहीं बांधे।

दो पहिया व चौपहिया बिजली के खंभों के नीचे आसपास की जगह खड़ा ना करें। जिन मकानों के टीन शेड हैं उनके गेट बंद रखें।

उत्तर पश्चिम रेलवे G20
ई-निविदा सूचना
मुख्य परियोजना प्रबन्धक गति-शक्ति उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 04.07.2023 को 15.00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई-निविदा आमंत्रित करते है। **क्र.सं. : 1 निविदा संख्या** : 22-2023-GSU-BKN **कार्य का नाम** : बीकानेर डिवीजन के बीकानेर-सूरतगढ़ खंड के दुलमेरा स्टेशन पर एक साथ आगमन और प्रेषण के प्रावधान और महाजन स्टेशन पर टीएम साइडिंग का विस्तार के संबंध में ट्रेक कार्य। **अनुमानित लागत** : 18170618.49 **बिड सिक्यूरिटी राशि (रूपये)** : 240900.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : बोली शुरू होने की तारीख 20.06.2023 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 04.07.2023 को 15.00 बजे तक। **क्र.सं. : 2 निविदा संख्या** : 23-2023-GSU-BKN **कार्य का नाम** : बीकानेर डिवीजन के बीकानेर-सूरतगढ़ खंड के दुलमेरा स्टेशन पर एक साथ आगमन और प्रेषण के प्रावधान और महाजन स्टेशन पर टीएम साइडिंग का विस्तार के संबंध में स्टेशन भवन का निर्माण और अन्य सिविल कार्य। **अनुमानित लागत** : 9793052.47 **बिड सिक्यूरिटी राशि (रूपये)** : 195900.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय** : बोली शुरू होने की तारीख 20.06.2023 और निविदा बंद होने की तारीख और समय 04.07.2023 को 15.00 बजे तक। नोट : अन्य शर्ते रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 637-DG/23
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

कार्यालय ग्राम पंचायत जगदीशपुरा,
पंचायत समिति टोडाभीम, जिला करौली
क्रमांक:-ग्राम पं./निविदा सूचना/2023/277 दिनांक:-14.06.2023
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2023-24
ग्राम पंचायत जगदीशपुरा में वित्तीय वर्ष 2023-24 अन्तर्गत महात्मा गांधी नरेगा योजना एवं अन्य सभी पंचायती राज योजनान्तर्गत करवाये जाने वाले निर्माण कार्यों के लिए निर्माण सामग्री की आपूर्ति हेतु पंजीकृत फर्मों से दो विडो (तकनीकी एवं वित्तीय बिड) में ई-प्रोक्यूरमेंट पद्वति से दिनांक 15.06.2023 से 26.06.2023 को 6.00 पीएम बजे तक ऑनलाईन निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, एवं शर्तों का पूर्ण बेवसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in तथा www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखी एवं डाउनलोड कर प्राप्त की जा सकती है। साथ ही अन्य सभी शर्तें ग्राम पंचायत के नोटिस बोर्ड/कार्यालय में कार्य दिवसों में देखी जा सकती है।
UBN NO.ZKR2324GLOB00053 EPROCID-2023_PRD_343152_1
सरपंच ग्राम पंचायत जगदीशपुरा — ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत जगदीशपुरा

दूदू विधायक की धमकी से लोगों में आक्रोश

सांभरझील, (निसं)। मातृ शक्ति की ओर से सांभर थानाधिकारी राजेंद्र कुमार यादव को दूदू विधायक बाबूलाल नागर के खिलाफ ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

ज्ञापन में महिलाओं ने बताया कि सांभर और फुलेरा के स्थानीय निवासियों द्वारा सांभर को जिला घोषित कराने और दूदू जिले में सांभर फुलेरा को शामिल नहीं करने की मांग को लेकर अहिंसात्मक रूप से आंदोलन किया जा रहा है और इसके लिए प्रशासनिक अधिकारियों को समय समय पर ज्ञापन सौंपकर विरोध भी किया जा चुका है। लेकिन दूदू के वर्तमान निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर द्वारा फागी कस्बे में की गई प्रेस वार्ता में खुलेआम महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाते हुए सांभर फुलेरा की मां बहनों की बेइज्जती करते हुए प्रशासन द्वारा हमारे आंदोलन को कुचल दिए जाने की खुलेआम धमकी दी है। जबकि हमने आपसे और प्रशासन से बार बार निवेदन किया है की सांभर और फुलेरा को आबादी के लिहाज से जिला घोषित किया जाए तथा सांभर फुलेरा के जनमानस और स्थानीय प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए जबरदस्ती नवघोषित दूदू जिले में शामिल करने से बचाया जाए। हमारी जन भावनाओं को ध्यान में रखते हुए हमारी न्यायोचित मांग पर सुनवाई करते हुए शीघ्रताशीघ्र उचित निर्णय लेने की कृपा करें अन्यथा मजबूरन हमें सांकेतिक रूप से राजमार्ग पर दिनांक 18 तारीख प्रदर्शन करने पर मजबूर होना पड़ेगा। प्रशासन द्वारा अगर हमें जबरदस्ती परेशान किया गया अथवा हमारे आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गई तो उसकी समस्त जिम्मेदारी आपकी और नागर की रहेगी।

- महिलाओं ने दूदू विधायक के खिलाफ थानाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

इस मौके पर कमलादेवी खारडिया, सुनीता शर्मा, दुर्गा देवी सूत्रकार, रामेश्वरी कुमावत, ममता, प्रेम देवी, अन्नू, आचुकी देवी, चंद्रकांता सहित अनेक की मौजूदगी रही।

रथ यात्रा के पोस्टर का विमोचन

श्रीमाधोपुर, (निं)। कस्बे के नगर आराध्य देव श्रीगोपीनाथ मंदिर में 17 जून से शुरू होने वाले भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा महोत्सव को लेकर भक्तों ने नगर आराध्य देव श्री गोपीनाथ भगवान के चरणों में आमंत्रण भेंट किया। मंदिर महंत डॉ मनोहर शरण पारीक ने बताया कि 16 जून को शाम सवा 5 बजे भगवान जगन्नाथ महाप्रभु के पंचामृत अभिषेक होगा। 17 जून से 23 जून तक श्रीवृंदावन धाम के राधा रमण दास महाराज प्रतिदिन दोपहर बाद 2 बजे से 5 बजे तक भक्त शिरोमणि मीरा चरित्र की कथा सुनाएंगे। 20 जून को सुबह 8 बजे भगवान जगन्नाथ महाप्रभु बलभद्र और सुभद्रा को रथ में विराजमान कर मंदिर परिक्रमा कराई जाएगी। 24 जून को भगवान जगन्नाथ को रथ में विराजमान कर शाही लवाजमे के साथ नगर भ्रमण कराया जाएगा। इस मौके पर मुरारी लाल पारीक, गिरधारी चौधरी, पीतांबर शरण पटवारी, राजेश पंसारी, जितेंद्र पटवारी, अनिल कूलवाल, श्याम नारनौली, देव न्यारिया, धर्मेंद्र सोनी, अमरचंद समेत भक्तगण मौजूद थे।

बोरिंग का शुभारंभ किया

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं शहर के वीर हनुमान मार्ग वार्ड नं-43 हनुमान वाटिका में बोरिंग को विधायक रामलाल शर्मा ने बटन दबाकर बोरिंग चालू किया। इस दौरान वार्डवासियों द्वारा विधायक का माला और साफा बंधवाकर सम्मान किया तथा विधायक का आभार जताया। इस दौरान भाजपा नगर मंडल महामंत्री महेश सेरावत, ओमप्रकाश फौजी, पवन जांगिड़ आदि मौजूद रहे।

उत्तर पश्चिम रेलवे G20
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबन्धक इन्जीनियरिंग उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर के द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवम् उनकी ओर से ई-निविदा के माध्यम से प्रचलित नियमों के अनुसार निर्धारित प्रपत्रों मे निविदा निम्न कार्यों के लिए क्रमानुसार आमंत्रित की जाती है। **क्र. सं. 1 निविदा संख्या/कार्य का नाम** : इंजी./जय/2023-24/52 सहायक मण्डल इंजी० (लाईन) जयपुर उपमंडल पर जोन संख्या 7ए जयपुर (छोड़कर) से हिरनोदा (सहित) रेलवे कोलोनी स्टाफ क्वाटर्स एवं सर्विस बिल्डिंगों में सेनेटरी कार्यों, सभी प्रकार के रिपेयर कार्य एवं भूमि पर वृक्षारोपण पौधे लगाना और बगीचों का विकास करना तथा उनका रखरखाव करने एवं सम्पूर्ण सेक्शन में लेवल क्रोसिंग, कोलोनी, स्टेशन इत्यादि पर किसी भी प्रकार का रोड इत्यादि का कार्य सीपीडब्लूडी डीएसआर के अनुसार जोन नं० 7ए वर्ष 2023-2024 के लिए जोन कार्य (अवधि 01.07.23 से 30.06.24) **अनुमानित लागत** : रु. 4999959.00 **बिड प्रतिभूति राशि** : रु. 100000.00 **क्र. सं. 2 निविदा संख्या/कार्य का नाम** : इन्जी/जेपी/2023-24/53 वरिष्ठ मंडल इजीनियर (मुख्यालय) जयपुर खण्ड पर - खातीपुरा स्टेशन पर चार नम्बर लिफ्ट एंव आठ नम्बर एस्केलेटर बनाने का प्रावधान। **अनुमानित लागत** : रु. 29449580.00 **बिड प्रतिभूति राशि** : रु. 297300.00 1. उपरोक्त निविदाओ का पूर्ण विवरण वेब साईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। नोटिस बोर्ड-मण्डल रेल प्रबन्धक (निर्माण लेखा) उत्तर पश्चिम रेलवे, जयपुर के कार्यालय में देखी जा सकती है। 2. निविदा फार्म **www.ireps.gov.in** पर जमा कराते समय निविदा फार्म के साथ पैरा 1 के अनुसार आवश्यक दस्तावेज की स्केन प्रति अपलोड करना अनिवार्य है। निविदा संख्या इंजी./जय/2023-24/52 से इन्जी/जेपी/2023-24/53 तक की बन्द होने की तिथि 07.07.2023 समय 15.30 बजे एवं खुलने की तिथी 07.07.2023 समय 16.00 बजे। 639-DG/23
हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए(
कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/978-79 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-05.06.2023
श्री आशीष कुमार तिवाड़ी, पुत्र श्री बनारसी लाल, निवासी-वार्ड नं.03, तिवाड़ियों का मौहल्ला, कस्बा श्रीमाधोपुर, जिला सीकर (राज.) का ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं.03 अवस्थित भूखण्ड	चर्तु सीमाऐं पूरब में 4'-0" चौडी खुली गली व आगे आवास श्री शंकरलाल हलवाई व आवास श्री मुकेश बजाज का, पश्चिम मे 10'-0" की खुली जगह व आगे आम रास्ता, उत्तर में बाडा श्री रामप्रताप तिवाडी का एवं दक्षिण मे बाडा श्री बनारसी लाल तिवाडी का होकर स्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब-पश्चिम 52'-1" एवं उत्तर-दक्षिण पूर्वी भुजा 20'-4" एवं पश्चिमी भुजा 20'-2" होकर कुल रकबा 97.98 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष मे आवेदक द्वारा भूमि मे के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध मे कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 05.06.2023 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

प्रारूप-5 (नियम 6(2) देखिए(
कार्यालय नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर) राज.
क्रमांक-नपाश्रीमा./2022-23/1045-46 **आपत्ति आमंत्रण सूचना** दिनांक-08.06.2023
श्रीमती सावित्री देवी, पत्नी श्री हरनाथ सिंह, निवासी-वार्ड नं.13, राजकीय संस्कृत विद्यालय के पास, कस्बा श्रीमाधोपुर जिला-सीकर (राज.) का ने नीचे वर्णित भूमि में अपने अधिकार आवासीय प्रयोजनार्थ के लिये ऐसी भूमि के उपयोग के लिये पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिये नगर पालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

जिले सहित नगर का नाम	वार्ड/कॉलोनी/ गली का नाम	पडौस द्वारा सीमाबद्ध भू-खण्ड सं.	उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई और चौडाई सहित क्षेत्र (मीटर में)
नगर पालिका श्रीमाधोपुर (सीकर)	वर्तमान वार्ड नं. 13 अवस्थित भूखण्ड	चर्तु सीमाऐं पूरब में आवास श्री सुखाराम पुत्र श्री कानाराम का, पश्चिम में आम रास्ता, उत्तर में आवास श्री सुखाराम पुत्र श्री कानाराम का एवं दक्षिण में आवास श्री कैलाश चन्द पुत्र श्री रामभजन जाट का होकर स्थित है।	भूखण्ड आवासीय प्रयोजनार्थ हेतु जिसकी नाप पूरब-पश्चिम 24'-0" एवं उत्तर-दक्षिण 14'-2" होकर कुल रकबा 37.77 वर्गमीटर है।

इसलिए इसके द्वारा समस्त सम्बन्धित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2009 की धारा-69क के अधिन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्राप्त करने के लिए नगर पालिका के पक्ष मे आवेदक द्वारा भूमि मे के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध मे कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।
उपर्युक्त नियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है और मामले का तदनुसार निपटारा किया जायेगा।
यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 08.06.2023 को जारी की गयी।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका श्रीमाधोपुर

स्कूल में हिंदी माध्यम यथावत रखने की मांग

सांभरझील, (निसं)। यहां की राजकीय दरबार उच्च माध्यमिक विद्यालय (इंग्लिश मीडियम) में हिंदी माध्यम से पढ़ाए जाने वाले संकायों कला, वाणिज्य, कृषि, विज्ञान को यथावत चालू रखने की मांग करते हुए चेयरमैन नवलकिशोर सोनी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने शिक्षा मंत्री बुलाकीदास कल्ला से मिलकर इस आशय का प्रतिवेदन सौंपा है। चेयरमैन सोनी ने बताया कि हिंदी माध्यम बंद हो जाता है तो प्रतिवर्ष सैंकड़ो विद्यार्थियों के लिए अध्ययन का संकट खड़ा हो जायेगा। सम्पूर्ण ब्लॉक में छात्र कला, कॉमर्स, चित्रकला केवल दरबार स्कूल में ही है और कृषि संकाय, साइंस मैथ्स भी पूरे ब्लॉक में सांभर व फुलेरा की स्कूलों में है। ऐसी स्थिति में यदि उपरोक्त संकाय बंद होते हैं हॉस्टल भी बंद हो सकता है, जो की कमजोर वर्ग के हितों पर कुठाराघात व सरकार की मंशा के विरुद्ध कदम होगा, दरबार स्कूल के विशाल परिसर, कक्षाकक्ष, फर्नीचर, शौचालय, लैब आदि की पर्याप्त उपलब्धता को मद्देनजर रखते हुए स्कूल में हिंदी माध्यम को यथावत चालू रखने अथवा दूसरी पारी में हिंदी संकाय चालू रखने का सुझाव भी रखा है।

फल-सब्जी विक्रेताओं ने की स्थाई समाधान की मांग

बौंली, (निसं)। सार्वजनिक निर्माण विभाग बौंली द्वारा अपने सड़क मार्ग को व्यवस्थित करने को लेकर की जा रही कार्रवाई के तहत अस्थाई रूप से संचालित नगर पालिका चौराहे के सामने हीरामन चौक पर फल सब्जी मंडी को हटाने के आदेश के बाद फल सब्जी विक्रेताओं ने स्थाई समाधान की मांग को लेकर नगर पालिका चौराहे पर धरना प्रदर्शन कर प्रशासन का पुतला फूंका एवं प्रशासन, पीडब्ल्यूडी, व नगरपालिका के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

- मांग पूरी नहीं होने तक धरना प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी
- सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा सड़क मार्ग को व्यवस्थित करने को लेकर की जा रही कार्रवाई के तहत अस्थाई रूप से संचालित फल सब्जी मंडी को हटाने के आदेश दिये

इस दौरान फल सब्जी विक्रेताओं के आग्रह पर भारतीय किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री रामावतार मीणा भी अपने समर्थक व कार्यकर्ताओं के साथ धरना प्रदर्शन स्थल नगरपालिका चौराहे पर पहुंचे एवं एसडीएम को फल सब्जी विक्रेताओं से बात करने के लिए बुलाया। लेकिन बार-बार आश्वासन के बावजूद भी प्रशासन के किसी भी अधिकारी द्वारा धरना स्थल पर नहीं पहुंचने पर आक्रोशित फल सब्जी विक्रेताओं ने जनप्रतिनिधियों के सामने नगरपालिका चौराहे पर प्रशासन खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। ज्ञात रहे फल सब्जी मंडी को लेकर करीब 20 वर्ष से फल सब्जी विक्रेता अपनी मांग को लेकर अनेकों बार नगर पालिका एवं प्रशासन को ज्ञापन दे चुके हैं लेकिन अभी तक उन्हें स्थाई सब्जी मंडी की जगह उपलब्ध नहीं कराई गई है इस कारण सभी फल सब्जी विक्रेताओं के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। प्रदर्शनकारियों के बीच पहुंचे भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश किसान मोर्चा मंत्री रामअवतार मीणा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रशासन द्वारा बार-बार आग्रह करने पर भी धरना स्थल पर नहीं पहुंचने के कारण फल सब्जी विक्रेताओं में आक्रोश व्याप्त है एवं इसको लेकर बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, मजदूर, किसान एकत्रित होकर एसडीएम कार्यालय पर ज्ञापन देंगे जब तक समस्या का स्थाई रूप से समाधान नहीं होता तब तक नगर पालिका चौराहे के सामने हीरामन चौक पर स्थाई धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

RIICO **कार्यालय क्षेत्रीय प्रबंधक, रीको, रानपुर, कोटा**
सर्व साधारण को सूचित कियाजाता है कि औद्योगिक क्षेत्र कुबेर, रानपुर, कोटा में औद्योगिक भूखंड संख्या -एफ-22, क्षेत्रफल-1950 वर्गमीटर का आवंटन मैसर्स शशि इंडस्ट्रीज, प्रोपराइटर श्रीमती शशि पंवार के पक्ष में दिनांक 25.09.2002 को किया गया था। आवंटी द्वारा भूखंड की लीज एग्रीमेंट का निष्पादन दिनांक 04.11.2008 को करवाया गया, जिसका पंजीयन कार्यालय उप पंजीयक, कोटा, द्वितीय में दिनांक 5.11.2008 को पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 94, पृष्ठ संख्या 87, क्रम संख्या 2008003735 एवं अतिरिक्त पुस्तक संख्या 1, जिल्द संख्या 374, पृष्ठ संख्या 399 से 410 पर करवाया गया है।
आवंटी मैसर्स शशि इंडस्ट्रीज, प्रोपराइटर श्रीमती शशि पवार द्वारा दिनांक 21.03.2023 को इस कार्यालय को सूचित किया गया है कि उक्त भूखंड की दिनांक 4.11.2008 को निष्पादित एवं दिनांक 5.11.2008 को पंजीकृत मूल लीज एग्रीमेंट गुम हो गई है। श्रीमती शशि पंवार द्वारा लीज एग्रीमेंट के गुमशुदगी की ऑनलाइन रिपोर्ट पुलिस थाना खो नागोरिया, जयपुर सिटी (पूर्व) राजस्थान में दिनांक 15.02.2023 को दर्ज करवायी गयी है।
अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि औद्योगिक भूखंड संख्या एफ-22, औद्योगिक क्षेत्र कुबेर, रानपुर कोटा के संबंध में रीको एवं मैसर्स शशि इंडस्ट्रीज, प्रोपराइटर श्रीमती शशि पंवार के मध्य दिनांक 04.11.2008 को निष्पादित एवं दिनांक 05.11.2008 को पंजीकृत मूल लीज एग्रीमेंट अगर किसी व्यक्ति को प्राप्त हो अथवा किसी वित्तीय संस्थान/बैंक के पक्ष में रहन हो तो इस कार्याय को 30 दिवस की अवधि में लिखित रुप से सूचित करें।
यदि किसी व्यक्ति / विभाग/ वित्तीय संस्थान को इस संबंध में कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति के जारी होने की तिथि से 30 दिवस में लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी प्रकार की आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा एवं औद्योगिक भूखंड संख्या एफ-22 औद्योगिक क्षेत्र कुबेर, रानपुर, कोटा की डुप्लीकेट लीज एग्रीमेंट मैसर्स शशि इंडस्ट्रीज, प्रोपराइटर श्रीमती शशि पंवार के पक्ष में निष्पादित कर दी जावेगी।
क्षेत्रीय प्रबंधक, रीको रानपुरा, कोटा

कार्यालय पंचायत समिति निम्बाहेड़ा जिला चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)
क्रमांक/पसनि/मनरेगा/2023-24/98 दिनांक: 13.06.2023
ई-निविदा सूचना 2023-24
पंचायत समिति निम्बाहेड़ा के अधिनस्थ समस्त 37 ग्राम पंचायतों के लिए महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना एवं ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग की अन्य समस्त योजनाओं में कराये जाने वाले कार्यो के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए निर्माण सामग्री आपूर्ति करने एवं उपकरण उपलब्ध करवाने हेतु राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012, राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता नियम 2013 एवं राजस्थान पंचायती राज नियम 1996 के नियमों के तहत वाणिज्यिक कर/जीएसटी विभाग में पंजीकृत ऐसे विनिर्माता (ओ), विक्रेता (ओ) आपूर्तिकर्ता (ओ), जो किसी भी राजकीय संस्थान/उपक्रमों से बोली लगाने से विवर्जित/ब्लेक लिस्टेड नहीं हो, से ई-टेन्डरिंग की प्रक्रिया द्वारा निविदाए आमंत्रित की जाती है। निविदा की तिथियां, समय व अन्य शर्ते एवं निविदा में सम्पादित करवाये जाने वाले कार्यो की राशि एवं अन्य विस्तृत विवरण ग्राम पंचायत मुख्यालय में कार्यालय समय एवं राज्य लोक उपापन पोर्टल htttp:\\sppp.rajasthan.gov.in एवं http:\\eproc.rajasthan.gov.in पोर्टल पर अवलोकन की जा सकती है।
NIB NO-ZCH2324A0318,
UBN No-ZCH2324GLR00517-551 & 553.554
कार्यक्रम अधिकारी एवं विकास अधिकारी
पंचायत समिति निम्बाहेड़ा

MARUTI SUZUKI ARENA

अमृत उत्सव

इस बेहतरीन अवसर का फ़ायदा उठाएं!

जल्दी करें!

ज़ीरो रजिस्ट्रेशन खर्च^

ज़ीरो डाउन पेमेंट^

अविश्वसनीय कीमतें

ALTO K10
₹5 09 999*
VXI

S-PRESSO
₹5 59 999*
VXI+

₹6 49 999*
VXI CNG

CELERIO
₹5 99 999*
VXI

₹7 09 999*
VXI CNG

ALTO K10 S-PRESSO CELERIO

E-book today at www.marutisuzuki.com or visit your nearest Maruti Suzuki dealership

MARUTI SUZUKI AUTHORIZED DEALERS: JAIPUR CITY: PREM MOTORS PVT. LTD: CORPORATE PARK, GOPAL BARI, AJMER ROAD: 4511111, 9785034000. JAIPUR-VKI, ROAD NO.8: 4411111, 9785023000. **AURIC MOTORS PVT LTD.:** MANSAROVAR: 8929207471. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** VAISHALI MARG, VAISHALI NAGAR: 9209056789. **VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** TONK ROAD: 2727000, 7340045958. AJMER ROAD: 4065555, 9660000363. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** ADARSH NAGAR: 4074444, 9549650361. BANIPARK: 4072222, 2201365, 8698003009. **SATNAM MOTOCORP PVT. LTD.:** MALVIYA NAGAR: 2523400, 8302890000. **JAIPUR: VIPUL MOTORS PVT. LTD.:** DAUSA: 9773364861. LALSOT: 9773364863. BANDIKUI: 9773364864. MAHWA: 9773364862. MEHANDIPUR BALAJI: 9773364865. UNIARA: 7742944482. **KTL AUTOMOBILE PVT. LTD.:** PHULERA: 7412077062. SAMBHAR: 7412068410. ACHROL: 7412077078. **FORTUNE CARS:** KARAULI: 8875001175/ 8875005132. HINDAUN: 9214794314 / 8875007758. **PREM MOTORS PVT. LTD.:** BASSI: 8058794137. SAWAI MADHOPUR: 07462-220029 / 8058799005 / 8058794181. GANGAPUR CITY: 8058794021. BAGRU: 8058401166. KOTPUTLI: 8058794121. JOBNER: 8058796065. RENWAL: 8058600117. RENWAL-MANJHI: 8058794042. DUDU: 8058406655. PHAGI: 8058403338. KANOTA: 8058794167. TUNGA: 8058794137. **K.P. AUTOMOTIVES PVT. LTD.:** TONK: 9549651924. CHAKSU: 9549651926. SHAHPURA: 8696925275. DEOLI: 8696934957. MALPURA: 9549650513. NIWAI: 9667777114. PAOTA: 9549650495. VIRATNAGAR: 6350612446. JAMWA RAMGARH: 6350612727. **SANGA AUTONATION:** 9057809150, 7734901000. **AJMER: RELAN MOTORS**: 0145-2610106, 9214444222. **AJMER AUTO**: 0145-2425200, 9314531845, 9314391004. **ALWAR: MG MOTORS:** 9001795515, 9001795517, 8003692651, 8003692652, 8003090466. **BIKANER: DUDI AUTOMOBILES:** 0151-2942222, 0151 -3550418, 7412075151. PADAMPUR: 7412075151. **AURIC MOTORS**: 0151-2251819, 9529251819, 9636045111. **SRIGANGANAGAR: AURIC MOTORS**: 8955559963. **DUDI AUTOMOBILES:** PADAMPUR: 7412075151. **SIKAR: JAMU AUTOMOBILES**: (01572) 245515 / 246219. **NEEM KA THANA: JAMU AUTOMOBILES**: 9785644715. **JHUNJHUNU: AURIC MOTORS**: 8955664400. **CHURU: TRS CHURU:** 9356501550. **KOTA: BHATIA & COMPANY:** CORPORATE OFFICE: 23-24, INDUSTRIAL ESTATE: 7230006839, 9829818018, 9784598109, 9829099081, 9829045729, 9829187004. DAKANIYA SHOWROOM: G-11-12, AUTO MOBILE ZONE, NEAR DAKANIYA STATION: 9001997116, 9001997113, 9587898054. **SUWALKA MOTORS PVT. LTD.:** KUNHARI: 0744-2370272, 9116312345, 7300308888. SULTANPUR: 9116178527. BHAWANIMANDI: 9116178557. KHANPUR: 07430-299240, 8306333715. **JODHPUR: AURIC MOTORS PVT LIMITED:** SARASWATI NAGAR, NEW PALI ROAD: 0291- 2722691, 9015900500. BALESAR: 6377715171. AHORE: 9015900500. SAYLA: 9015900500. **SHRI KRISHNA AUTO SALES PVT. LTD.:** PRATAP NAGAR: 0291-2762064/65, 9929244403, 9829144436. PHALODI: 9928841300, 9116150669, 9929244402. **L.M.J. SERVICES LTD:** A-11, INDUSTRIAL ESTATE, OPP. UDYOG BHAWAN, NEW POWER HOUSE ROAD: 8094011123, 8094011151, 0291-2630478/79/80. **NAGAUR: MANGALAM MOTORS**: 9116008626, 9116008630. **PALI: L.M.J. SERVICES LTD.:** 02932 - 256177, 8094011136. **SIROHI: NAVNEET MOTORS:** 02972-222917-18, 7665010638. **UDAIPUR: NAVNEET MOTORS**: MADRI: 0294-2494454, 7230046380. CITY STATION ROAD: 0294-2415142, 7230046381. **TECHNOY MOTORS:** GOVARDHAN VILLAS: (0294) 2485158, 2485738, 9982666809. **BANSWARA: NAVNEET MOTORS**: 9414159145, 7665010632, 7412074100. **BHILWARA: LOHIA AUTOMOBILES**: 01482-264061, 264144, 09799545333, 09950512555. **CHAMPION CARS**: 01482-267135, 9602892423, 7727863720. **BHARATPUR: TM MOTORS:** 05644-220970, 226392, 9251423393, 9251423395, 8094000626. **CHITTORGARH: BHATIA & COMPANY**: 9414130799, 9001791753, 9587208999, 9414179006, 9413316117.

*Applicable Terms and conditions available at Maruti Suzuki Arena authorized dealer. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time without any advance notice. All offers are applicable till 30th June 2023 or till stocks last. Offers applicable on selected models and selected cities. Car models and accessories shown may vary from the actual product. Images used are for illustration purpose only. Offers shown above include Consumer Offer and Exchange Bonus. Prices mentioned are tentative and might vary basis applicable offers and registration cost. ^All loans and schemes are at the sole discretion of the Finance Partner.